राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, मंगलवार, 23 जून 2026
वर्ष 07, अंक 256, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

राम मंदिर चढ़ावा विवादः हाई कोर्ट ने जनहित याचिका पर तत्काल सुनवाई से किया इनकार........3

सीएम योगी को SIT ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी.......08

लखनऊ के अलीगंज में बहुमंजिला इमारत में भीषण आग, तार के सहारे कूदकर बचाई जान

● लखनऊ के अलीगंज कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग से 15 लोगों की दुखद मौत हो गई. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त करते हुए घटना की गहन जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस हादसे पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित गेमिंग जोन और सॉफ्टवेयर ऑफिस में लगी, जिसने देखते ही देखते पूरे फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय कार्यालय में बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद थे। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जान बचाने के लिए कई लोगों को इमारत के बाहर लटक रहे तार के सहारे नीचे उतरना पड़ा, जबकि कुछ लोगों ने दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगते ही पूरे परिसर में धुआं भर गया और लोगों के बीच भगदड़ मच गई।

बाहर निकलने का सुरक्षित रास्ता न मिलने पर कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर इमारत से बाहर निकलने का प्रयास किया। इस दौरान कई लोग घायल हो गए, जिनमें एक युवती के भी घायल होने की सूचना है। कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। बताया जा रहा है कि यह कार्यालय अलीगंज स्थित एक पेट शॉप के ऊपर संचालित हो रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग तीसरी मंजिल से शुरू हुई और तेजी से फैलती चली गई। उस समय कार्यालय में 30 से अधिक कर्मचारी कार्यरत थे। अचानक आग लगने से लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला और पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया और फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग लगने के बाद कुछ समय तक दमकल की गाड़ियां मौके पर नहीं पहुंच सकीं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई।

बाद में कई दमकल वाहन घटनास्थल पर पहुंचे और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। फिलहाल दमकल विभाग की टीमें आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही हैं। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि इमारत के भीतर अभी भी कुछ लोग फंसे हो सकते हैं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार 6 से 7 लोगों के अंदर फंसे होने की संभावना है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है। बचाव दल लगातार तलाशी और राहत कार्य में जुटा हुआ है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ प्रशासनिक एवं

कई झुलसे, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

पुलिस अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने को कहा है। दमकल विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, लेकिन आग पर पूरी तरह काबू पाने और जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार, इमारत में पर्याप्त अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन निकास की व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना के बाद प्रशासन ने पूरे मामले की विस्तृत जांच के संकेत दिए हैं। समाचार लिखे जाने तक राहत एवं बचाव कार्य जारी था और दमकल कर्मी आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग इतनी भीषण थी कि लोगों को निकलने का मौका ही नहीं मिला, दो लोग जान बचाने को दूसरी मंजिल से कूद गए, जो गंभीर रूप से चोटिल हैं। मृतकों व घायलों को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेंटर भेजा गया। प्रशासन ने अभी तक 15 लोगों की मौत की ही पुष्टि की है।

अग्निकांड की घटना में जान गंवाने वाले 15 के नाम

सागर उम्र 27 वर्ष, नीलेश उम्र 27 वर्ष, अनामिका उम्र 28 वर्ष, संयम उम्र 30 वर्ष, अनुक्षा उम्र 25 वर्ष, सुमल्या उम्र 30 वर्ष, शाहजान उम्र 19 वर्ष, सुखमणि उम्र 24 वर्ष, आदित्य श्रीवास्तव उम्र 23 वर्ष, अब्दुल रहमान उम्र 24 वर्ष, अम्मार उम्र 22 वर्ष, जैनिल उम्र 23 वर्ष, ज्योति उम्र 24 वर्ष, भविष्य उम्र 19 वर्ष, सूरज उम्र 22 वर्ष।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः हाई कोर्ट का जांच वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार

● उत्तर प्रदेश में अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच की मांग वाली याचिका पर हाई कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है

● याचिकाकर्ता मोहित अशोक ने अयोध्या में राम मंदिर को दिए गए दान में कथित अनियमितताओं और चोरी की स्वतंत्र जांच की मांग की थी

याचिका पर हाई कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार

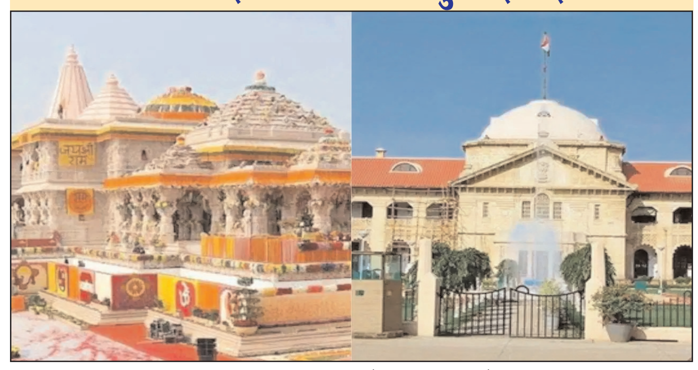

उत्तर प्रदेश में अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर जांच की मांग वाली याचिका पर हाई कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है. इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने मामले में अर्जेंट हियरिंग की मांग स्वीकार नहीं की. हाई कोर्ट ने कहा कि अभी इसकी जरूरत नहीं है. याचिकाकर्ता मोहित अशोक ने कोर्ट से कोर्ट मॉनिटरिंग में समयबद्ध जांच और पूरे मामले का स्वतंत्र ऑडिट कराने की अपील की है। बताया जा रहा है कि इस याचिका में राम मंदिर में आए नकद दान, सोना-चांदी और अन्य चढ़ावे में कथित अनियमितताओं की सी.बी.आई जांच कराने की मांग की गई थी. मोहित अशोक की याचिका पर सुनवाई करते हुए, जस्टिस पंकज भाटिया और जस्टिस अमिताभ कुमार राय की वेकेशन बेंच ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि कोर्ट में पहले से ही बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। बेंच ने मौखिक रूप से कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले का संज्ञान ले लिया है; इसलिए, इस चरण पर तत्काल सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं है।

याचिकाकर्ता ने की थी स्वतंत्र जांच की मांग

याचिकाकर्ता मोहित अशोक ने अयोध्या में राम मंदिर को दिए गए दान में कथित अनियमितताओं और चोरी की स्वतंत्र जांच की मांग की थी. इसके अलावा, उन्होंने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से इस मामले की ऑडिट कराने का अनुरोध किया. याचिका में कोर्ट से आग्रह किया गया कि वह मंदिर ट्रस्ट द्वारा दान कोष के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करें।

एसआईटी रिपोर्ट के आधार पर होगा एक्शन

राम मंदिर दान चोरी की जांच शासन द्वारा गठित एसआईटी कर रही है. बताया जा रहा है कि एसआईटी ने जांच पूरी कर रिपोर्ट तैयार कर ली है. एसआईटी सोमवार को अपनी शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंप सकती है। लेकिन लखनऊ अग्निकांड के बाद अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है. माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर ही इस मामले में एक्शन होगा. उधर एसआईटी टीम रविवार को भी पूरी सक्रियता के साथ काम किया. टीम ने रिपोर्ट में शामिल लोगों के बयान को दुरुस्त करने के लिए फिर से उन लोगों को बुला कर उनका बयान दर्ज किया।

13 जून को SIT गठित

यहां बता दें कि राम मंदिर में गबन का मामला गर्माने के साथ ही योगी सरकार ने जांच के लिए स्ढ्ढञ्ज का गठन कर दिया था. जिसके अध्यक्ष लखनऊ के डिविजनल कमिशनर विजय विश्वास पंत हैं इसके अलावा पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचित नील रतन शामिल हैं। टीम ने मंदिर प्रबंधन और कर्मचारियों के बयानों और परिसर में जाकर रिपोर्ट तैयार कर ली है. जिसे कभी भी सरकार को सौंपा जा सकता है।

संक्षिप्त ख़बरें

मैनपुरी से नए कैंटर का पूजन कराने लाए थे बटेश्वर, नहाते समय यमुना के गहरे पानी में डूबा युवक; मौत

बटेश्वर (आगरा)। मैनपुरी में खरीदे गए नए कैंटर का पूजन कराने के लिए कुछ लोग सोमवार को बटेश्वर पहुंचे। यहां पूजन के बाद कैंटर स्वामी के साथ आया युवक, यमुना में स्नान के लिए चला गया। नहाते-नहाते वह गहरे पानी में डूब गया। वहीं युवक की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। मैनपुरी जनपद के थाना औंछा क्षेत्र के पिडरिया चौराहा गांव दलीपुर निवासी विकास (25) पुत्र सुरेश अपनी मां हरिप्यारी के साथ गांव के ही संजीव की कैंटर गाड़ी का पूजन कराने बटेश्वर आया था। मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद विकास महादेव घाट पर दोपहर करीब दो बजे करीब स्नान करने लगा। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो घाट पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर बटेश्वर पुलिस मौके पर पहुंच गई और गोताखोरों को बुलाकर तलाश अभियान शुरू कराया। मां हरिप्यारी का रो-रोकर बुरा हाल है। करीब तीन घंटे बाद गोताखोरों ने उसके शव को बाहर निकाल लिया।

दूल्हे ने शराब पीकर किया ड्रामा, अलीगढ़ में शादी के बाद दुल्हन ने किया साथ जाने से इनकार

विजयगढ़ (अलीगढ़)। शादी के मंडप में फेरे लेने के बाद विदाई से पहले दूल्हे द्वारा शराब पीने की बात उजागर होने पर विवाद पनप गया जिससे दुल्हन का दिल टूट गया, जहां परिवार शादी की खुशियां मना रहा था, तो सभी रिश्तेदार विदाई का इंतजार कर रहे थे, वहां कुछ ही देर में सन्नाटा पसर गया। दुल्हन ने दूल्हे के साथ जाने से साफ इनकार कर दिया, मामला स्थानीय थाने में पहुंचा लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं हो सका जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम नगला बरी निवासी जगबीर सिंह ने अपनी बेटी का रिश्ता बिचौलियों के माध्यम से ग्राम नागवाई जिला एटा निवासी नेम सिंह के पुत्र सचिन के साथ किया था। शादी की दोनों ओर से धूमधाम के साथ तैयारियां की गई थीं बताते हैं।

अवैध हिरासत मामलाः UP सरकार को सुप्रीम कोर्ट से राहत, 10 लाख के मुआवजे पर लगाई रोक

● सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश पुलिस की गिरफ्तारी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं. राज्य सरकार के वकील ने आज अदालत को बताया कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के लिखित आधार नहीं दिए गए थे, जिसकी उन्होंने पुष्टि कर दी

हालांकि, सरकार ने केवल लगाए गए जुर्माने की राशि पर आपत्ति जताई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश सरकार के वकील ने आज सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हाई कोर्ट के इस निष्कर्ष पर कोई विवाद नहीं है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए थे. वकील ने कोर्ट से कहा कि मैं इस बात से इनकार नहीं कर रहा हूं कि गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए थे। मैं केवल लगाए गए जुर्माने की राशि के बारे में बात कर रहा हूं. संबंधित साह्र को हमने सस्पेंड कर दिया था. इसके बाद कोर्ट ने हिरासत में लिए गए व्यक्ति को मुआवजा देने के आदेश पर रोक लगा दी।

उत्तर प्रदेश पुलिस की गिरफ्तारी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए

ये मामला मनोज कुमार द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट में दायर 'हेबियस कॉर्पस' (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका से जुड़ा है. उन्होंने उन्नाव में दर्ज एक आपराधिक मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी और हिरासत से रिहाई की मांग की थी।

जनवरी में किया गया था गिरफ्तार

कुमार को सितंबर 2024 में दर्ज FIR के सिलसिले में 27 जनवरी, 2026 को गिरफ्तार किया गया था. उन्होंने तर्क दिया कि गिरफ्तारी गैर-कानूनी थी क्योंकि पुलिस उन्हें गिरफ्तारी के लिखित आधार देने में विफल रही, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) की व्याख्या करने वाले सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसलों में अनिवार्य किया गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पाया कि मनोज कुमार की गिरफ्तारी मेमो में सिर्फ केस नंबर लिखा था, गिरफ्तारी की कोई वजह नहीं बताई गई थी. कोर्ट ने कहा कि वजह न बताने से पूरी गिरफ्तारी और रिमांड गैर-कानूनी हो गई. कोर्ट ने राज्य सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (होम) से पूछा कि कुमार को तीन महीने तक गलत तरीके से जेल में रखने के लिए सरकार पर भारी जुर्माना क्यों न लगाया जाए. कोर्ट ने यह भी कहा कि एडिशनल चीफ सेक्रेटरी ने कोर्ट के आदेश को गंभीरता से नहीं लिया, बल्कि सिर्फ औपचारिक जवाब दिया.

कोर्ट ने कहा, 'अगर होम डिपार्टमेंट के सबसे बड़े अधिकारी, यानी एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (होम) की तरफ से दिमाग का इस्तेमाल न करने का ऐसा मामला सामने आता है, तो हम अच्छी तरह समझ सकते हैं कि राज्य के दूसरे अधिकारी कैसे काम कर रहे होंगे।

एकल आवास का नक्शा पास और वीपी शुक्ला ने खड़ी कर दी चार मंजिला इमारत, घोर अराजकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अब तक के सबसे बड़े अग्निकांड में जिला और पुलिस प्रशासन की बड़ी लापरवाही भी सामने आ रही है। बिजली विभाग के साथ ही एलडीए और नगर निगम भी कठघरे में हैं। अलीगंज के पुरनिया/सेक्टर डी इलाके में जिस भवन में आग लगी और 18 लोगों की मौत हुई है, उसका सिर्फ भूतल का आवासीय नक्शा पास था और चार मंजिला व्यावसायिक भवन खड़ा कर दिया गया। इस बिल्डिंग को फायर और विद्युत सुरक्षा विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं मिला था।

इसके बाद भी वीरेन्द्र प्रसाद शुक्ला पुत्र सुरेंद्र प्रसाद शुक्ला अलीगंज पेट शॉप और गेमिंग जोन के साथ अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे थे। इसमें इंट्री और एक्जिट भी एक ही है। इसके बाद भी किसी सरकारी मुलाजिम की नजर इधर नहीं पड़ी। इनके मकान पर विद्युत लोड 20 किलोवाट का पास था और यह लोग 35.50 किलोवाट का उपयोग कर रहे थे।

लाइसेंस कैसे मिला

बिल्डिंग पर फायर की एनओसी और बिल्डिंग सेफ्टी सर्टिफिकेट नहीं था, इसके बाद भी यहां गतिविधियां संचालित थीं। फरवरी 2025 में अलीगंज समेत कई संस्थानों पर नोटिस जारी होने और लाइसेंस रद करने की सिफारिश की गई थी। इसके बाद भी भीषण गर्मी में इस बिल्डिंग में आधा दर्जन से अधिक एसी चल रहे थे।

लाइसेंस कैसे मिला

बिल्डिंग पर फायर की एनओसी और बिल्डिंग सेफ्टी सर्टिफिकेट नहीं था, इसके बाद भी यहां गतिविधियां संचालित थीं। फरवरी 2025 में अलीगंज समेत कई संस्थानों पर नोटिस जारी होने और लाइसेंस रद करने की सिफारिश की गई थी। इसके बाद भी भीषण गर्मी में इस बिल्डिंग में आधा दर्जन से अधिक एसी चल रहे थे।

केन्या से स्टडी वीजा पर दिल्ली आकर बेच रहे थे ड्रग्स, पुलिस ने नाइजीरियाई साथी समेत 3 तस्करों को दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। डेढ़ साल पहले केन्या से एक युवक पीएचडी करने के लिए दिल्ली आया। एक यूनिवर्सिटी में दाखिला लेकर पढ़ाई करने लगा। इस दौरान तस्करों के साथ मिलकर ड्रग्स की तस्करी करने लगा। प्रीत विहार थाना पुलिस ने कन्या के छात्र समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान राधू पैलेस झुग्गी निवासी आफताब, केन्या छात्र अबोंगो केनेडी और नाइजीरियाई नागरिक लकी के रूप में हुई है। इनके पास से 61 ग्राम गांजा, 11 ग्राम एमडीएमए, दो स्कूटी व तस्करी से कमाए गए 1.37 लाख रुपये बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि विकास मार्ग के पास एक युवक ड्रग्स लेने आने वाला है थानाध्यक्ष सुबोध कुमार सोलंकी के नेतृत्व में एसआई क्रांतिवीर, कांस्टेबल अनुभव की एक टीम बनाई।

क्यूबा कैफे के पास जाल बिछाकर पकड़ा

टीम ने क्यूबा नाम के एक कैफे के पास

अपना जाल बिछाया। एक स्कूटी सवार संदिग्ध वहां पर पहुंचा। पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपित की पहचान आफताब के रूप में हुई। इसके पास से पुलिस ने एमडीएमए ड्रग्स बरामद की। इसने बताया कि वह नाइजीरिया के नागरिक से ड्रग्स खरीदता है। आरोपित की निशानदेही पर पुलिस ने गणेश नगर से इसके दो विदेशी साथी को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि केन्या का नागरिक पढ़ाई की वीजा पर भारत आया था। जबकि नाइजीरिया नागरिक का पोस्टमार्ट व अन्य कागजात मिले नहीं हैं। नाइजीरिया का नागरिक तस्करों के संपर्क में था। यह ड्रग्स लेकर दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बेचता था। केन्या का छात्र उसके साथ पिछले कई माह से जुड़ा हुआ था।

ममता को अध्यक्ष पद से हटाया, अभिषेक निलंबित... बागियों ने संभाली TMC की कमान

● पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस में बड़ा विद्रोह हुआ है. ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में बागी विधायकों ने ममता बनर्जी को चेयरपर्सन पद से हटाकर अरूप रॉय को नया अध्यक्ष चुना है. अभिषेक बनर्जी को पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया है

● 60 विधायकों और 70 पार्षदों के समर्थन से बनी इस नई कमेटी ने राज्य की राजनीति में भूचाल ला दिया है, जिससे पार्टी सिंबल को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में बागी तृणमूल कांग्रेस ने अभिषेक बनर्जी को पार्टी से सस्पेंड कर दिया और ममता बनर्जी को पार्टी के चेयरपर्सन पद से हटा दिया. विधायक अरूप रॉय को नया चेयरमैन चुना गया. इस तरह से बागी तृणमूल कांग्रेस के विधायकों ने पार्टी पर कब्जा करने का संकेत दिया. अब नया संगठन बन गया है, क्या बागी इस बार सिंबल के लिए अप्लाई करेंगे? इसे लेकर सवाल किये जा रहे हैं एक नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम में, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने सोमवार को ममता बनर्जी द्वारा बनाई गई तृणमूल कांग्रेस पर औपचारिक रूप से कब्जा कर लिया. पार्टी बनने के बाद पहली बार ममता बनर्जी को पार्टी चेयरपर्सन के पद से हटाया दिया गया।

टीएमसी के 60 बागी विधायकों और कम से कम 70 पार्षदों की मौजूदगी में ऋतब्रत गुट ने यह फैसला किया. यह कदम पश्चिम बंगाल के राजनीतिक माहौल में एक बड़ा बदलाव है, जिसमें बागी गुट ने पार्टी के अंदर संगठन और लेजिस्लेटिव सपोर्ट का दावा किया है क्योंकि वह एक नया लीडरशिप स्ट्रक्चर बनाना चाहता है।

जानें नई कमेटी में किसे मिली जगह

नए तृणमूल जनरल सेक्रेटरीः जावेद खान, संदीपन साहा, रीताब्रत बनर्जी, सबीना

यास्मीन.

कोषाध्यक्षः अख्तरुज्जमां.

उपाध्यक्षः अरूप बिस्वास, फिरहाद हकीम, रथिन घोष.

चेयरमैनः अरूप रॉय

ऋतब्रत ने पार्टी के पार्षदों के साथ की बैठक

इससे पहले आज न्यूटाउन में ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी के बागी पार्षदों की बैठक हुई इस बैठक में करीब 70 पार्षद उपस्थित थे. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ऐलान के मुताबिक, कोलकाता में कुछ ही महीनों में कोलकाता नगर निगम के चुनाव होंगे. चुनाव दिसंबर तक होने हैं, लेकिन उससे पहले पार्षदों की ये तस्वीरें तृणमूल कांग्रेस में बड़ी फूट की ओर इशारा कर रही हैं। राज्य में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद, शोभनदेव चटर्जी का नाम विपक्ष के नेता के तौर पर विधानसभा भेजा गया. 70 विधायकों के साइन के साथ एक रेजोल्यूशन कॉपी विधानसभा भेजी गई. फिर, एंटाली के विधायक संदीपन साहा और उलुबेरिया पूर्व के विधायक ऋतब्रत बनर्जी ने शिकायत की कि उन्होंने साइन नहीं किए. साइन नकली थे. फिर वे स्पीकर के पास गए और इसकी शिकायत की।

संक्षिप्त खबरें

सरकारी जमीन के लाखों के पेड़ बेचे जाने का आरोप दो प्रधानों समेत नेखपाल पर मुकदमा

बस्ती। बस्ती जिला भ्रष्टाचार की आज में चल रहा है चाहे वह राजस्व विभाग हो चाहे विकास विभाग हो या पुलिस विभाग सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी वन विभाग में हो रहा है मौके पर ग्राम प्रधान द्वारा और हल्का लेखपाल की मिली भगत से कई लाखों के पेड़ बिक्री कर लिए गए जिसकी भनकपन क्षेत्र अधिकारी को नहीं लग पाई जिले पर बैठे जिम्मेदार अधिकारी भ्रष्टाचार रोकने में नाकाम साबित हो रहे हैं कैसे भ्रष्टाचार की आग कब बुझेगी भ्रष्टाचार होता रहा अधिकारी सोते रहे जनता पिसती रही कोई सुनने वाला अधिकारी नहीं बैठा है संबंधित कर्मचारियों अधिकारियों के कान भर देते हैं इसलि कार्रवाई नहीं हो पा रही है नहीं संभाल रहा जिला संबंधित अधिकारियों से वन विभाग के अधिकारियों को जिले से लेकर हरैया वनक्षेत्रअधिकारी सहित कर्मचारियों को बर्खास्त करना चाहिए भ्रष्टाचार की गंगा में डुबकी लगाने में कोई विभाग चूक नहीं रहा है कैसे होगा जिले का विकास भगवान भरोसे छोड़ गया हल्का लेखपाल और प्रधान के खिलाफ वन क्षेत्र अधिकारी द्वारा द्ध द्ध ह्न दर्ज किया गया ता जा मामला परशुरामपुर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत ककराखुर्द और हरनहवा में सरकारी भूमि पर खड़े लाखों रुपये मूल्य के पेड़ों की अवैध कटान और बिक्री का मामला सामने आरोप है कि दोनों ग्राम पंचायतों के प्रधानों ने वन विभाग को सूचना दिए नियमानुसार नीलामी कराए बिना ही कीमती पेड़ों को बेच दिया मामले की जानकारी मिलते ही वन विभाग हरैया ने जांच शुरू करते हुए कड़ी कार्रवाई की प्रथम दृष्टया अनियमितता पाए जाने पर संबंधित प्रधानों एवं नेखपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया घटना से क्षेत्र में हड़कंप मचा वन क्षेत्राधिकारी शारदानंद त्रिपाठी ने बताया कि सरकारी पेड़ों की कटान और बिक्री की शिकायत प्राप्त हुई जांच में अवैध कटान के तथ्य सामने आए हैं जिसके आधार पर संबंधित लोगों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने वाले प्रधानों और लेखपाल के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगीसरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचता फिलहाल वन विभाग पूरे प्रकरण की गहन जांच में जुटा और अन्य जिम्मेदार लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही। क्या इन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी लेकिन अब कोई कार्रवाई ब्यौरा नहीं प्राप्त हुआ देखते हैं इस मामले में जिलाधिकारी क्या एक्शन लेती है क्या इन भ्रष्टाचार्यों पर कार्रवाई होगा।

मां की डांट से नाराज किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के गोपीगंज पुलिस चौकी अंतर्गत चूड़िहारी मोहल्ला में मां की डांट से नाराज होकर एक किशोरी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चूड़िहारी मोहल्ला निवासी ख्वाजा मैनुद्दीन की 15 वर्षीय पुत्री हैदरी को सोमवार की सुबह किसी बात को लेकर उसकी मां ने डांट दिया था। बताया जाता है कि इससे नाराज होकर किशोरी अपने कमरे में चली गई और रोशनदान में दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर के बाहर थे। कुछ देर बाद जब परिजन घर के अंदर पहुंचे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी प्रयास के बावजूद दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए। आनन-फानन में किशोरी को फंदे से उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।अस्पताल प्रशासन द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुट गई। मृतका के पिता ख्वाजा मैनुद्दीन ने थाने में लिखित तहरीर देकर बताया कि मां की डांट से नाराज होकर उनकी पुत्री ने यह कदम उठाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोपीगंज मे आज रात निकलेगा अलम का जुलूस

गोपीगंज। नगर में मुहर्रम की सातवीं तारीख पर मंगलवार की रात अलम का जुलूस निकाला जाएगा। नगर के दो मोहल्लों से अलग-अलग समय पर जुलूस निकाले जाएंगे, जिसमें अखाड़े के लोग अलम लेकर नगर भ्रमण करेंगे। जानकारी के अनुसार पहला जुलूस रात नौ बजे चुड़िहारी मोहाल स्थित बस स्टैंड से अखाड़ा शेख सलामत खान द्वारा निकाला जाएगा। वहीं दूसरा जुलूस रात 12 बजे सराय मोहाल से अखाड़ा धूम खा द्वारा निकाला जाएगा। दोनों जुलूस निर्धारित रूट से होकर गुजरेंगे। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने जुलूस मार्ग पर सतर्कता बढ़ा दी है और शांतिपूर्ण आयोजन के लिए ताजियादारों से सहयोग की अपील की है।नगर पालिका व बिजली विभाग को जुलूस मार्ग पर व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं।

मिनी बस की टक्कर से पुलिसकर्मी की मौत

● क्षेत्र में शोक और आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के वॉल्टरगंज थाना क्षेत्र में सोमवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में सिद्धार्थनगर में तैनात एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। तेज रफ्तार से चल रही एक अवैध मिनी बस ने बाइक सवार आरक्षी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिद्धार्थनगर जनपद में तैनात आरक्षी मिथिलेश अपनी ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान वॉल्टरगंज थाना क्षेत्र स्थित बालेडीहा आयुर्वेद अस्पताल के पास एक डग्गामार मिनी बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और आरक्षी मिथिलेश सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद घायल पुलिसकर्मी काफी देर तक सड़क पर तड़पते रहे। स्थानीय लोगों ने उन्हें उपचार के लिए भेजने का प्रयास किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई और माहौल गमगीन हो गया। इस हादसे के बाद अवैध रूप से संचालित डग्गामार वाहनों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि ऐसे वाहनों के खिलाफ समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जाती, तो यह दर्दनाक हादसा टाला जा सकता था। लोगों ने परिवहन विभाग और संबंधित अधिकारियों से अवैध वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने की मांग की है। सूचना मिलने पर वॉल्टरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना में शामिल वाहन को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है तथा दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। आरक्षी मिथिलेश की असामयिक मृत्यु से उनके परिजनों, सहकर्मियों और क्षेत्रीय लोगों में गहरा शोक व्याप्त है। वहीं हादसे को लेकर लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग उठ रही है। यहां सवाल यह उठता है कि आम पब्लिक की पैदल ले जा रहे मोटरसाइकिल का भी चालान कर देने वाली पुलिस आखिर डग्गामार वाहनों पर क्यों है इतना मेहरबान 7 वहीं अगर लोगों की बात पर विश्वास करें तो हफ्ता मिलने के कारण नहीं होती है ऐसे वाहनों पर कोई कार्रवाई।

वाहनों की फिटनेस संभालेंगे आरआई राजीव कुमार

बस्ती। जनपद बस्ती में वाहनों के फिटनेस संबंधित कार्य आर आई, के न होने से प्रभावित रहा है। उक्त के दृष्टिगत, उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र), अयोध्या के कार्यालय आदेशानुसार, 20.जून 2026 द्वारा राजीव कुमार, मोटरयान निरीक्षक, अयोध्या को जनपद बस्ती में लाइसेंस, फिटनेस सम्बन्धी कार्य, स्वस्थता जॉच आदि कार्य करने हेतु नामित किया गया है। जनपद अयोध्या में उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) व सम्भागीय परिवहन कार्यालय स्थापित है। जनपद में निरन्तर विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों का आवागमन बना रहता है जिसमें फ्लीट निरीक्षण आदि का कार्य मोटरयान निरीक्षक, अयोध्या द्वारा ही सम्पादित किया जाता है। उक्त परिस्थितियो के दृष्टिगत राजीव कुमार, मोटरयान निरीक्षक, (आर आई) बस्ती की निम्न सारणी के अनुसार मंगलवार, बृहस्पतिवार, एवं शनिवार को आवंटित दिवसों में जनपद बस्ती में वाहनों के फिटनेस कार्य के सम्पादन हेतु अस्थायी रूप से अग्रिम आदेशों तक, अथवा जनपद बस्ती में किसी मोटरयान निरीक्षक की तैनाती होने तक की अवधि के लिए निम्नवत ड्यूटी लगायी जाती है।

हरैया क्षेत्र में खाद हेरा फेरी की आशंका किसानों से पैसा व अंगूठा लेने के बाद भी नहीं मिली खाद पैक्स पर गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खंड हरैया वी-पैक्स कुचैला केशवपुर में खाद वितरण को लेकर बड़ा विवाद दर्जनों किसानों ने आरोप लगाया उनसे महीनों पहले अंगूठा लगवाकर नकद भुगतान ले लिया गया लेकिन आज तक खाद उपलब्ध नहीं कराई गई। किसानों का कहना महीना पहले भी सभी जरूरी दस्तावेज जमा कराए गए फिर भी खाद वितरण नहीं किया जा रहा सबसे चौंकाने वाली बात कि जब किसान अन्य केंद्रों पर खाद लेने पहुंचते हैं तो उन्हें बताया जाता है कि उनके नाम पर खाद पहले ही जारी दिखाई जा रही। इससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त किसानों ने यह भी आरोप लगाया है कि खाद की प्रत्येक बोरी पर निर्धारित मूल्य से लगभग 15 रुपये अधिक वसूले जा रहे। किसानों का सवाल आखिर उनके नाम पर खाद किसे दी गई और भुगतान लेने के बावजूद उन्हें खाद क्यों नहीं मिल रही बुवाई का समय निकलता जा रहा है किसान खाद के लिए दर-दर भटकने को मजबूरकिसानों ने जिला प्रशासन, सहकारिता विभाग एवं संबंधित अधिकारियों से तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा किसानों को शीघ्र खाद उपलब्ध कराने की मांग। किसानों के आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला केवल लापरवाही नहीं बल्कि खाद वितरण में अनियमितता हेरा फेरी इशारा करता है।

बलरामपुरः पाक्सो एक्ट के वांछित आरोपी को पचपेड़वा पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर की पचपेड़वा पुलिस ने पाक्सो एक्ट एवं अन्य गंभीर धाराओं में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक तथा क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में पचपेड़वा पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, थाना पचपेड़वा में दर्ज मुकदमा संख्या 98/2026 में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं एवं पाक्सो एक्ट के तहत वांछित चल रहे आरोपी मो. शहवान पुत्र अब्दुल्ला निवासी गौरडीह कुशमहर, थाना पचपेड़वा को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध नाबालिग से संबंधित गंभीर आरोप दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए रवाना कर दिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक दिनेश राय, आरक्षी राहुल पाल, आरक्षी देवेंद्र वर्मा एवं महिला आरक्षी कोमल यादव शामिल रहीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराधियों एवं वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बहुता में अवैध मिट्टी खनन पर कार्रवाई, दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गई

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

भदोही। सुरियावां कोतवाली क्षेत्र के बहुता गांव में खनन विभाग ने अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मिट्टी से लदी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़ लिया। खनन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने सूचना के आधार पर मौके पर पहुंचकर वाहनों की जांच की। जांच के दौरान वाहन चालक मिट्टी खनन एवं परिवहन से संबंधित वैध अनुमति पत्र और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को कब्जे में लेकर थाना सुरियावां पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। खनन अधिकारी ने बताया कि मामले में खनन नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन और मिट्टी परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कृष्णा भगौती में अवैध निर्माण और भूमि विवाद का मामला गरमाया

● जिलाधिकारी से कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के ग्राम कृष्णा भगौती में भूमि विवाद और कथित अवैध निर्माण का मामला प्रशासनिक गलियारों तक पहुंच गया है। गांव की निवासी संध्या चौधरी ने जिलाधिकारी बस्ती, संपूर्ण समाधान दिवस तथा अन्य अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर एक व्यक्ति पर बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के व्यावसायिक एवं आवासीय निर्माण कराने, भूमि पर अतिक्रमण करने, निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करने तथा परिवार को प्रताड़ित करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रार्थना पत्र में संध्या चौधरी पत्नी चंद्र प्रकाश चौधरी ने आरोप लगाया है कि गाटा संख्या-60 स्थित भूमि में उनका भी वैधानिक हिस्सा है। उनके अनुसार उसी भूमि पर उमाशंकर चौधरी पुत्र कृष्ण प्रसाद द्वारा वर्ष 2024 में बिना विकास प्राधिकरण बस्ती से नक्शा स्वीकृत कराए बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य कराया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि लगभग 0.038 हेक्टेयर भूमि पर पहले एक विशाल गोदाम का निर्माण किया गया और उसके ऊपर 34 पिलरों के सहारे छह व्यावसायिक दुकानों का निर्माण कर उन्हें किराये पर संचालित कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परिसर के पीछे एक रिहायशी भवन भी निर्मित किया गया है। संध्या चौधरी का आरोप है कि उक्त निर्माण विकास प्राधिकरण की अनुमति के बिना कराया गया, जो भवन निर्माण नियमों के विपरीत है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि वर्ष 2024 में प्रशासन द्वारा इस निर्माण के संबंध में नोटिस जारी की गई थी, लेकिन उसके बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और निर्माण कार्य यथावत जारी रहा। शिकायतकर्ता ने अपने एक अन्य प्रार्थना पत्र में बताया है कि वह अपनी भूमि की सुरक्षा के लिए चारदीवारी, गेट तथा पानी निकासी हेतु सेफ्टी टैंक का निर्माण करा रही थीं, लेकिन विरोधी पक्ष द्वारा बार-बार इसका विरोध किया गया। आरोप है कि उनके निर्माण कार्य को रुकवाने के लिए पुलिस को मौके पर बुलाया गया तथा उनके परिवार के सदस्यों के विरुद्ध कार्रवाई कराई गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि उनके पति चंद्र प्रकाश चौधरी एवं पुत्रों के विरुद्ध शांति भंग की कार्रवाई और फौजदारी मुकदमा दर्ज कराया गया।संध्या चौधरी ने प्रशासन को दिए गए शिकायती पत्र में यह भी कहा है कि उनके परिवार को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है तथा जानमाल की धमकियां दी जा रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी पक्ष अपनी प्रभावशाली पहुंच का इस्तेमाल कर उन्हें अपनी भूमि पर गेट लगाने और सुरक्षा संबंधी निर्माण कार्य कराने से रोक रहा है।मामले को लेकर संध्या चौधरी ने जिलाधिकारी से मांग की है कि गाटा संख्या-60 स्थित भूमि पर हुए कथित अवैध निर्माण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया जाए। साथ ही उन्हें अपनी भूमि पर सुरक्षा संबंधी निर्माण कार्य कराने में प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

पार्टी के बहाने बुलाकर युवक की हत्या का आरोप

● बलरामपुर में यूकेलिप्टस के बाग में मिला खून से सना शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर के श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र में रविवार रात एक युवक का खून से सना शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव इटई मैदा स्थित बजाज चीनी मिल के पास यूकेलिप्टस के बाग में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।ग्राम पंचायत गायडीह के मजरा अहिरनडीह निवासी अब्दुल कय्यूम पुत्र निब्बर ने पुलिस को तहरीर देकर गांव के कुछ युवकों पर उनके छोटे भाई मोहम्मद हुसैन उर्फ राजू (25) की हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि राजू की आरोपितों से पुरानी रंजिश चली आ रही थी और उसे पहले भी जान से मारने की धमकियां दी जा चुकी थीं।परिजनों के मुताबिक, हाल ही में मुंबई से लौटे एक आरोपी ने राजू को धमकी देते हुए कहा था कि वह मोहर्रम से पहले उसकी हत्या कर देगा। परिवार का आरोप है कि इसी दुश्मनी के चलते योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम दिया गया।परिजनों का आरोप है कि रविवार शाम आरोपी युवक राजू को शराब पिलाने और पार्टी करने के बहाने घर से अपने साथ ले गए। इसके बाद बजाज चीनी मिल के पास स्थित यूकेलिप्टस के बाग में ले जाकर उस पर चाकुओं से हमला कर दिया। हमले में उसकी मौत हो गई और आरोपी मौके से फरार हो गये,रात करीब 7:40 बजे अब्दुल कय्यूम के पुत्र अहमद रजा ने फोन कर परिवार को सूचना दी कि राजू का शव बाग में पड़ा है। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जहां युवक खून से लथपथ मृत अवस्था में मिला। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए।मृतक राजू की शादी करीब दो वर्ष पहले हुई थी। उसकी कोई संतान नहीं थी। वह रोजी-रोटी के लिए प्रदेश से बाहर मजदूरी करता था और करीब दो माह पहले ही गांव लौटा था। परिवार में सबसे छोटा होने के कारण उसकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।परिजनों ने अमीर, समीर, अरमान, सलमान, हमदान, इरफान तथा एक अन्य सहयोगी पर हत्या की साजिश रचने और वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि पुरानी दुश्मनी के चलते राजू को सुनियोजित तरीके से घर से बुलाकर मौत के घाट उतारा गया।थाना प्रभारी अविरल शुक्ला ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर छह नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है। युवक की हत्या के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले का जल्द खुलासा कर सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बलरामपुरः डीएम-एसपी की अध्यक्षता में सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक

● सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने की। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय सहित विभिन्न समुदायों के गणमान्य नागरिक एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जनपद के विभिन्न सर्किलों में त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने अवगत कराया कि सभी थाना क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठकें सम्पन्न कर ली गई हैं तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बैठक में मौजूद गणमान्य नागरिकों से संवाद कर शांति व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में सुझाव प्राप्त किए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहार स्थलों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं समय से सुनिश्चित की जाएं, ताकि श्रद्धालुओं एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने कहा कि जनपद की गंगा-जमुनी तहजीब एवं आपसी सौहार्द इसकी सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने लोगों से सभी त्योहार प्रेम, भाईचारे एवं शांति के साथ मनाने तथा अफवाहों से दूर रहने की अपील की। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा जाएगा। किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने नागरिकों से पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। बैठक में उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया और सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहारों के सफल आयोजन के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश रस्तोगी, समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अंतर्गत जनपद भदोही पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति फेज-5.0 'द्वितीय चरण के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु जनपद भदोही पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिनव त्यागीके निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवालके पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थानों की एंटी रोमियो टीमों एवं महिला पुलिस कर्मियों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर भ्रमण कर छात्राओं, महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों तथा महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अभियान के दौरान महिलाओं को वूमेन पावर लाइन-1090, यूपी-112, महिला हेल्पलाइन-181, साइबर हेल्पलाइन-1930, एम्बुलेंस सेवा-108, सीएम हेल्पलाइन-1076 सहित विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई तथा पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया।भदोही पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण हेतु जागरूकता अभियान आगे भी निरंतर संचालित किया जाता रहेगा।

बस्ती को 'बेस से स्पेस' अभियान को मिले नए पंख

● महिलाओं एवं बच्चों के सपनों ने बढ़ाया समाजसेवी मनीष मिश्रा का उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के बेलवा डाड़ी मोहल्ले में स्थित एक मैरेज हॉल में 'बस्ती को बेस से स्पेस तक' अभियान के संस्थापक एवं समाजसेवी मनीष मिश्रा के सम्मान में समूह की बहनों द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, महिलाएं, बच्चे और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह के दौरान शिक्षा, संस्कार और आधुनिक विज्ञान के समन्वय पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण उस समय आया जब उपस्थित बच्चों में से एक बच्चे ने मंच से अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि वह बड़ा होकर स्पेस इंजीनियर बनना चाहता है। बच्चे की यह बात सुनकर समाजसेवी मनीष मिश्रा भावुक हो उठे और उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने कहा कि वास्तव में ऐसे ही सपने किसी समाज और क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा देते हैं। मनीष मिश्रा ने कहा कि आज उन्हें महसूस हो रहा है कि उनकी पहल सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 'सही मायने में आज मेरा हौसला और अधिक बढ़ गया है। जब छोटे बच्चे बड़े सपने देखने लगते हैं तो यह समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत होता है। यदि बच्चों को सही मार्गदर्शन और संसाधन मिल जाएं तो वे किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकते हैं।' उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आने वाले समय में बस्ती में चारों वेदों के अध्ययन और शिक्षण के लिए विशेष संस्थानों की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपरा और ज्ञान की धारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इसके माध्यम से ब्राह्मण समाज के युवा ज्ञान अर्जित कर देश और विदेश में अपनी सेवाएं देकर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा और प्राचीन ज्ञान दोनों का संतुलन समाज के विकास के लिए आवश्यक है। भारत की प्राचीन संस्कृति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान रखते हैं और नई पीढ़ी को इनसे जोड़ना समय की आवश्यकता है। मनीष मिश्रा ने कहा कि वह देश की प्रमुख वैज्ञानिक संस्थाओं से भी संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के संपर्क में हैं तथा बहुत जल्द क्षेत्र में एक नॉलेज सेंटर की स्थापना की जाएगी। इस केंद्र के माध्यम से बच्चों और युवाओं को विज्ञान, तकनीक और अंतरिक्ष से संबंधित नई जानकारियां और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उचित मंच और अवसर उपलब्ध कराने की है। यदि बच्चों को संसाधन और सही दिशा मिले तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने आगामी रक्षाबंधन पर्व पर एक बड़े कार्यक्रम के आयोजन की घोषणा की। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि आने वाले समय में वशिष्ठ नगर 'बेस से स्पेस' तक का सफर तय करेगा और यह क्षेत्र शिक्षा, विज्ञान तथा सामाजिक विकास के क्षेत्र में नई पहचान बनाएगा।

भ्रष्ट ट्रस्ट संचालक और संरक्षकको गिरफ्तार किया जाए- आप नेता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष द्वारा भगवान श्रीराम के नाम पर श्रद्धालुओं द्वारा दान किए गए धन और चढ़ावे में लूट के आरोपों तथा राम भक्तों की आस्था के साथ हो रहे खिलवाड़ के विरोध में आम आदमी पार्टी ने प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के आवाह्न पर रविवार को जिला मुख्यालय और प्रमुख चौराहों पर भिक्षाटन कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने हाथों में कटोरे और तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया तथा 420 का चेक तैयार कर चंपत राय को भेजा। कार्यकर्ताओं ने 'चंदा चोरों गद्दी छोड़ो', 'राम भक्तों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान' और' 'श्रीराम के नाम पर भ्रष्टाचार बंद करो' जैसे नारे लगाए तथा दान और चढ़ावे में हुई लूट की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि प्रभु श्री राम हम सभी की आस्था और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक हैं। उनके भव्य मंदिर निर्माण के नाम पर देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी गाढ़ी कमाई समर्पित की थी। लेकिन आरएसएस और भाजपा के लोग जो खुद को धर्म का ठेकेदार बताते हैं, उन्हीं के पदाधिकारियों द्वारा इस पवित्र चंदे में लूट की जा रही है। यह करोड़ों रामभक्तों की भावनाओं के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संरक्षण में यह पूरा तंत्र चल रहा है। उन्होंने कहा कि हम चंपत राय को 420 का डिमांड ड्राफ्ट भेजकर यह संदेश दे रहे हैं कि वे प्रभु के मंदिर के पैसों पर डाका डालना बंद करें। जिला उपाध्यक्ष वीरेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह जी ने हाल ही में राम मंदिर में चंदा चोरी और तीर्थ क्षेत्र के आसपास की जमीन की खरीद फरोख्त में हुए अब तक के सबसे बड़े भ्रष्टाचार को लेकर कई सनसनीखेज खुलासे किये थे। सांसद संजय सिंह ने आधिकारिक सरकारी व रजिस्ट्री के दस्तावेजों को सार्वजनिक करते हुए इस महाघोटाले की परतें खोलीं। उन्होंने बताया था कि चंदा चोर चंपत राय ने आलोक बंसल, मनीष बंसल और शिवानी बंसल से शाहनवाजपुर माझा में स्थित 117 बिस्वा जमीन को 55 करोड़ 47 लाख 31 हजार 800 में खरीदा है, जबकि इस जमीन की वास्तविक मालियत महज 9 करोड़ की है। जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि इतने सबूत होने पर भी अब तक अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं और किसी की भी गिरफ्तारी नहीं की गई है। मांग किया कि इस पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में समयबद्ध जांच होनी चाहिए और चंपत राय सहित तमाम बेईमानों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि साल 2020 से 2024 तक ट्रस्ट में प्रधानमंत्री मोदी के प्रतिनिधि के तौर पर काम करने वाले नौकरशाह ज्ञानेश कुमार की भी इस लूट में जांच होनी चाहिए। भिक्षाटन के कार्यक्रम में प्रमुख रूप अब्दुल कयूम, उमेश शर्मा, शेषपाल चौधरी, राम सजन सूर्यबंशी, जियालाल यादव के साथ ही कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल जिला अस्पताल रेफर

महराजगंज/रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब युवक अपने बड़े भाई को छोड़कर वापस घर लौट रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आदर्श सोनी (19 वर्ष) पुत्र सत्येंद्र सोनी निवासी ग्राम हिलहा अपने बड़े भाई को हलोर छोड़ने गए थे। वापस लौटते समय सुबह करीब 11 बजे जमुरावा गांव स्थित शिव मंदिर के पास सामने से आ रही एक अज्ञात तेज रफ्तार बाइक ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आदर्श गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और उनकी मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद अज्ञात बाइक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना ग्रामीणों ने परिजनों को दी। परिजन तत्काल घायल युवक को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महराजगंज लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रायबरेली रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में जांच के उपरांत हालत नाजुक पाए जाने पर चिकित्सकों ने उसे एम्स रायबरेली भेज दिया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है।

जमीन विवाद में महिलाओं पर हमला, पांच घायल; मुकदमा दर्ज

गोपीगंज। बिन्दु देवी पत्नी राकेश कुमार शुक्ला ग्राम दुहिया चकसुंदरपुर थाना ज्ञानपुर ने कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के जमीनी विवाद में पीड़िता के अनुसार, मंदिर में पूजा के दौरान विवाद के बाद विपक्षी महिलाओं ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के चार अन्य सदस्य भी मारपीट में घायल हो गए। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि रीता देवी, संगीता (तनुजा) एवं उर्मिला देवी द्वारा आए दिन जमीन विवाद को लेकर गाली-गलौज और मारपीट की जाती है तथा झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जाती है। घटना में कुल पांच लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डीएम की सख्ती, तालाब की भूमि से हटेगा अतिक्रमण

वारी में लापरवाही पर लेखपाल के निलंबन के निर्देश

भदोही। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को उन्होंने नगर पंचायत ज्ञानपुर और ग्राम पंचायत उवारी का स्थलीय निरीक्षण कर अवैध कब्जों के मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। ज्ञानपुर में पुराने दीवानी परिसर के निकट स्थित तालाब की भूमि पर मिट्टी डालकर कब्जा किए जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच में शिकायत प्रथम दृष्टया सही मिलने पर उन्होंने तहसीलदार को संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा जेसीबी से मिट्टी हटाकर तालाब को मूल स्वरूप में बहाल कराने के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ग्राम पंचायत वारी पहुंचे, जहां ग्राम समाज की नवीन परती भूमि पर कब्जे के प्रयास की शिकायत मिली थी। निरीक्षण के दौरान भूमि संरक्षण में लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने संबंधित लेखपाल राकेश कुमार को निलंबित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही तहसीलदार को भूमि का सीमांकन कराकर कब्जामुक्त कराने तथा दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि तालाब, चारागाह, परती तथा अन्य सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी एसडीएम को नियमित निरीक्षण कर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्तियां जनता की धरोहर हैं और उनकी सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकारी भूमि की सुरक्षा में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद: हाई कोर्ट ने जनहित याचिका पर तत्काल सुनवाई से किया इनकार

● इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के कथित दुरुपयोग की जांच वाली जनहित याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सोमवार को अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में प्राप्त चढ़ावे के कथित दुरुपयोग एवं वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर तत्काल एवं क्रम से हटकर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अवकाशकालीन पीठ के न्यायमूर्ति पंकज भाटिया और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय ने मौखिक रूप से कहा कि मामले में ऐसी कोई तात्कालिकता नहीं है, जिसके आधार पर इसे अन्य मामलों से पहले सुना जाए। यह टिप्पणी उस समय की गई जब याचिकाकर्ता मोहित अशोक ने अदालत के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए इसकी तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। इस पर पीठ ने कहा कि उसके समक्ष पहले से ही बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं और ऐसे में इस याचिका को क्रम से हटकर सुनने का कोई औचित्य नहीं बनता। पीठ ने यह भी मौखिक रूप से कहा कि राज्य सरकार पहले ही इस मामले में संज्ञान ले चुकी है और आवश्यक पहल कर रही है। ऐसे में तत्काल सुनवाई की कोई विशेष आवश्यकता प्रतीत नहीं होती। उल्लेखनीय है कि सोमवार को खंडपीठ के समक्ष 529 नए मामले सूचीबद्ध थे। वहीं, मोहित अशोक की जनहित याचिका वाद सूची में क्रम संख्या 392 पर पहले से सूचीबद्ध है। याचिका में राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चढ़ावे की राशि के कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही पूरे मामले का भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से ऑडिट कराने का भी अनुरोध किया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। याचिका में मंदिर निधि के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए न्यायालय के हस्तक्षेप की मांग की गई है। हालांकि, खंडपीठ ने तत्काल सुनवाई की मांग खारिज करते हुए मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की। अब याचिका पर उसकी निर्धारित क्रम संख्या के अनुसार सुनवाई होने की संभावना है।

ऑपरेशन दहन के तहत 1.63 करोड़ के मादक पदार्थ नष्ट

भदोही। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन दहन' अभियान के तहत भदोही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न थानों में बरामद अवैध मादक पदार्थों का नियमानुसार विनिष्टीकरण कराया। जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (डीडीसी) की देखरेख में कुल 316.465 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 63 लाख 40 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की अध्यक्षता वाली जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी द्वारा यह कार्रवाई की गई। नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 316.400 किलोग्राम गांजा तथा 65 ग्राम डायजापाम शामिल है। यह माल जनपद के पांच थानों सुरियावां, ऊंज, भदोही, ज्ञानपुर और दुर्गागंज में दर्ज कुल 10 अभियोगों से संबंधित था। न्यायालय के आदेश एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप सोमवार को प्रयागराज जनपद के थाना हंडिया क्षेत्र स्थित धानूपुर में 'संगम मेडिसर्व प्राइवेट लिमिटेड' के इन्सिनेटर के माध्यम से मादक पदार्थों का विनिष्टीकरण कराया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने बताया कि मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने मृतकों के परिवारजनों को दो-दो और मुख्यमंत्री ने दी पांच-पांच लाख रुपये की सहायता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार दोपहर अलीगंज के पुरनिया/सेक्टर डी क्षेत्र में एक तीन मंजिला भवन में भयानक आग की चपेट में आकर 18 लोगों ने दम तोड़ दिया और 12-13 गंभीर रुप से घायल हैं। तीन मंजिला इमारत में लगी आग ने नीचे की दुकान से शुरू होकर ऊपर चल रही कोचिंग और गेमिंग स्टूडियो को अपनी चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड से पीएम नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद आहत हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने मृतक के परिवारीजन को दो-दो लाख और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा की है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ के भीषण अग्निकांड पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों के परिवारजनों को केंद्र की ओर से दो-दो लाख रुपए मुआवजा दिए जाने का ऐलान किया है। इसके साथ ही घायलों को 20-20 हजार रुपये और उचित इलाज प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अग्निकांड में मृतकों के परिवार का लोगों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। उन्होंने घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक मदद का ऐलान किया है। इसके साथ ही सभी को समुचित इलाज भी मुहैया कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती घायलों का हालचाल लिया और सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने अग्नि दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया एवं किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय पहुंचकर दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में घायल हुए लोगों एवं उनके परिवार के लोगों से भेंट कर उनका कुशल-क्षेम जाना व चिकित्सकों से घायलों के उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सभी घायलों का समुचित उपचार कुशल चिकित्सकों के नेतृत्व में शीर्ष प्राथमिकता पर किया जा रहा है। इस हृदय विदारक दुर्घटना में अपनों को खोने वाले परिवारों का दुःख शब्दों में व्यक्त नहीं हो सकता। प्रदेश सरकार सभी पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

12 वर्षों से अंतर्जनपदीय स्थानांतरण से वंचित वरिष्ठ शिक्षकों का शिक्षा निदेशालय पर धरना

● सभी शिक्षकों से आवेदन लेकर ट्रांसफर करने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बेसिक शिक्षा विभाग में चल रही अंतर्जनपदीय स्थानांतरण प्रक्रिया के बीच 12 वर्षों से अधिक समय से स्थानांतरण से वंचित वरिष्ठ शिक्षकों ने सोमवार को शिक्षा निदेशालय पर धरना देकर अपनी नाराजगी जताई। शिक्षकों का आरोप है कि विभाग की वर्तमान व्यवस्था और भारांक नीति के कारण वर्षों से सेवा दे रहे सामान्य श्रेणी के अध्यापकों की लगातार अनदेखी की जा रही है। धरने में शामिल शिक्षक राजीव गौड़ ने कहा कि वर्तमान में अंतर्जनपदीय स्थानांतरण की प्रक्रिया संचालित हो रही है, लेकिन सामान्य अध्यापकों से आवेदन पत्र ही नहीं लिए जा रहे हैं। विभाग की ओर से जनगणना कार्य का हवाला देते हुए स्थानांतरण प्रक्रिया रोकने की बात कही जा रही है, जबकि पिछले कई वर्षों से बिना भारांक वाले वरिष्ठ शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गलत भारांक नीतियों के कारण जूनियर शिक्षकों के स्थानांतरण हो जाते हैं, लेकिन वरिष्ठ शिक्षक बार-बार उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। प्रांतीय स्थानांतरण समिति उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष तीर्थमणि त्रिपाठी ने कहा कि उनकी मांग है कि सभी अध्यापकों से अंतर्जनपदीय स्थानांतरण के आवेदन लिए जाएं और स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी की जाए। यदि जनगणना कार्य के कारण तत्काल कार्यमुक्त करना संभव नहीं है, तो शिक्षकों को जनगणना कार्य समाप्त होने के बाद कार्यमुक्त किया जा सकता है, लेकिन आवेदन लेने की प्रक्रिया नहीं रोकी जानी चाहिए। धरने पर बैठे शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरने में विजय पांडेय, राहुल पुरोहित, शिव प्रताप तिवारी, सविता गुप्ता, नम्रता गुप्ता, कल्पना निगम सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

बहन से छेड़छाड़ और जबरन शादी का दबाव, युवक ने मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

उन्नाव। शहर के आदर्श नगर, नहर किनारा बगिया रोड स्थित मकान संख्या 786 के निवासी रोमी सोनकर पुत्र रमेश सोनकर ने एक युवक पर अपनी बहन के साथ छेड़छाड़ करने, जबरन शादी का दबाव बनाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत उन्होंने 20 जून 2026 को जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई है। रोमी सोनकर का आरोप है कि विजय सोनकर पिछले लगभग तीन महीनों से उनकी बहन शिखा सोनकर (बदला हुआ नाम) के साथ लगातार छेड़छाड़ कर रहा है और उस पर जबरन शादी करने का दबाव बना रहा है। आरोप है कि विरोध करने पर वह जान से मारने की धमकी देता है तथा सोशल मीडिया के माध्यम से बदनाम करने की बात कहकर परिवार को भयभीत कर रहा है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि इस संबंध में जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की गई है। रोमी सोनकर ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मामले में निष्पक्ष जांच कराते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग की है, ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस, लखनऊ में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 का उत्साहपूर्वक आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 21 जून 2026 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस (एस.एम.एस.), लखनऊ के वैदिक विज्ञान केंद्र के तत्वावधान में संस्थान के गोदावरी प्रांगण में एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। योग शिविर का संचालन वैदिक विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ. भरत राज सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम तथा ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया तथा उनके वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्यवर्धक लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। अपने संबोधन में डॉ. सिंह ने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि मानसिक संतुलन, एकाग्रता, सकारात्मक सोच एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान तनावपूर्ण जीवनशैली में योग स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का सबसे प्रभावी माध्यम है तथा प्रत्येक व्यक्ति को इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। शिविर में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने पूर्ण उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण भाव के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर डीन छात्र कल्याण डॉ. पी.के. सिंह, डीन अभियंत्रण डॉ. ज्ञानेंद्र गुप्ता, प्राचार्य (डिप्लोमा) डॉ. अमरजीत सिंह, विभागाध्यक्ष डॉ. आशा कुलश्रेष्ठ, इन्क्यूबेशन मैनेजर डॉ. अरुणेश श्रीवास्तव, प्रशासन प्रबंधक उग्रसेन सिंह, अंकित सिंह, हॉस्टल वार्डन सहित संस्थान के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं 50 से अधिक विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ, जागरूक, तनावमुक्त एवं योगमय समाज के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। प्रतिभागियों ने योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाकर राष्ट्र को स्वस्थ एवं सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

सरकारी और किसानों की जमीनों पर अवैध कब्जों के विरोध में 29 जून को लखनऊ में होगा मंडल आयुक्त कार्यालय का घेराव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नव भारतीय किसान संगठन परिवार ने प्रदेशभर के किसानों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से 29 जून 2026 को लखनऊ में आयोजित होने वाले विशाल किसान प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया है। संगठन का कहना है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में सरकारी भूमि और किसानों की जमीनों पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध कब्जे एवं फर्जी तरीके से भूमि बिक्री के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, लेकिन संबंधित राजस्व विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल शुक्ला द्वारा जारी सूचना के अनुसार, हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन एवं चिंतन शिविर में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई थी। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि किसानों की भूमि की सुरक्षा और सरकारी जमीनों को भूमाफियाओं से मुक्त कराने के लिए प्रदेशव्यापी जनआंदोलन चलाया जाएगा। इसी क्रम में 29 जून को लखनऊ में मंडल आयुक्त कार्यालय का घेराव करने का निर्णय लिया गया है। संगठन ने प्रदेश के सभी प्रदेश पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों तथा किसान साथियों से बड़ी संख्या में लखनऊ पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है। संगठन का आरोप है कि बाहरी लोगों को भूखंड बेचने के नाम पर कुछ भूमाफिया सरकारी जमीनों को निजी संपत्ति बताकर अवैध तरीके से बिक्री कर रहे हैं। इससे न केवल सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंच रहा है बल्कि आम नागरिक और किसान भी ठगी का शिकार हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। लखनऊ जिला अध्यक्ष राजू रावत के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस प्रदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से किसान प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। संगठन का कहना है कि यह आंदोलन किसानों के अधिकारों की रक्षा और भूमि घोटालों के खिलाफ जनजागरण का अभियान है। नव भारतीय किसान संगठन परिवार ने सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे 29 जून 2026 को लखनऊ के डालीगंज पुल के पास निर्धारित स्थल पर समय से पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाएं। संगठन का मानना है कि किसानों और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए भूमि से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और कठोर कार्रवाई आवश्यक है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि भूमाफियाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

नशेड़ी बेटे ने पीट-पीटकर पिता की हत्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के रामनगर टिकरान गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां नशे के आदी बताए जा रहे एक युवक ने अपने 60 वर्षीय पिता की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी देवतादीन और उनके बेटे दिलीप के बीच रविवार देर रात किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान दिलीप ने पिता के साथ मारपीट की। ग्रामीणों के अनुसार आरोपी युवक नशे का आदी है। परिजनों का कहना है कि सोमवार सुबह भी दिलीप ने पिता की बेरहमी से पिटाई की। गंभीर रूप से घायल देवतादीन घर के पास बने छप्पर के नीचे पड़े रहे। कुछ समय बाद परिजनों ने उन्हें देखा तो उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही गांव में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के बेटे सोनू ने बताया कि पिता भी नशे के आदी थे और परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। एक सप्ताह पहले विवाद के बाद उनकी मां कृष्णा कुमारी घर छोड़कर चली गई थीं, जिनका अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। परिजनों के मुताबिक दिलीप गुजरात में मजदूरी करता है और दो दिन पहले ही गांव लौटा था। रुपये के लेनदेन को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद चल रहा था। रविवार रात झगड़े के बाद दिलीप रिश्तेदारी में चला गया था और सोमवार सुबह लौटकर उसने फिर पिता के साथ मारपीट की। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। मृतक के बेटे सुशील, सुनील, सोनू और बेटियां पिंकी, रिंकी व प्रियंका का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अधिवक्ताओं का आंदोलन जारी न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता

लालगंज (रायबरेली)। बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन और बेंच के बीच चल रहा गतिरोध सोमवार को भी जारी रहा। अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन किया और न्यायिक कार्य से विरत रहे। इस दौरान अधिवक्ताओं ने नारेबाजी कर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। धरने का नेतृत्व एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र नाथ सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि तहसील में विभिन्न स्तरों पर अनियमितताएं व्याप्त हैं। अधिवक्ताओं की समस्याओं और शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। संगठन अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. विनय भदौरिया ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों का रवैया अधिवक्ताओं के प्रति उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तर पर पारित प्रस्ताव के तहत एक जून से 30 जून तक अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत हैं। इसके बावजूद कई मामलों में एकपक्षीय सुनवाई कर निर्णय दिए जा रहे हैं। धरना प्रदर्शन में वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेश त्रिवेदी, दल बहादुर, सीबी सिंह, राजबहादुर मौर्य, शिवानी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी कार्यालय उद्घाटन समारोह में उमड़ा जनसैलाब

बिसवां- विधानसभा क्षेत्र (149) में समाजवादी पार्टी कार्यालय का भव्य उद्घाटन पूर्व राज्य मंत्री कमलेश कुमार यादव जी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के हजारों कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जयकरन यादव जी, उदय भान राजवंशी जी, मेहराज चौधरी जी, प्रमोद शुक्ला जी, अनिल यादव जी, राम दुलारे यादव जी, मुलायम यादव जी, सत्रोहन यादव जी, हनीफ नेता जी, शालीम जी, डॉ. जाहिद जी, राकेश यादव जी, देवेंद्र यादव जी, उपेंद्र वर्मा जी, पिंटू यादव जी, अवधेश गौतम जी, धर्मेंद्र यादव जी सहित अनेक सम्मानित नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। यह विशाल जनसमर्थन समाजवादी विचारधारा के प्रति जनता के अटूट विश्वास एवं 2027 के परिवर्तन संकल्प का प्रतीक है।

पंजाब राज्य को कर्ज मुक्त बनाने के लिए राजनीतिक दल आगे आएं : महंत मनोज शर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़- समाजसेवी एवं हिंदू चिंतक महंत मनोज शर्मा ने पंजाब की भलाई का दावा करने वाली सभी राजनीतिक पार्टियों से अपील करते हुए कहा है कि यदि वे वास्तव में पंजाब के विकास और भविष्य को लेकर गंभीर हैं, तो सबसे पहले राज्य को कर्ज के बोझ से मुक्त करने के लिए ठोस कदम उठाएं।महंत मनोज शर्मा ने अपने बयान में कहा कि पंजाब आज भारी कर्ज के दबाव से जूझ रहा है, जिसका असर राज्य के विकास कार्यों, रोजगार के अवसरों और आम जनता के जीवन पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान राजनीतिक दल करोड़ों रुपये प्रचार और अन्य गतिविधियों पर खर्च करते हैं, जबकि वही धनराशि यदि राज्य के हित में लगाई जाए तो पंजाब को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है।उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि चुनावों में अनावश्यक धन खर्च करने के बजाय अपने-अपने फंड से पंजाब का कर्ज उतारने में योगदान दें। उनका कहना था कि जनता के हितों की बात करने वाले दलों को पहले राज्य की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए आगे आना चाहिए।महंत मनोज शर्मा ने कहा कि पंजाब की खुशहाली, विकास और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए कर्जमुक्त पंजाब का सपना साकार करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राजनीतिक दल इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए राज्यहित में सकारात्मक पहल करेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम पात्रता सूची में से नाम कटने से ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली: प्रदेश सरकार जहां एक ओर ग्राम प्रधानों का कार्यकाल छह माह बढ़ाकर उन्हें बड़ी सौगात देने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम पात्रता सूची में बड़ी संख्या में नाम कटने से ग्रामीण क्षेत्रों में असंतोष गहराता जा रहा है। ताजा मामला महराजगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत जमुरावां का है, जहां सोमवार को प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम सूची जारी होने के बाद सैकड़ों ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आपको बता दें कि, आक्रोशित ग्रामीण पंचायत भवन पहुंच गए और ग्राम प्रधान की गैरमौजूदगी में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पंचायत भवन परिसर में आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि, आखिर ग्राम सभा से फीड किए गए सैकड़ों पात्र लोगों के नाम अंतिम सूची से किसके निर्देश पर हटाए गए और इसके लिए जिम्मेदार कौन है? ग्रामीणों के अनुसार, 7 अप्रैल तक प्रकाशित प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची में ग्राम सभा जमुरावां के 359 लोगों के नाम दर्ज थे, लेकिन शासन द्वारा जारी अंतिम सूची में केवल 165 लाभार्थियों के नाम ही शामिल किए गए हैं। इससे 194 पात्र लोगों के नाम सूची से गायब हो गए हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी व्याप्त है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना था कि, जिन लोगों को आवास मिलने की उम्मीद थी, वे अब खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। कई परिवार ऐसे हैं जो कच्चे और जर्जर मकानों में जीवन यापन कर रहे हैं, लेकिन उनका नाम अंतिम सूची से हटा दिया गया है। ग्रामीणों ने मांग करी कि, सूची में नाम कटने की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और पात्र लाभार्थियों को उनका हक दिलाया जाए। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि, यदि नाम हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है तो प्रशासन यह सार्वजनिक करे कि, किन मानकों के आधार पर इतने बड़े पैमाने पर नामों को सूची से बाहर किया गया। उनका कहना था कि, गरीबों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उधर प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम पात्रता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। यदि किसी ग्राम सभा के ग्रामीणों को सूची को लेकर कोई आपत्ति है तो वे संबंधित विकासखंड कार्यालय में जाकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि, प्राप्त शिकायतों की जांच कर नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा। गौरतलब है कि, महराजगंज विकासखंड की 53 ग्राम पंचायतों में केवल जमुरावां ही ऐसी पंचायत नहीं है जहां प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम सूची को लेकर विवाद खड़ा हुआ हो। क्षेत्र की कई अन्य ग्राम पंचायतों में भी बड़ी संख्या में पात्र लोगों के नाम अंतिम सूची से गायब होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे योजना की पारदर्शिता और पात्रता निर्धारण की प्रक्रिया पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि, यदि समय रहते प्रशासन ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो आंदोलन और तेज हो सकता है। अब सबकी निगाहें प्रशासनिक जांच और शासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं कि, आखिर गरीबों के सपनों के आशियाने की सूची से सैकड़ों नाम कैसे और क्यों गायब हो गए।

सुरक्षा की जीत, गरिमा की हार? नीट-यूजी पुनर्परीक्षा का दोहरा चेहरा

[जब परीक्षा केंद्र बने सुरक्षा किलेः क्या यही शिक्षा का भविष्य है?]

[बायोमेट्रिक जैल में बंद भविष्यः निष्पक्षता की कीमत या विश्वास का संकट?]

21 जून 2026 को नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा समाप्त हुई। परीक्षा केंद्रों से बाहर निकलते लाखों विद्यार्थियों के चेहरों पर राहत थी, लेकिन आंखों में एक अनकहा बोझ भी झलक रहा था। देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में शामिल इस परीक्षा को अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में आयोजित किया गया। 22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों, 95 हजार परीक्षा कक्षों, 1.38 लाख सीसीटीवी कैमरों, 51 हजार जैमरों, हजारों बायोमेट्रिक कर्मचारियों और कड़ी फ्रिस्किंग के बीच परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। पेपर लीक की आशंकाएं लगभग समाप्त रहीं और परिणामों पर विश्वास बहाल होने की उम्मीद जगी। इसके लिए एनटीए और केंद्र सरकार बधाई के पात्र हैं। लेकिन इस सफलता के बीच एक सवाल खड़ा है—क्या निष्पक्षता की यह कीमत हमारी युवा पीढ़ी की गरिमा और मानसिक शांति से वसूली जानी चाहिए?

पिछले वर्षों में बार-बार हुए पेपर लीक कांडों ने परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुंचाई थी। मई 2026 की घटना के बाद सरकार और एनटीए ने पूरे तंत्र को लगभग रीसेट कर दिया। प्रश्न-पत्र तैयार करने से लेकर उनके परिवहन तक अभूतपूर्व गोपनीयता बरती गई। रिपोर्ट्स के अनुसार कुछ स्थानों पर भारतीय वायुसेना की सहायता से प्रश्न-पत्र पहुंचाए गए, जीपीएस ट्रैकिंग, पुलिस एस्कॉर्ट और एआई आधारित निगरानी तंत्र सक्रिय किए गए। राष्ट्रीय, राज्य और मंत्रालय स्तर पर रियल-टाइम मॉनिटरिंग हुई। हजारों पर्यवेक्षक, साइबर निगरानी दल और खुफिया एजेंसियों का त्रिस्तरीय सुरक्षा नेटवर्क परीक्षा की हर गतिविधि पर नजर रख रहा। यह व्यवस्था किसी शैक्षणिक आयोजन से अधिक एक राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान जैसी प्रतीत होती थी।

इन उपायों का सकारात्मक परिणाम भी सामने आया। लाखों विद्यार्थियों को भरोसा मिला कि इस बार उनकी मेहनत संगठित नकल या पेपर लीक के कारण व्यर्थ नहीं जाएगी। परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े माता-पिता को भी संतोष था कि उनके बच्चों का भविष्य किसी अपराधी गिरोह या भ्रष्ट नेटवर्क के हाथों बंधक नहीं बनेगा। लंबे समय से अपेक्षित विश्वास बहाली की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम था। निष्पक्षता किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की आत्मा है और उसे बचाने के लिए कठोर कदमों का औचित्य स्वीकार किया जा सकता है। किंतु हर सफलता कुछ ऐसे प्रश्न भी छोड़ जाती है जिन्हें केवल आंकड़ों और प्रशंसाओं से ढंका नहीं जा सकता।

सबसे बड़ा प्रश्न उस अनुभव का है जिससे विद्यार्थी गुजरे। आधार आधारित फेस रिकग्निशन, फिंगरप्रिंट सत्यापन, जेबों, कानों, जूतों और यहां तक कि कपड़ों की चेन, जिप तथा धागों तक की जांच—यह सब उस युवा पीढ़ी के साथ हुआ जो डॉक्टर बनने का सपना लेकर परीक्षा केंद्र पहुंची थी। 38,795 फ्रिस्किंग कर्मी और 48,448

बायोमेट्रिक कर्मचारी व्यवस्था की आवश्यकता रहे होंगे, लेकिन विद्यार्थियों के मन में यह अनुभव भी दर्ज हुआ कि विश्वास। कई अभ्यर्थियों ने स्वयं को अपराधियों की तरह टटोला जाता महसूस किया। यह भावना किसी परीक्षा की सफलता का हिस्सा नहीं होनी चाहिए।

इस पूरी प्रक्रिया का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विशेषकर छात्राओं के लिए फ्रिस्किंग कई बार असहजता और तनाव का कारण बनी। यद्यपि महिला कर्मियों की नियुक्ति की गई थी, फिर भी मानसिक दबाव पूरी तरह समाप्त नहीं हो सका। माता-पिता दूर खड़े अपने बच्चों को डिजिटल और भौतिक निगरानी के घेरे में प्रवेश करते देखते रहे। शिक्षा का मंदिर कई स्थानों पर सुरक्षा चौकी जैसा दिखाई देने लगा। यह दृश्य केवल परीक्षा व्यवस्था का नहीं, बल्कि उस सामाजिक अविश्वास का भी प्रतीक है जो धीरे-धीरे संस्थाओं और नागरिकों के बीच बढ़ता जा रहा है। जब एक छात्र परीक्षा देने से पहले स्वयं को संदिग्ध साबित होने से बचाने की प्रक्रिया से गुजरता है, तब कहीं न कहीं शिक्षा का मूल उद्देश्य भी आहत होता है।

दरअसल समस्या का मूल कारण विद्यार्थी नहीं हैं। समस्या उस व्यवस्था में है जिसने वर्षों तक पेपर लीक, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक कमजोरियों को पनपने दिया। यदि परीक्षा प्रणाली पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीकी रूप से मजबूत होती, तो शायद इतनी कठोर सुरक्षा की आवश्यकता न पड़ती। राधाकृष्णन समिति की सिफारिशें, कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली की ओर संक्रमण, उन्नत डिजिटल सुरक्षा उपाय तथा एनटीए में संरचनात्मक सुधार लंबे समय से चर्चा में रहे हैं।

इस बार की सफलता सिद्ध करती है कि इच्छाशक्ति हो तो व्यवस्था सुधर सकती है। लेकिन यदि सुधार केवल सुरक्षा तक सीमित रहेगा और मूल समस्याएं जस की तस रहेंगी, तो हर वर्ष विद्यार्थियों को इसी प्रकार की कठिन और तनावपूर्ण प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा।

देश को अब तय करना होगा कि भविष्य की परीक्षा प्रणाली कैसी हो। क्या हम हर वर्ष युद्ध जैसी तैयारियां करेंगे, या ऐसे तकनीकी और संस्थागत सुधार विकसित करेंगे जिनसे सुरक्षा और सम्मान दोनों साथ चल सकें? फ्रिस्किंग को अधिक संवेदनशील और कम अपमानजनक बनाया जा सकता है। बायोमेट्रिक सत्यापन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है। परीक्षा प्रक्रिया को चरणबद्ध, डिजिटल और लीक-प्रूफ बनाया जा सकता है। सुरक्षा का उद्देश्य भय नहीं, विश्वास पैदा करना होना चाहिए। यदि कोई व्यवस्था निष्पक्ष तो हो जाए, पर उसमें मानवीय गरिमा खो जाए, तो वह अधूरी सफलता ही कहलाएगी।

नीट-2026 की पुनर्परीक्षा भारत की परीक्षा प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इस बार परीक्षा सफल रही, विवादों से अपेक्षाकृत मुक्त रही और लाखों छात्रों के परिश्रम को न्याय मिलने की संभावना मजबूत हुई।

यह उपलब्धि छोटी नहीं है। फिर भी यह घटना चेतावनी देती है कि केवल सुरक्षा बढ़ाना समाधान नहीं है। मां-बाप के सपनों से जुड़ी यह व्यवस्था कब तक चलेगी? क्या हम अपने युवाओं को पंख देकर उड़ाना चाहते हैं या उन्हें बायोमेट्रिक सलाखों के बीच भविष्य तलाशने के लिए छोड़ देना चाहते हैं? निष्पक्षता आवश्यक है, पर गरिमा भी उतनी ही आवश्यक है। असली विजय तब होगी जब परीक्षा केंद्र से बाहर निकलता छात्र केवल राहत नहीं, सम्मान और आत्मविश्वास भी महसूस करे।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

योग दिवसः सिर्फ इवेंट बनकर न रह जाए

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

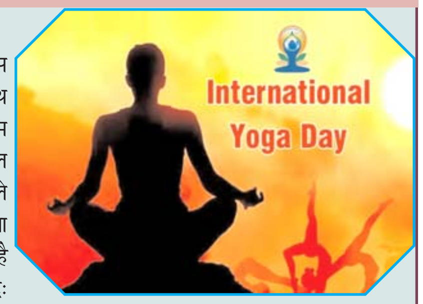

21 जून 2026 को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस देशभर में मनाया गया। राजधानी दिल्ली के साथ साथ देश के हर शहर और कस्बों में हजारों जगहों पर कार्यक्रम हुए, प्रधानमंत्री मोदी कोलकाता में विशेष सत्र में शामिल हुए। तस्वीरें अच्छी आई, बयानबाजी हुई, और अगले दिन सब सामान्य हो गया। अब सवाल ये है कि क्या योग दिवस सिर्फ एक दिन का इवेंट बनकर रह गया है या इसका जमीनी असर भी दिख रहा है? प्रतीकवादः जो दिखता है- हर साल 21 जून को योग दिवस का मतलब हो जाता हैः सरकारी अधिकारी मैट पर बैठे हुए फोटो, स्कूल-कॉलेज में अनिवार्य ड्रिल, सोशल मीडिया पर सेलेब्स के वीडियो विदेशों में भारतीय दूतावासों के कार्यक्रम, ये सब जरूरी है। इसने योग को ग्लोबल ब्रांड बनाया। 2014 से पहले योग को 'हिंदू प्रैक्टिस' कहकर खारिज किया जाता था। आज 190+ देश इसे मनाते हैं। यूएन ने 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। लेकिन प्रतीकवाद की सीमा यही है कि वो एक दिन में ही खत्म हो जाता है।

जमीनी हकीकतः आंकड़े क्या कहते हैं? सकारात्मक पक्ष- आयुष मंत्रालय के मुताबिक 2024 तक 1.2 लाख से ज्यादा योग इंस्ट्रक्टर ट्रेंड हो चुके हैं। अब योग को भी स्कूलों में शामिल किया जाने लगा है। सीबीएसई ने 6-12 क्लास में योग को पार्ट बनाया है।

मेडिकल टूरिज्म-, ऋषिकेश, केरल, मैसूर में योग-आयुर्वेद के लिए विदेशी आ रहे हैं। ये 8000 करोड़ का इंडस्ट्री बन गया है। इसका एक कमजोर पक्ष यह है कि ग्रामीण भारत में इसकी पहुंच बहुत कम या ना के बराबर है। एनसीआरबी का हेल्थ सर्वे कहता है कि 70% ग्रामीण लोग रोज योग नहीं करते। उनके लिए योग 'शहरियों का शौक' है। क्वालिटी का सवाल- 15 दिन के सर्टिफिकेट कोर्स से बने इंस्ट्रक्टर स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। इससे गलत प्रैक्टिस का खतरा है। निरंतरता नहीं- 21 जून के बाद ज्यादातर लोग मैट समेट देते हैं। रोजाना योग करने वालों की संख्या 15% से ज्यादा नहीं बढ़ी। असर कहां दिखना चाहिए था?- योग को स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनना था, लेकिन हुआ नहीं। नॉन-कम्यूनिकेबल डिजीज पर रोक- भारत में डायबिटीज, हाई BP, स्ट्रेस के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। ICMR कहता है कि 2030 तक 13.4 करोड़ लोग डायबिटिक होंगे। योग प्रिवेंटिव हेल्थ में काम करता है, लेकिन आयुष बजट कुल हेल्थ बजट का सिर्फ 2.3% है। मानसिक स्वास्थ्य-

NIMHANS के डेटा के मुताबिक भारत में 15% लोग मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। योग और प्राणायाम का असर डिप्रेशन-एंग्जाइटी में साबित है। लेकिन मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में योग को मेनस्ट्रीम नहीं किया गया। स्कूलों में योग पीरियड है, लेकिन परीक्षा में नहीं पूछा जाता। बच्चे 45 मिनट करके भूल जाते हैं। अगर इसे फिजिकल एजुकेशन का ग्रेड हिस्सा बनाया जाए तो आदत बने। दूसरे देशों ने क्या किया?- अमेरिका में 20,000 से ज्यादा स्कूलों में 'Yoga in Schools' प्रोग्राम चलता है। इंश्योरेंस कंपनियां योग करने वालों को प्रीमियम में छूट देती हैं। चीन में ताई-ची को नेशनल फिटनेस प्रोग्राम बनाया। हर पार्क में सुबह ग्रुप प्रैक्टिस होती है। भारत में हम इवेंट कर रहे हैं, लेकिन पब्लिक हेल्थ सिस्टम में योग को इंटीग्रेट नहीं किया। सवाल यह उठता है कि अब क्या करना चाहिए? प्रतीकवाद से हटकर पॉलिसी बनाओ। योग दिवस को सिर्फ इवेंट न रखो। हर जिला अस्पताल में योग थेरेपी सेंटर हो। आयुष्मान भारत में योग कवर हो। क्वालिटी कंट्रोल ऐसा हो जो भी योग सिखाए, उसकी ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन सख्त हो। गलत आसन से स्पाइन इंजरी के केस बढ़ रहे हैं। ग्रामीण फोकस- हर पंचायत में एक योग मित्र हो। जैसे आशा वर्कर है, वैसे ही योग वर्कर। उन्हें स्टाइपेंड मिले। डेटा पर काम करो- योग से कितने लोगों का शुगर कंट्रोल हुआ, कितनों की दवा कम हुई- ये डेटा इकट्ठा करो। तभी पॉलिसी मेकर मानेंगे। योग दिवस का महत्व कम नहीं हुआ है। इसने भारत की सॉफ्ट पावर बढ़ाई है। लेकिन अगर अगले 10 साल भी हम सिर्फ 21 जून को मैट बिछाते रहे, तो योग 'इंस्टाग्रामेबल एक्टिविटी' बनकर रह जाएगा। योग का असली मकसद था- 'योगः कर्मसु कौशलम्'। काम में कुशलता। वो कुशलता तब आएगी जब योग स्कूल की क्लास से निकलकर अस्पताल की OPD, फैक्ट्री के ब्रेक रूम और गांव के चौपाल तक पहुंचे। तस्वीरें अच्छी लगती हैं, लेकिन बदलाव तब दिखता है जब किसी गांव के डायबिटिक मरीज की दवा आधी हो जाए क्योंकि उसने रोज 30 मिनट अनुलोम-विलोम किया।

आस्था की कीमत जीवन से चुका रहे हैं श्रद्धालु?

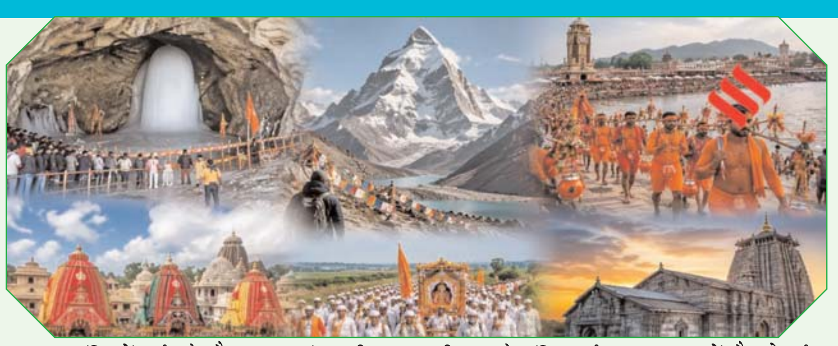

आए दिन तीर्थ स्थलों मंदिरों स्नान और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को आस्था की कीमत जान देकर चुकानी पड़ रही है। हमारे मंदिरों तीर्थस्थलों पर व्यवस्थाएं इतना निम्न स्तर पर पहुंच चुकी हैं कि न भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन सटीक निर्णय ले पाता है न मंदिरों की व्यवस्था की जिम्मेदार प्रबंधन कमेटी श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए जागरूक हैं यही वजह है कि पुरी जगन्नाथ यात्रा से लेकर वैष्णो देवी धाम तक कुंभ स्नान से लेकर मनसा देवी पावागढ मंदिर तक हादसों में अनेक बेगुनाह श्रद्धालुओं को जीवन गंवाना पड़ता है। ताज़ा हादसा महाराष्ट्र के परभणी जिले की मानवत तहसील स्थित यशवाड़ी मारुति मंदिर में बीते शनिवार को हुआ दर्दनाक हादसा पूरे देश को झकझोर देने वाला है। मंदिर परिसर के सामने बना सभा मंडप अचानक भरभराकर गिर पड़ा, जिसके कारण कई श्रद्धालु मलबे में दब गए। प्रारंभिक रिपोर्टों में मृतकों की संख्या पांच बताई गई, जबकि बाद में विभिन्न स्थानीय स्त्रोतों और प्रशासनिक सूचनाओं में छह लोगों की मृत्यु तथा अनेक श्रद्धालुओं के घायल होने की जानकारी सामने आई। लगभग 30 से 40 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई गई थी और बचाव दलों ने घंटों तक राहत एवं बचाव अभियान चलाकर लोगों को बाहर निकाला। कई घायलों का उपचार विभिन्न अस्पतालों में जारी है। इस हादसे ने केवल महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरे देश के सामने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी धार्मिक आस्था के केंद्र पर्याप्त रूप से सुरक्षित हैं।

मंदिरों में होने वाली दुर्घटनाएं मुख्य रूप से भीड़ अनियंत्रित होने (भगदड़), कमजोर निर्माण (छत या पिलर गिरना), बिजली के करंट, या आग लगने के कारण होती हैं। महाराष्ट्र के परभणी के यशवाड़ी हनुमान मंदिर में दर्शन के दौरान सभा मंडप की छत अचानक भरभरा कर गिर गई। इस हादसे में 5 से 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पिछले दिनों यूपी के वृन्दावन में इस्कॉन मंदिर के गेट पर नगर निगम द्वारा लगाए गए शॉवर कूलर में अचानक करंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से एक 21 वर्षीय श्रद्धालु की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पिछले दिनों महाराष्ट्र के सिद्धिनाथ मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी अनियंत्रित होकर एक गहरे कुएं में जा गिरी, जिससे 9 लोगों की जान चली गयी। राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में उमड़ने वाली भारी भीड़, कुप्रबंधन, और उचित कतारें न होने के कारण अक्सर भगदड़ और विवाद जैसी स्थितियां सामने आती है। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के समीप एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। मंदिर के गेट नंबर 5 के पास स्थित एक गली में अचानक एक पुराने मकान का छज्जा गिर गया, जिसकी चपेट में आने से वहां से गुजर रहे कई श्रद्धालु घायल हो गए। बीते साल मौसम विभाग की चेतावनी को दरकिनार कर माता वैष्णो देवी की यात्रा जारी रखी गई जिस के चलते 34 श्रद्धालुओं की माता के मंदिर मार्ग पर भूस्खलन में मौत हो गई। इसके अलावा अगस्त 2025 में ही मनसा देवी पर भी आधा दर्जन तीर्थयात्रियों की भगदड़ में मौत हो गई थी। हादसों का सिलसिला लम्बा है और लगातार जारी है।

आपको बता दें कि भारत आस्था और श्रद्धा का देश है। यहां प्रतिदिन लाखों लोग मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचते हैं। विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में इन स्थानों की संरचनात्मक मजबूती और सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। परभणी की घटना केवल एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि यह उन व्यवस्थागत कमियों की ओर संकेत करती है जिन्हें लंबे समय से नजरअंदाज किया जाता रहा है। यदि किसी निमार्णाधीन अथवा मरम्मताधीन ढांचे में श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी रहती है तो यह सीधे सीधे मानव जीवन को जोखिम में डालने जैसा है।

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जिस सभा मंडप में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, उसकी तकनीकी जांच कब और किस स्तर पर हुई थी। यदि निर्माण कार्य चल रहा था तो क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था? क्या संबंधित विभागों ने समय-समय पर निरीक्षण किया था? क्या मंदिर प्रबंधन समिति ने संभावित खतरे को देखते हुए श्रद्धालुओं के प्रवेश को नियंत्रित करने का प्रयास किया था? इन प्रश्नों के उत्तर केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की दिशा तय करेंगे।

दुर्भाग्य से यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों पर भगदड़, दीवार गिरने, छत ढहने और अन्य दुर्घटनाओं में अनेक लोगों की जान जा चुकी है। हाल ही में महाराष्ट्र के सांगली जिले में भी मंदिर परिसर से जुड़ी एक दुर्घटना में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई थी। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि समस्या किसी एक स्थान या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक स्तर पर सुरक्षा प्रबंधन की चुनौती है।

वास्तविकता यह है कि अनेक धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन आधारभूत ढांचे का विस्तार और रखरखाव उसी गति से नहीं हो पा रहा। कई स्थानों पर अस्थायी शेड, मंडप और अन्य संरचनाएं बिना पर्याप्त तकनीकी परीक्षण के उपयोग में लाई जाती हैं। कई बार निर्माण कार्य स्थानीय स्तर पर करवा लिया जाता है, लेकिन इंजीनियरिंग मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण की अनदेखी हो जाती है। जब तक कोई दुर्घटना नहीं होती, तब तक इन कमियों पर गंभीर ध्यान नहीं दिया जाता। प्रत्येक घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन इस हादसे की निष्पक्ष जांच कराएं। यदि निर्माण में लापरवाही, गुणवत्ता में कमी या सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

मनोज कुमार अग्रवाल

500 करोड़ की तरफ बढ़ा पेद्दी, राम चरण की स्पोर्ट्स ड्रामा ने दुनियाभर में कमाई से किया राज

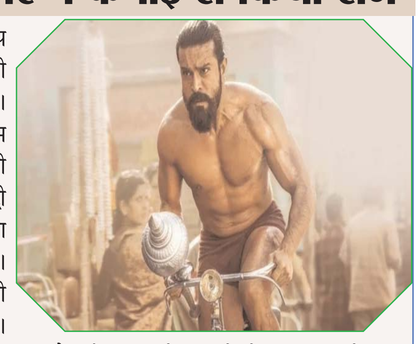

नई दिल्ली। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता राम चरण का नाम फिल्म पेद्दी की कमर्शियल सफलता को लेकर चर्चा में बना हुआ है। घरेलू बॉक्स ऑफिस के अलावा विदेशों में भी राम की पेद्दी कमाई के मामले में धमाकेदार प्रदर्शन करती हुई नजर आ रही है। यही कारण है कि अब पेद्दी वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में 500 करोड़ का जादुई आंकड़े छूने की तैयारी में निकल पड़ी है। आइए जानते हैं कि अब तक ये स्पोर्ट्स ड्रामा मूवी इंटनेशनल मार्केट में कितना बिजनेस कर चुकी है।

वर्ल्डवाइड पेद्दी ने किया कमाल

राम चरण और जाह्नवी कपूर स्टारर पेद्दी को बीते 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। तब से लेकर अब तक ये फिल्म बंपर कमाई की लय को बरकरार रखी हुई है और हर रोज मोटा पैसा छाप रही है। सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ही नहीं, बल्कि विदेशी बाजार में भी इस फिल्म कामयाबी का परचम लहराया है।

अब तक पेद्दी की रिलीज को 18 दिनों का समय बीता है और गौर किया जाए इसके वर्ल्डवाइड कलेक्शन के टोटल आंकड़े की तरफ तो एशियन बॉक्स ऑफिस की रिपोर्ट के अनुसार वह 443 करोड़ हो गया है, जोकि एक प्रभावशाली कमाई का आंकड़ा माना जा रहा है।

जल्द ही पेद्दी 450 करोड़ का आंकड़ा पार करेगी और इसकी पूरी कोशिश रहेगी कि मूवी का लाइफटाइम वर्ल्डवाइड कलेक्शन कैसे भी 500 करोड़ के क्लब में एंट्री ले ले। हालांकि, ये इतना आसान होने वाला नहीं है। अगर ऐसा होता है तो आर आर आर के बाद पेद्दी दूसरी ऐसी फिल्म होगी, जो ग्लोबली 500 करोड़ से ज्यादा की कमाई करेगी। मालूम हो कि निर्देशक एस एस राजामौली के डायरेक्शन में बनने वाली आर आर आर ने दुनियाभर में 1200 करोड़ से ज्यादा बिजनेस किया था।

इन मूवीज पर भारी पड़ी पेद्दी

मौजूदा समय में शाहिद कपूर स्टारर कॉकेटल 2 और समांथा रुथ प्रभु की 'मां इंति बंगारम' जैसी कई लेटेस्ट फिल्में कमाई के मामले में शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। इसके बावजूद पेड्डी ने अपना दबदबा बनाए रखा है। इससे पहले राम चरण की पेद्दी ने कमाई के मामले में है जवानी तो इश्क होना है, बंदर, भारत भाग्य विधाता और मैं वापस आऊंगा जैसी मूवीज को पछाड़ा है।

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय सुखद रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ धैर्य और समझदारी से काम लें। धन संबंधी मामलों में लाभ के योग हैं। नौकरी में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक विवादों से बचें।

मिथुन नए संपर्क लाभदायक सिद्ध होंगे। व्यापार में उन्नति के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

कर्क भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। नौकरी और व्यापार में सफलता के अवसर मिलेंगे। सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। खर्चों पर नियंत्रण आवश्यक है। करियर में नई संभावनाएं सामने आ सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

तुला साझेदारी के कार्यों में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

वृश्चिक कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। मेहनत और लगन से सफलता मिलेगी। शत्रु पक्ष कमजोर रहेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। शिक्षा और करियर के क्षेत्र में शुभ समाचार मिल सकता है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।

मकर घर-परिवार से जुड़े मामलों में व्यस्तता रहेगी। संपत्ति संबंधी कार्यों में लाभ हो सकता है। नौकरी में स्थिरता बनी रहेगी।

कुंभ संचार और संपर्क से लाभ मिलेगा। छोटे भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। यात्रा शुभ रहेगी।

मीन आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

करियर राशिफल (22 जून 2026)

मेष, सिंह, धनुः पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग।

वृषभ, कन्या, मकरः मेहनत का फल मिलेगा, आर्थिक लाभ संभव।

मिथुन, तुला, कुंभः नए संपर्क और नेटवर्किंग से करियर में फायदा।

कर्क, वृश्चिक, मीनः धैर्य और एकाग्रता से कार्य करने पर सफलता मिलेगी।

बंदूक के साये से परिवार की छांव तक नक्सल हिंसा की त्रासदी, मानवीय पुनर्वास और सभ्य समाज की जिम्मेदारी

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र से सामने आई एक खबर केवल प्रशासनिक पहल या चिकित्सा उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह उस लंबे दर्दनाक अध्याय की याद दिलाती है जिसने हजारों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। जिन लोगों ने वर्षों तक बंदूक, भय, हिंसा और अनिश्चितता के बीच जीवन बिताया, वे आज सामान्य पारिवारिक जीवन की ओर लौटने का प्रयास कर रहे हैं। आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों के लिए रिवर्स वासेक्टॉमी जैसी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें विवाह तथा पारिवारिक जीवन की मुख्यधारा से जोड़ना केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि मानव गरिमा की पुनर्स्थापना का प्रयास है।

नक्सलवाद का इतिहास केवल सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच संघर्ष की कहानी नहीं है। इसके पीछे असंख्य ऐसे मानवीय दुख छिपे हैं जिनकी चर्चा अक्सर नहीं होती। जंगलों में सक्रिय संगठनों के कठोर अनुशासन के कारण व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर गंभीर प्रतिबंध लगाए जाते रहे हैं। अनेक रिपोर्टों और अनुभवों में सामने आया है कि संगठन के भीतर प्रेम, विवाह और परिवार जैसी स्वाभाविक मानवीय भावनाओं को कमजोरी माना जाता था। कई लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध जीवन जीना पड़ा। ऐसे माहौल में व्यक्ति की पहचान एक इंसान के रूप में नहीं, बल्कि केवल एक लड़ाके के रूप में सीमित होकर रह जाती है।

जब किसी व्यक्ति से उसका पारिवारिक जीवन छीन लिया जाता है, तब केवल उसकी स्वतंत्रता ही नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी प्रभावित होता है। परिवार मनुष्य के जीवन की सबसे मूलभूत सामाजिक इकाई है। माता-पिता बनने का सपना, जीवनसाथी के साथ सुख-दुख साझा करने की इच्छा और बच्चों के भविष्य को संवारने की आकांक्षा हर व्यक्ति के भीतर स्वाभाविक रूप से मौजूद रहती है। यदि किसी व्यवस्था या विचारधारा के कारण इन अधिकारों का दमन होता है, तो यह केवल व्यक्तिगत पीड़ा नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा पर भी आघात है।

बस्तर में आत्मसमर्पण कर चुके पूर्व नक्सलियों के जीवन में आए बदलाव इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। जो लोग कभी बंदूक उठाने को मजबूर थे, वे अब सम्मानजनक जीवन, रोजगार, परिवार और सामाजिक स्वीकृति की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। यह परिवर्तन दर्शाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, मनुष्य के भीतर सामान्य जीवन की इच्छा कभी समाप्त नहीं होती। हिंसा का रास्ता अंततः व्यक्ति को अकेलापन, भय और असुरक्षा ही देता है, जबकि समाज की मुख्यधारा उसे अपनापन और स्थिरता प्रदान करती है।

रिवर्स वासेक्टॉमी अभियान का मानवीय पक्ष विशेष रूप से उल्लेखनीय है। चिकित्सा विज्ञान का उपयोग यहां केवल एक शारीरिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन लोगों को जीवन की नई उम्मीद देने का माध्यम बन रहा है जिनसे कभी पितृत्व का अधिकार छीन लिया गया था। जब कोई पूर्व नक्सली अपनी गोद में अपने बच्चे को उठाता है, तो वह केवल एक पिता नहीं बनता, बल्कि हिंसा से शांति की ओर यात्रा का प्रतीक भी बन जाता है। यह दृश्य बताता है कि समाज में पुनर्वास और पुनर्समावेशन की प्रक्रिया कितनी महत्वपूर्ण है। हालांकि इस पूरे प्रसंग का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर ऐसी परिस्थितियां पैदा क्यों हुई, जिनमें लोगों को अपनी प्राकृतिक इच्छाओं और अधिकारों से वंचित होना पड़ा। दशकों तक चले नक्सली संघर्ष ने केवल विकास को बाधित नहीं किया, बल्कि सामाजिक संरचना को भी गहरे घाव दिए हैं। अनेक परिवार टूटे, बच्चों ने माता-पिता को खोया, गांवों में भय का वातावरण बना रहा और विकास की प्रक्रिया प्रभावित हुई। हिंसा का सबसे बड़ा नुकसान यही होता है कि वह समाज के सामान्य जीवन को असामान्य बना देती है।

आज जब कुछ पूर्व नक्सली विवाह कर रहे हैं, बच्चे पैदा कर रहे हैं और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का प्रयास कर रहे हैं, तब यह केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है। यह उन सभी प्रयासों की सफलता है जो शांति, पुनर्वास और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। किसी भी संघर्षग्रस्त क्षेत्र में स्थायी समाधान केवल सुरक्षा अभियानों से नहीं आता। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक स्वीकृति और मानवीय संवेदनाओं का भी उतना ही महत्व होता है। जब समाज किसी भटके हुए व्यक्ति को दूसरा अवसर देता है, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होता है।

इस संदर्भ में सभ्य समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आत्मसमर्पण करने वाले लोगों को संदेह की दृष्टि से देखने के बजाय उन्हें नए जीवन की शुरुआत करने का अवसर दिया जाना चाहिए। यदि वे वास्तव में हिंसा छोड़कर शांति का मार्ग अपनाना चाहते हैं, तो समाज का दायित्व है कि वह उन्हें स्वीकार करे। पुनर्वास केवल सरकारी योजनाओं से पूरा नहीं होता, बल्कि सामाजिक स्वीकार्यता से ही सफल बनता है। रोजगार, शिक्षा और सम्मानजनक व्यवहार उनके आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं और उन्हें दोबारा हिंसा के रास्ते पर लौटने से रोकते हैं।

यह भी सच है कि जिन लोगों ने वर्षों तक बंदूक के साये में जीवन बिताया है, उनके मन पर गहरे मानसिक और भावनात्मक घाव होते हैं। उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सहयोग और सामाजिक समर्थन की भी आवश्यकता होती है। उनके अनुभव दर्द, भय और असुरक्षा से भरे होते हैं। ऐसे लोगों को सामान्य जीवन में लौटाने के लिए संवेदनशील और दीर्घकालिक प्रयास जरूरी हैं। समाज यदि उनके घावों को समझे और उन्हें नई पहचान बनाने का अवसर दे, तो पुनर्वास की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सकती है।

बस्तर की यह कहानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह निराशा के बीच आशा का संदेश देती है। यह बताती है कि हिंसा और संघर्ष की सबसे अंधेरी परिस्थितियों से भी जीवन की नई शुरुआत संभव है। जिन हाथों में कभी बंदूक थी, वे आज अपने बच्चों को दुलार रहे हैं। जिन लोगों के सामने कभी केवल संघर्ष और मृत्यु का रास्ता था, वे अब परिवार और भविष्य के सपने देख रहे हैं। यह परिवर्तन किसी भी सभ्य समाज के लिए सकारात्मक संकेत है।

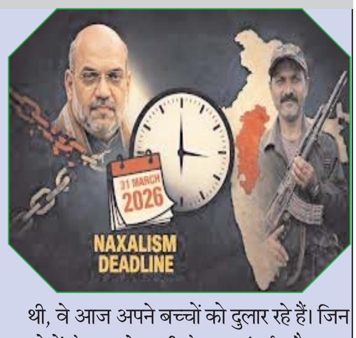

अंततः यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि हर व्यक्ति के भीतर एक सामान्य और सम्मानजनक जीवन जीने की आकांक्षा होती है। हिंसा उस आकांक्षा को दबा सकती है, लेकिन समाप्त नहीं कर सकती। इसलिए आवश्यक है कि समाज ऐसे दर्दभरे अध्यायों से सीख ले और उन लोगों को नई शुरुआत का अवसर दे जो संघर्ष की दुनिया से निकलकर शांति के मार्ग पर चलना चाहते हैं। बंदूक के साये में घटित मानवीय त्रासदियों से उबरने का सबसे प्रभावी तरीका यही है कि हम संवेदना, पुनर्वास और सामाजिक समावेशन को प्राथमिकता दें। तभी उन घरों में स्थायी खुशियां लौट सकेंगी, जहां कभी भय और असुरक्षा का अंधेरा पसरा हुआ था।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

आज साढ़े चार घंटे गुल रहेगी बिजली आपूर्ति, दर्जनों गांव होंगे प्रभावित

अवर अभियंता ने कहा सुबह 8 बजे से पहले निपटा लें बिजली और पानी से जुड़े महत्वपूर्ण काम

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवा ब्लॉक क्षेत्र के सोनौली विद्युत उपकेंद्र से जुड़े उपभोक्ताओं के लिए एक बेहद जरूरी खबर है। ऐसे में आज मंगलवार को क्षेत्र के दर्जनों गांवों को एक लंबे बिजली शटडाउन का सामना करना पड़ेगा। व्हाइट हाउस नौतनवां के पास एनएचएआई द्वारा चलाए जा रहे सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत रास्ते में आने वाले बिजली के पोलों को दूसरी जगह शिफ्ट करने का महत्वपूर्ण कार्य किया जाना है। जिसको लेकर सोनौली उपकेंद्र से निकलने वाले सोनौली, भगवानपुर, दुर्गापुर, चकदह और लक्ष्मी राइस मिल फीडर की विद्युत आपूर्ति आज सुबह आठ बजे से दोपहर साढ़े बारह बजे तक यानी कुल साढ़े चार घंटे आपूर्ति पूरी तरह से ठप रहेगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए विद्युत विभाग के अवर अभियंता दीनानाथ शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण कार्य को गति देने के लिए बिजली के खंभों को हटाना बेहद अनिवार्य है और इसी तकनीकी कार्य को पूरा करने के लिए यह शटडाउन लिया जा रहा है। जिसकी वजह से इन सभी फीडरों के अंतर्गत आने वाले सैकड़ों गांवों के उपभोक्ताओं को इस उमस भरी गर्मी के बीच बिजली कटौती से जूझना पड़ेगा। बिजली गुल रहने के दौरान लोगों को पानी और अन्य दैनिक कार्यों में भारी असुविधा न हो इसे ध्यान में रखते हुए जेई दीनानाथ शर्मा ने सभी सम्मानित उपभोक्ताओं से अपील की है कि सभी उपभोक्ता मंगलवार सुबह 8 बजे शटडाउन शुरू होने से पहले ही अपने घरों की पानी की टंकी भरने समेत बिजली से जुड़े तमाम जरूरी और अनिवार्य कार्यों को समय रहते पूर्ण कर लें, ताकि कटौती की इस अवधि के दौरान उन्हें किसी भी तरह की बड़ी किल्लत या परेशानी का सामना न करना पड़े।

निबंधन प्रक्रिया के निजीकरण के विरोध में गोला कलेक्ट्रेट बार की हुई बैठक गोला बार कक्ष में हुई सम्पन्न

दो दिन रजिस्ट्री एवं न्यायालय कार्य का किया गया बहिष्कार

गोलाबाजार गोरखपुर :गोला तहसील कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने सोमवार को निबंधन प्रक्रिया के निजीकरण के विरोध में एक आवश्यक बैठक आहुति किया।बैठक की अध्यक्षता बार गोला के अध्यक्ष रंतीदेव मिश्रा एवं संचालन आमोद कुमार गौड़ ने किया। बैठक में उपस्थित समस्त अधिवक्तागण,दस्तावेज लेखक और स्टांप विक्रेता ने सर्व सम्मत से निर्णय लिया कि सरकार द्वारा निबंधन के संबंध में लिए गए गलत निर्णय निजीकरण के विरोध में 23एवं 24 जून को कोई भी रजिस्ट्री एवं न्यायालय से संबंधित कार्य नहीं किया जाएगा। यदि इस काले कानून को वापस नहीं लिया गया तो इसके संबंध में अगली बैठकें आगे की रणनीति तय किया जाएगा। इस बैठक में प्रमुख रूप से श्रीनिवास पाण्डेय भारद्वाज पाण्डेय गिरिजेश शाही इंदुभूषण ओझा अरुण मिश्रा गणेश शंकर भारती आलोक मौर्य कोमल प्रसाद रविन्द्र नाथ दुबे रामलखन राय हरिप्रसाद भारती ओमप्रकाश मिश्रा विद्या निवास दुबे बनवारी यादव बैजनाथ यादव आदि समस्त अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

गीडा स्थित एक होटल मे नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने का आरोप

सहजनवा : गीडा सेक्टर 22 स्थित एक होटल में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। किशोरी के पिता ने एक युवक के खिलाफ तहरीर दी है लेकिन अभी केस नहीं दर्ज किया गया है। गीडा में संचालित होटलों में अवैध कार्य फिलहाल थमाता नहीं दिख रहा है। गीडा के होटल में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद पुलिस के कान खड़े हो गए है। गीडा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोर के बहन की शादी सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई है। बहन के घर आने जाने के दौरान किशोर बगल की किशोरी से बातचीत करता रहा। आरोप है कि शनिवार को आरोपित किशोर किशोरी को बहला फुसला कर सहजनवा लेकर आया। इसके बाद गीडा के सेक्टर 22 ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक होटल में लेकर गया। होटल में किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के बाद छोड़ कर भाग गया। पीड़ित घर पहुंची तो स्वजनों को दुष्कर्म के बारे में बताई। इसके बाद पीड़िता के पिता ने सहजनवा थाना में तहरीर दी है। प्रभारी थानाध्यक्ष संजय कुमार मिश्र ने कहा कि मौखिक सूचना मिली है और अभी तहरीर नहीं मिली है।

शिक्षकों के कौशल संवर्धन को लेकर एसबीटी स्कूल में आयोजित हुई कार्यशाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। एसबीटी पब्लिक स्कूल, विशुनपुरा में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय एजुकेशनल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय 'प्रभावी कक्षा प्रबंधन' रहा, जिसमें प्रशिक्षक प्रिया सेंगर ने शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और कक्षा संचालन की प्रभावी तकनीकों की जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षक ने व्यावहारिक उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों को विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने, कक्षा में अनुशासन बनाए रखने तथा सकारात्मक शिक्षण वातावरण तैयार करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि प्रभावी कक्षा प्रबंधन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला है और इससे विद्यार्थियों के सीखने की क्षमता में सकारात्मक सुधार आता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. आशा तिवारी ने कहा कि बदलते शैक्षणिक परिवेश में शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण आवश्यक है। इस प्रकार की कार्यशालाएं शिक्षकों के ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के साथ-साथ उन्हें नई चुनौतियों के लिए तैयार करती हैं। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रबंधन ने प्रशिक्षक प्रिया सेंगर तथा एमबीडी ग्रुप के जनरल मैनेजर दीपक मिश्रा को अंगवस्त्र और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही कार्यशाला के सफल आयोजन में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर एमबीडी ग्रुप के जनरल मैनेजर दीपक मिश्रा, प्रधानाचार्या डॉ. आशा तिवारी, प्रशासक दिवाकर पांडेय, मुख्य समन्वयक अंबरीश त्रिपाठी, अबू दानिश सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। विद्यालय प्रशासन ने शिक्षकों से कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान और अनुभवों को कक्षा शिक्षण में अपनाने का आह्वान किया।

जलवायु परिवर्तन के बीच खेती पर फोकस, कृषि मंत्री ने अफसरों को दिए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को विकास भवन स्थित गांधी सभागार में विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए कृषि, पशुपालन, उद्यान, नलकूप, विद्युत और सिंचाई विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री ने कम वर्षा में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को जागरूक किया जाए और उन्हें समय पर गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही सभी सरकारी नलकूपों को शत-प्रतिशत क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने रोस्टर के अनुसार बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा उसकी जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से सार्वजनिक करने को कहा। उन्होंने बिजली संबंधी शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। गौरीबाजार क्षेत्र से अधिक शिकायतें मिलने पर अधीक्षण अभियंता को तत्काल समस्याओं के समाधान के लिए विशेष निर्देश दिए गए। सिंचाई विभाग को नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं निराश्रित गो-आश्रय स्थलों में पशुओं को गर्मी से बचाने के लिए पर्याप्त छाया, भूसा, हरा चारा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। पशुपालकों को भी गर्मी से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने पर बल दिया गया। बैठक में नवनिर्मित सड़कों के किनारे वृक्षारोपण कराने और अधूरे विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने पर भी जोर दिया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी को अमृत सरोवरों तथा अन्य तालाबों और पोखरों की साफ-सफाई कराने तथा गांवों का गंदा पानी उनमें जाने से रोकने के निर्देश दिए गए, ताकि पशुओं को स्वच्छ जल उपलब्ध हो सके। कृषि मंत्री ने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

गोरखपुर : शादी के महज 45 दिन बाद नवविवाहिता की रहस्यमय मौत, सास पति पर मुकदमा,

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनपद के पिपराईच थाना क्षेत्र स्थित रामपुर खुर्द गांव में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। विवाह के मात्र डेढ़ माह बाद हुई इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि मृतका के मायके पक्ष की तहरीर पर पति और सास के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार रामपुर खुर्द निवासी महेश से कविता चौरसिया का विवाह करीब 45 दिन पूर्व बड़े ही धूमधाम से हुआ था। परिजनों का कहना है कि शादी के शुरुआती दिनों में सब कुछ सामान्य था, लेकिन अचानक रविवार को नवविवाहिता की मौत की खबर सामने आने से दोनों परिवारों में मातम छा गया। घटना की सूचना सबसे पहले डायल-112 पर दी गई, जिसमें बताया गया कि महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य एकत्र करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ससुराल पक्ष, विशेषकर पति और सास पर गंभीर आरोप लगाते हुए तहरीर दी। मायके वालों का आरोप है कि विवाह के बाद से ही कविता को प्रताड़ित किया जा रहा था। उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस घटना ने कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। आखिर शादी के महज डेढ़ माह के भीतर ऐसी कौन-सी परिस्थितियां उत्पन्न हो गई कि एक नवविवाहिता की जिंदगी समाप्त हो गई? क्या यह वास्तव में आत्महत्या है या इसके पीछे कोई और वजह छिपी हुई है? इन सवालों के जवाब फिलहाल जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आ सकेंगे। पिपराईच पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, परिजनों के बयानों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल है और लोग सच्चाई सामने आने का इंतजार कर रहे हैं

मोहर्रम को लेकर खजनी पुलिस का फ्लैग मार्च

● फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसमें भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का आह्वान किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर मोहर्रम को शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए खजनी पुलिस ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में विति रात को नगर पंचयात उनवल में भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। लोगों से भाईचारा बनाए रखने की अपील की गई। क्षेत्राअधिकारी खजनी विवेक तिवारी के निर्देशन में थाना प्रभारी खजनी जयन्त सिंह नगर पंचायत उनवल के विभिन्न प्रमुख मार्गो व संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने आमजन से संवाद स्थापित कर मोहर्रम को आपसी सद्भाव, शांति व सामाजिक सौहार्द के साथ मनाने का आह्वान किया।

संवेदनशील स्थलों व ताजिया मार्गों का निरीक्षण

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मोहर्रम केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक एकता व भाईचारे का भी प्रतीक है। पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस ने लोगों से सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने की अपील की है। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाली पोस्ट साझा करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नागरिकों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया गया है। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल की मौजूदगी से लोगों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ा। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता स्पष्ट दिखाई दी गैर-परंपरागत आयोजनों व जुलूसों को नहीं मिलेगी अनुमति

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कार्यालय का निरीक्षण कर अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश – सोमवार दिनांक 22.06.2026 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर अभिलेखों, पंजिकाओं एवं फाइलों के रख-रखाव का गहन निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यालय में संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए अभिलेखों एवं फाइलों को सुव्यवस्थित ढंग से संधारित करने तथा आवश्यक अभिलेखों को अद्यतन रखने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुलिस कार्यालय परिसर की साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था का भी अवलोकन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने, अभिलेखों के समुचित रख-रखाव तथा कार्यालयी कार्यों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

विश्वविद्यालय ने छात्रों पर लगाया 14 लाख का विलंब शुल्क

●अटके रिजल्ट को लेकर प्राचार्य ने कुलपति से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। बीआरडी पीजी कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं का परीक्षा परिणाम 14.14 लाख रुपये के विलंब शुल्क के विवाद में फंस गया है। इस मामले में कॉलेज प्रशासन ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति से शुल्क माफ कर छात्रों का परिणाम घोषित कराने की मांग की है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने 2 मई 2026 को जारी पत्र में कहा था कि महाविद्यालय द्वारा विलंब शुल्क की राशि जमा न किए जाने के कारण संबंधित छात्र-छात्राओं का परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हो पा रहा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय को आर्थिक क्षति होने तथा परिणाम घोषित न होने की स्थिति के लिए महाविद्यालय जिम्मेदार होगा। इसके जवाब में बीआरडी पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. प्रताप नारायण सिंह ने कुलपति को भेजे पत्र में अपना पक्ष रखा है। उन्होंने बताया कि कुछ कक्षाओं के विषम सेमेस्टर के छात्र निर्धारित समय में परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाए थे। छात्रहित को देखते हुए कॉलेज ने विश्वविद्यालय से पोर्टल दोबारा खोलने का अनुरोध किया था, जिसे कुलपति ने स्वीकार करते हुए फॉर्म भरने की अनुमति प्रदान की थी। प्राचार्य का कहना है कि नियमित परीक्षा शुल्क पहले ही निर्धारित समय के भीतर जमा करा दिया गया था। प्राचार्य ने पत्र में यह भी कहा कि कॉलेज एक राज्य सरकार से अनुदानित संस्था है और उसके पास ऐसा कोई स्वतंत्र वित्तीय स्रोत नहीं है, जिससे 14 लाख 14 हजार रुपये का भारी-भरकम विलंब शुल्क जमा किया जा सके। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शुल्क माफ करने की मांग की है। कॉलेज प्रशासन का तर्क है कि यदि परिणाम घोषित नहीं हुआ तो प्रभावित छात्रों को उच्च शिक्षा में प्रवेश, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इससे उनका भविष्य प्रभावित हो सकता है। अब निगाहें विश्वविद्यालय प्रशासन के फैसले पर टिकी हैं। छात्र और अभिभावक उम्मीद कर रहे हैं कि छात्रहित को प्राथमिकता देते हुए जल्द कोई सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा, जिससे लंबे समय से रुका परीक्षा परिणाम घोषित हो सके।

मामी को तानों की कीमत जान देकर चुकानी पड़ीः शादी की बात के बहाने जंगल ले जाकर गला रेता, जेवर लूटकर फरार हुई भांजी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर । कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र में एक 60 वर्षीय महिला की हत्या का सनसनीखेज खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतका की ही भांजी को गिरफ्तार कर लिया है। रिश्तों को शर्मसार करने वाली इस वारदात में आरोपी महिला ने अपनी मामी को बेटी की शादी की बात करने के बहाने घर बुलाया और सुनसान जंगल में ले जाकर चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने मृतका के शरीर से जेवर उतार लिए और मौके से फरार हो गई। पुलिस के अनुसार 21 जून को जंगल बब्बन के जंगल में सड़क से करीब 150-200 मीटर अंदर एक वृद्ध महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। सूचना मिलते ही कैम्पियरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पहचान होने के बाद परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक उत्तरी के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने सर्विलांस और एसओजी की मदद से मामले का खुलासा कर दिया। जांच के दौरान पुलिस ने महराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के रामपुर टोला रानी निवासी राधिका पासवान पत्नी किशोरी उर्फ टिमकी पासवान को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी महिला ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि मृतका उसकी मामी थी और अक्सर उसे ताने देती थी। इसी बात को लेकर वह काफी समय से उनसे नाराज थी। बदला लेने की नीयत से उसने 20 जून को फोन कर मामी को अपनी बेटी की शादी की बात करने के बहाने बुलाया। दोनों कैम्पियरगंज जा रही थीं, तभी आरोपी ने जंगल के पास शौच जाने का बहाना बनाया और मामी को अपने साथ जंगल के भीतर ले गई। जंगल में पहुंचने के बाद आरोपी ने पहले चाकू से हमला करने की कोशिश की। दोनों के बीच संघर्ष हुआ, लेकिन अंततः उसने मामी के गले पर चाकू से वार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी ने मृतका के शरीर पर पहने सोने-चांदी के जेवर उतार लिए और फरार हो गई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, चांदी की पायल, अंगूठियां, सोने के टप्स, सोने की किल, ओम लाकेट, टूटी हुई सोने की चेन तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पांच लाख रुपये के विवाद में तिहरा हत्याकांड, छोटे भाई पर बड़े भाई के परिवार की हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। बांसगांव थाना क्षेत्र के बलुआ उर्फ गोपालपुर गांव में रविवार देर रात हुए तिहरे हत्याकांड ने पूरे जिले को झकझोर दिया। आरोप है कि छोटे भाई ने पारिवारिक विवाद और रुपये की मांग को लेकर अपने बड़े भाई, भाभी और तीन वर्षीय भतीजे की हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में मातम और दहशत का माहौल है। मृतकों की पहचान अमित गुप्ता, उनकी पत्नी अनिता गुप्ता और पुत्र रेयांश गुप्ता (3 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रविवार रात परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। इसी दौरान आरोपी आदित्य गुप्ता ने कथित रूप से लोहे की रॉड और अन्य भारी वस्तु से हमला कर दिया। हमले में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय कमरे में मौजूद परिवार की दत्तक पुत्री हमले की प्रत्यक्षदर्शी बनी। उसे भी चोटें आई, लेकिन उसकी जान बच गई। वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक के पिता हीरालाल गुप्ता ने आरोप लगाया कि उनका छोटा बेटा आदित्य काफी समय से पांच लाख रुपये की मांग कर रहा था। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद चल रहा था। उनका कहना है कि बड़े बेटे अमित ने कई बार उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नाराज रहता था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हत्या की इस घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। ग्रामीणों के बीच दिनभर इसी दर्दनाक वारदात की चर्चा होती रही।

डीएवी पब्लिक स्कूल रिहंदनगर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की धूम स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर प्रभा पांडे ने बताए निरोग जीवन के मंत्र

● स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम के साथ सैकड़ों छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने किया योगाभ्यास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/ सोनभद्र – डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, रिहंदनगर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े हीं उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य राजकुमार ने क्षेत्र की प्रख्यात योग शिक्षिका प्रभा पांडे को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया । अपने स्वागत संबोधन में प्राचार्य राजकुमार ने बताया कि योग भारत की प्राचीन सनातन परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा है । यह केवल व्यायाम ही नहीं है, बल्कि एक ऐसी विधा है जो शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का कार्य करती है। योग के फायदे को देखकर पूरे विश्व ने इसे दिल से स्वीकारा है। तत्पश्चात योग शिक्षिका प्रभा पांडे ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र संघ में रखा था और संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस प्रस्ताव को पारित किया गया। 21 जून उत्तरी गोलार्द्ध का वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इसलिए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के प्रस्ताव को मंजरी मिला। तब से हर वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस साल 2026 का योग दिवस का थीम है-- स्वस्थ आयु के लिए योग। इस थीम का संदेश है, बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से स्वस्थ और आत्मनिर्भर बना रह सकें। इस अवसर पर प्रभा पांडे ने शिक्षकों-शिक्षिकाओं, छात्रों एवं छात्राओं को विभिन्न प्रकार के प्राणायाम जैसे नाड़ी शोधन प्राणायाम, शीतली प्राणायाम ,भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति प्राणायाम के साथ सूर्य नमस्कार के 12 आसनों एवं पद्मासन, वज्रासन, मत्स्यासन आदि की जानकारी दी। उन्होंने बताया योग से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। उन्होंने कहा योग शरीर में लचीलापन एवं मांसपेशियों में ताकत लाने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। योग तनाव को कम करने के साथ स्वस्थ वजन प्रबंधन में सहायक होता है। प्रभा पांडे ने बताया कि योग पाचन में मदद करता है एवं हृदय स्वास्थ्य को सुधारता है। यह विद्यार्थियों में एकाग्रता लाने में सहायक होता है। नियमित रूप से योग करने से याद रखने की क्षमता, समझने की क्षमता विकसित होती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को नियमित रूप से योग करना चाहिए।इस कार्यक्रम में अखिलेश देव पांडे, डॉक्टर आर के झा, विजय तिवारी, डॉ राजेश कुमार श्रीवास्तव, एम के पांडे, समता सिंह, रंजना सिंह, नीरज कुमार गुप्ता, सुभेंद्र मोहन, नम्रता चौधरी, शगुफ्ता शबनम आदि के साथ साथ सैकड़ो की संख्या में शिक्षक- शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

ब्लॉक मुख्यालय पर योग दिवस पर प्रमुख के साथ लोगों ने योग किया

बरेली/विकासखंड भदपुरा मैं ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार के साथ सैकड़ो लोगों ने योग दिवस के अवसर पर योग किया इस अवसर पर लोगों को योग अभ्यास करने के लिए नकटी नारायनपुर के आयुर्वेदिक अस्पताल के योग प्रशिक्षक योगेश कुमार ने यहां पहुंचकर लोगों को योग करने का अभ्यास कराया। साथ ही योग करने के लिए मनुष्य को क्यों आवश्यक है इस पर भी उन्होंने विस्तृत जानकारी योग शिविर में पहुंचे लोगों को दी यहां पर उपस्थित भदपुरा विकासखंड के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार खंड विकास अधिकारी कौशल कुमार गुप्ता प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार समेत क्षेत्र के भारी संख्या में लोग उपस्थित थे सभी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग अभ्यास किया और उससे मिलने वाले लबों की जानकारी प्राप्त की।

मूर्तियों की शोभायात्रा में गूंजे जय श्रीराम के जयघोष, भक्तिमय हुआ कस्बा

सिंगाही। कस्बे के पूरब टोला स्थित हनुमान मंदिर में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे दिन सोमवार को मूर्तियों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी रही। पूरे मार्ग में जय श्रीराम के जयघोष गूंजते रहे, जिससे कस्बे का माहौल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के तहत जीर्णोद्धार करए गए हनुमान एवं शिव मंदिर में वैदिक आचार्य उत्तम कुमार मिश्रा के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन संपन्न हुआ। मुख्य यजमान आयुष्मान शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर मूर्तियों की शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा मेन बाजार से होते हुए काली माता मंदिर पहुंची। इसके बाद छावनी स्थित संकट हरण मंदिर, भेड़ीरा के गौरी बाबा मंदिर, वाल्मीकि मंदिर और दुर्गा माता मंदिर होते हुए पुनः हनुमान मंदिर परिसर पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। मंदिर पहुंचने के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मूर्तियों को विधि-विधान से विराजमान कराया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के बीच प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया संपन्न हुई। आयोजन के चलते पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। इस दौरान पूर्व चेयरमैन प्रदीप पुरवार, पूर्व सभासद शिशिर गुप्ता, सुनील बत्रा, रमेश वर्मा रज्जन लाल शुक्ला, शिखर पंचोली, हनुमान मंदिर समिति के सदस्यों समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

थाने के चंद कदमों की दूरी पर चोरों ने चोरी को दिया अंजाम

उचौलिया थानाध्यक्ष पर उठ रहे सवाल
चोरी लूटपाट से जनता मे बना भय का माहौल
चैकिंग के नाम पर मीडिया व किसानों के पास अवैध असलाह तलाशती उचौलिया पुलिस

जनपद लखीमपुर खीरी के उचौलिया थाने क्षेत्र मे लूटपाट चोरी की घटनाओं ने जनता मे भय बना दिया दिनांक 22 जून 2026 रविवार की रात को चोरों ने थाने से चंद कदमों की दूरी पर चोरी कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार चोरो ने श्रीपाल के कारखाने से एक गुल्लक रुपये तथा लगभग 20 लीटर सरसों का तेल चोरी कर ले गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग चिंतित हैं क्योंकि चोरी की यह वारदात सीधे तौर पर उचौलिया थाने के समीप हुई है।स्थानीय निवासी बताते हैं कि थाना के बिल्कुल पास रहने के बावजूद यह चोरी हुई, जबकि थाना में तैनात एचएम कर्मचारी भी पास ही रहते हैं। पिछले कुछ महीनों में इस क्षेत्र में दर्जनों चोरी-लूट की घटनाएँ हुई हैं जिनका खुलासा अभी तक नहीं हो पाया है। लोगों का आरोप है कि लगातार थाने के पास चोरी होने से जन सुरक्षा पर सवाल उठता है और स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही पर शंका पैदा होती है।उचौलिया थाना प्रभारी गोपाल नारायण सिंह का नाम भी घटनाक्रम में जुड़ा हुआ है; ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार की चोरियों और हालिया घटना से कहीं न कहीं थाने की सुरक्षा व्यवस्था पर अपनाए जाने वाले कदमों पर प्रश्न खड़े होते हैं। फिलहाल पुलिस ने घटनास्थल का अभी तक मौका मुआयना नहीं किया है।

हाईवे पर मौत बनकर दौड़ा ओवरलोड ट्रक

● कपड़ा कारोबारी की दर्दनाक मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर- शाहजहांपुर। लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। ओवरलोड बजरी से भरे ट्रक की वजह से हुई टक्कर में कपड़ा कारोबारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और यातायात बाधित हो गया। जानकारी के अनुसार लखनऊ के वजीरगंज थाना क्षेत्र स्थित जनता नगरी निवासी मोहम्मद हलीम अपने भाई जाकिर और चालक सलीम के साथ पंजाब से कपड़ों का माल लेकर पिकअप वाहन से वापस घर लौट रहे थे। सोमवार सुबह करीब तीन बजे तिलहर क्षेत्र में पूर्वी भक्शी तिराहे के पास विद्युत निगम कार्यालय के निकट आगे चल रहे बजरी से लदे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे पीछे चल रही पिकअप अनियंत्रित होकर ट्रक में जा घुसी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीनों लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने 36 वर्षीय मोहम्मद हलीम को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल चालक सलीम को प्राथमिक उपचार के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। जाकिर को मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि ट्रक में क्षमता से अधिक बजरी लदी हुई थी, जिससे वाहन का संतुलन और ब्रेकिंग प्रभावित हो सकती थी।

पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर उसमें लदी अतिरिक्त बजरी उतरवाई और वाहन को थाने भिजवा दिया। हादसे के कारण हाईवे पर लगभग आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि परिजनों की तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बालाजी मंदिर पर हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

बरेली/नवाबगंज रामलीला मैदान के समीप बालाजी मंदिर पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का आयोजन नवाबगंज नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता नीरेंद्र सिंह राठौड़ के बड़े भाई पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष कुंवर रविंदर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में आयोजन किया गया। इस भंडारे में सम्मिलित होने भाजपा के जिला अध्यक्ष सोमपाल शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष पवन शर्मा के साथ भाजपा के कई नेताओं ने पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी धूमधाम से आयोजन किया गया इस भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और बालाजी से आशीष मांगा।

ज्ञान विज्ञान कोचिंग संस्थान पर मनाया गया विश्व योगा दिवस तत्पश्चात कराई गई गणित प्रतियोगिता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली— बरेली मंडल के राजीव नगर, नवादा शेखान, गुलाब बाड़ी रोड पर संचालित ज्ञान विज्ञान कोचिंग संस्थान पर 21 जून रविवार के दिन मनाया गया विश्व योगा दिवस, तत्पश्चात कराई गई गणित प्रतियोगिता। जिसमें कई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने लिया चढ़-बढ़ कर हिस्सा। संस्थान के संचालक ने छात्रों को योगा दिवस पर दिया स्वस्थ रहने का मूल मंत्र। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विजेता को रेंजर साइकिल, द्वितीय को स्मार्ट वॉच और तृतीय को स्टडी किट देकर दिया जाएगा प्रोत्साहन। ज्ञान विज्ञान कोचिंग संस्थान इसी प्रकार प्रत्येक रविवार को प्रतियोगिताएं कराकर छात्रों का करता है उत्साहवर्धन। छात्रों का कहना है उन्हें इस कोचिंग पर रविवार के दिन का रहता है इंतजार। और रविवार के दिन कई स्कूल के छात्र इस संस्थान पर पहुंचकर प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। संस्थान के संचालक ने बताया कि संस्थान अभी तक इसी प्रकार से कई प्रतियोगिताएं आयोजित करा चुका है। और विजेता छात्रों को पुरस्कार के माध्यम से शिक्षा के लिए करते हैं प्रेरित। जहां रविवार के दिन छात्र अन्य चीजों में व्यस्त रहते हैं वहीं यह संस्थान छात्रों की शिक्षा के प्रति रुचि लाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

कांशीराम कालोनी में सफाई,जल निकासी एवं प्रकाश व्यवस्था का पालिकाध्यक्ष ने किया भौतिक निरीक्षण

गोला गोकर्णनाथ खीरी– सोमवार 22 जून को कांशीराम कालोनी का नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू भौतिक निरीक्षण करने पालिका अधिकारियों के साथ पहुँचे, नालियों में गंदगी देखकर नाराजगी जाहिर की तथा दो दिन में सफाई करने के निर्देश दिया इसके साथ खराब हैंडपंप ठीक करने, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ टूटी पाइपों को बदलने के लिए कहा। बताते चले कांशीराम शहरी गरीब आवासीय योजना में नगर के ऐसे लोग रहते है जिनके पास पक्का मकान नहीं है ऐसे लोगो को सरकार द्वारा आवास आवंटित किया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा, 'पीने का स्वच्छ पानी, सफाई, लाइट ,टूटी नालियों की मरम्मत के साथ अन्य व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा तथा मैं महीने में दो तीन बार स्वयं आकर निरीक्षण करुंगा। इस अवसर पर नामित सभासद शत्रोहन मिश्रा, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संदीप वर्मा, जे ई आदर्श मिश्रा, जे ई अनिल कुमार यादव, सफाई नायक अमित कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

विद्यालय मे समर कैंप के समापन पर प्रोग्रामो का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी- ग्राम फरधनिया के एस.डी. इंटरनेशनल स्कूल मे न्यू चिल्ड्रेन वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा आयोजित तृतीय समर कैंप के समापन समारोह का शुभारंभ समाजसेवी अरविंद पांडे ने माँ सरस्वती के चित्र पर पूजन अर्चन करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक राजेश वर्मा ने की विशिष्ट अतिथि आलोक तिवारी मनोज वर्मा पूनम बंसल महेंद्र वर्मा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि अरविंद पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि समर कैम्प में छात्र आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनते है और किसी न किसी विधा में परिपक्व हो जाते है। समापन समारोह में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में सफल अभिनय करके मन्त्र मुग्ध कर दिया विशिष्ट अतिथि आलोक तिवारी एवं मनोज वर्मा ने समर कैंप के प्रशिक्षक छवपाल वर्मा रिशु राज उपेंद्र पटेल एवं योगवती वर्मा द्वारा दिए गए प्रशिक्षण की सराहना की उन्होंने कहा समर कैंप की सफलता मे अभिभावक बंधु एवं प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं सहित प्रशिक्षक प्रशिक्षकाओं का विशेष योगदान है। समर कैंप के समापन समारोह मे प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष राजेश वर्मा ने मुख्य अतिथि एवं समस्त अतिथियो के प्रति आभार व्यक्त किया।

.बरेली केंद्रीय कारागार से चकमा देकर भागा कैदी, सात कर्मचारी निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। इज्जतनगर स्थित केंद्रीय कारागार से सोमवार दोपहर एक उम्र कैदी के फरार होने से जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घटना ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी सक्रिय हो गए। फरार कैदी की पहचान दिनेश पुत्र अरविंद निवासी नेनेडा राजपूत, थाना डिडोली, जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। दिनेश को बिजनौर के एक पॉक्सो एक्ट मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। वह पिछले छह वर्षों से बरेली केंद्रीय कारागार में बंद था और सजा काट रहा था। दिनेश को विशेष पर्ची के आधार पर जेल से बाहर निकाला गया था। उससे पहले 12 अन्य बंदियों को भी कार्य के लिए बाहर ले जाया गया था। इसी दौरान दिनेश ने मौका देखकर सुरक्षा कर्मियों को चकमा दिया और वहां से फरार हो गया। काफी देर तक उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर अधिकारियों के होश उड़ गए।

सूचना मिलते ही पहुंचे डीएम और एसएसपी

घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी अविनाश सिंह, एसएसपी अनुराग आर्य समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी केंद्रीय कारागार पहुंचे। अधिकारियों ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक की समीक्षा की। साथ ही जिम्मेदार कर्मचारियों की भूमिका की जांच के निर्देश दिए गए। कैदी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस सर्विलांस, स्थानीय नेटवर्क और अन्य तकनीकी माध्यमों की मदद से फरार कैदी की तलाश में जुटी है। आसपास के जिलों की पुलिस को भी अलर्ट कर दिया गया है।

लापरवाही पर सात कर्मचारी निलंबित

सेंट्रल जेल के वरिष्ठ अधीक्षक अविनाश ने प्रथम दृष्टया लापरवाही मानते हुए जेल वार्डर विशंभर सिंह, अर्जुन प्रसाद, गेंदनलाल, मुकेश कुमार और मोहित कुमार को निलंबित कर दिया है। इसके अलावा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी विजय कुमार और यशपाल के खिलाफ भी निलंबन की कार्रवाई की गई है। जेल प्रशासन ने पूरे मामले की विभागीय जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फरार कैदी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं सुरक्षा में चूक के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने फिरोजाबाद को दी 658 करोड़ की 81 विकास परियोजनाओं की सौगात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

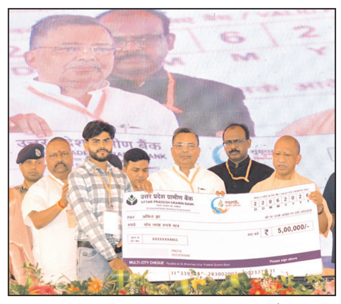

फिरोजाबाद/टूण्डला – सुहाग नगरी की पावन धरा उस समय गौरवान्वित हो उठी, जब उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनपद में आगमन हुआ। कांच उद्योग और चूड़ी निर्माण के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध फिरोजाबाद की जनता ने मुख्यमंत्री का भव्य एवं गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद की टूण्डला तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत उसायनी में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए जनपद को 658 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 81 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने बटन दबाकर इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपीं तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र, चेक एवं उपकरण वितरित किए। शिकोहाबाद विधानसभा क्षेत्र में 139 करोड़ रुपये की लागत से 19 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, जबकि 67 करोड़ रुपये की 22 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। वहीं टूण्डला विधानसभा क्षेत्र में 94 करोड़ रुपये की लागत से 14 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 358 करोड़ रुपये की लागत से 26 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश माफिया, गुंडों और उपद्रवियों से मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 15 करोड़ गरीबों को निःशुल्क राशन, 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवच, 65 लाख गरीबों को आवास तथा दो करोड़ परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही 15 से 16 लाख किसानों के निजी नलकूपों के बिजली बिल भी माफ किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने फिरोजाबाद के कांच उद्योग की सराहना करते हुए कहा कि यहां के कारीगरों और उद्यमियों ने नई तकनीकों और बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार कर चीन जैसे देशों को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद के उत्पाद आज 'लोकल से ग्लोबल' की यात्रा तय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि होली, दीपावली, विजयदशमी और अन्य पर्वों पर चीनी उत्पादों के स्थान पर अब फिरोजाबाद में निर्मित भगवान गणेश, रामदरबार, राधा-कृष्ण, बुद्ध और भगवान शिव की कांच की प्रतिमाएं देश और विदेश में लोकप्रिय हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने जनपद में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा स्थापित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सनातन धर्म के पुनरोद्धार में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने बताया कि औरैया मेडिकल कॉलेज का नाम भी माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था में सुधार, 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' योजना तथा अयोध्या, काशी और मथुरा-वृंदावन के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के कारण उत्तर प्रदेश आज दुनिया भर के आकर्षण का केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के छापों से उद्योगपति और व्यापारी परेशान रहते थे, लेकिन वर्तमान सरकार ने गैस आपूर्ति सुनिश्चित कर उद्योगों को राहत दी है। साथ ही सोलर एवं बिजली आधारित भट्टियों की नई तकनीकों को बढ़ावा देकर उद्योगों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है और उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकलकर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद तेजी से पर्यटन हब के रूप में विकसित हो रहा है। सदर विधायक मनीष असीजा एवं टूण्डला विधायक प्रेमपाल धनगर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सपने को साकार किया जा रहा है। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी एवं विकास स्टॉलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर मेयर कामिनी राठौर, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष हर्षिता सुमित प्रताप सिंह, विधान परिषद सदस्य विजय शिवहरे, महानगर अध्यक्ष सतीश दिवाकर, पूर्व विधायक हरिओम यादव, ओमप्रकाश वर्मा, शिव सिंह चक, राकेश बाबू, अतुल प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

अनुशासनहीनता और सोशल मीडिया नीति उल्लंघन पर लखीमपुर खीरी में चार पुलिसकर्मी निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पुलिस विभाग में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। कार्रवाई की जद में आए पुलिसकर्मियों में थाना पलिया के उपनिरीक्षक अरविंद कुमार वर्मा, थाना खीरी के आरक्षी इन्द्रपाल सिंह, महिला थाना खीरी की महिला आरक्षी अर्चना यादव तथा सैनिक/कवच सेल के प्रभारी निरीक्षक असलम अली शामिल हैं। आरोप है कि उपनिरीक्षक अरविंद कुमार वर्मा और आरक्षी इन्द्रपाल सिंह अवकाश समाप्त होने के बाद बिना सूचना के ड्यूटी से अनुपस्थित रहे। वहीं महिला आरक्षी अर्चना यादव द्वारा पुलिस वर्दी में सोशल मीडिया पर रील अपलोड कर विभागीय सोशल मीडिया नीति-2023 का उल्लंघन किया गया। दूसरी ओर निरीक्षक असलम अली द्वारा पुलिस विभाग से संबंधित एक अपुष्ट एवं भ्रामक खबर व्हाट्सएप ग्रुप में प्रसारित किए जाने का मामला सामने आया। इन सभी मामलों को गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए पुलिस अधीक्षक ने चारों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच बैठा दी है। साथ ही जनपद के सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चेतावनी दी गई है कि कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा सोशल मीडिया नीति के उल्लंघन पर भविष्य में भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सिकंदराबाद चौकी पर एक महीने से नहीं है कोई इंचार्ज

गोला गोकर्णनाथ खीरी– नीमगाँव थाना के सिकंदराबाद चौकी पर चौकी प्रभारी के स्थानांतरण के एक महीने बाद भी नई तैनाती अभी तक नहीं हो पायी है। विगत 20 मई को हुए स्थानांतरण मे चौकी प्रभारी बृजेश कुमार सिंह का तबादला ईसानगर थाना अध्यक्ष के पद पर हुआ था, जिसके बाद से चौकी प्रभारी का पद खाली चल रहा है, जबकि कुछ दिनो मे बाद मोहर्रम का त्यौहार भी है, जिसमे रायपुर और सिकंदराबाद मे ताजियो का विशाल मेला का आयोजन भी होता है। सिकंदराबाद चौकी पर इंचार्ज ना होने से कानून व्यवस्था प्रभावित होती है। इस लिए कस्बा सिकंदराबाद सहित अन्य लोगो ने चौकी इंचार्ज की तैनाती की मांग की है। हालांकि कार्यवाहक के रूप मे नीमगाँव थाना से उप निरीक्षक पटेल राठी चौकी पर रह कर कार्य भार देखते है।

सीओ यादवेंद्र यादव के नेतृत्व में पुलिस व्यवस्था हुई मजबूत, अपराध नियंत्रण में मिली सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मितौली। क्षेत्राधिकारी (सीओ) यादवेंद्र यादव के कार्यभार संभालने के बाद मितौली क्षेत्र की कानून व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उनके नेतृत्व में क्षेत्र के तीनों थानों की पुलिस टीम ने अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था और जनसुनवाई को प्राथमिकता देते हुए प्रभावी कार्य किया है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि सीओ यादवेंद्र यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारियों द्वारा अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की गई है, जिससे अपराध पर अंकुश लगाने में सफलता मिली है। साथ ही पुलिस की सक्रियता बढ़ने से आम जनता में सुरक्षा का विश्वास भी मजबूत हुआ है। पुलिस द्वारा समय-समय पर चलाए जा रहे अभियान, अपराधियों की धरपकड़, महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम और जनसुनवाई के माध्यम से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को सकारात्मक सफलता मिल रही है। स्थानीय नागरिकों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी इसी तरह सक्रिय पुलिसिंग जारी रहेगी और क्षेत्र में अपराध मुक्त वातावरण स्थापित करने की दिशा में प्रयास और तेज होंगे।

मितौली में कथित फर्जी अस्पताल का खेल! मरीजों को गुमराह कर भर्ती कराने के आरोप

मितौली खीरी– मितौली कस्बे में स्थित न्यू जनसेवा हॉस्पिटल भवन में कथित रूप से अवैध तरीके से अस्पताल संचालन किए जाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार क्षेत्र में कुछ लोगों को दलाल के रूप में लगाकर मरीजों और उनके परिजनों को बहला-फुसलाकर अस्पताल में भर्ती कराया जाता है। आरोप है कि अस्पताल के संचालन, पंजीकरण और चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मरीजों के साथ धोखाधड़ी और नियमों की अनदेखी किए जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे मामले से जुड़े कुछ वीडियो और ऑडियो साक्ष्य भी सामने आए हैं, जिनके वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन में हड़कंप मच सकता है। यदि आरोप सही पाए गए तो संबंधित जिम्मेदारों पर बड़ी कार्रवाई होना तय माना जा रहा है।यदि आरोप सही पाए गए तो संबंधित जिम्मेदारों पर बड़ी कार्रवाई होना तय माना जा रहा है।

हर्बल क्लिनिक की आड़ में बेखौफ चल रहा टी.एस आर हर्बल हॉस्पिटल

● अली गंज कस्बा में संचालित अवैध अस्पताल की सी. एम. पोर्टल पर शिकायत, जांच और कार्रवाई की मांग

आखिर किसके संरक्षण में चल रहा मानकों विपरीत टी.एस. आर. अस्पताल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी– शासन और प्रशासन की लाख कोशिशों के बावजूद फर्जी, गैर पंजीकृत और मानक विहीन अस्पतालों पर प्रभावी रोक लगती नजर नहीं आ रही है।सूत्र बताते हैं कि अवैध तरीके से संचालित अस्पतालों पर सी एच सी अधीक्षक की नरमी के चलते यह अवैध तरीके से चल रहे अस्पतालों के संचालकों के दिल से प्रशासन का खौफ निकल गया है।जो बेखौफ होकर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है इतना ही नहीं इस अस्पताल में मरीजों की जेबों पर भी डाका डाला जा रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण कस्बा अली गंज में चल रहे टी एस आर हर्बल क्लिनिक की आड़ में चल रहे मानक विहीन अस्पताल है।सूत्रों के मुताबिक इस अस्पताल में न तो कोई वैध डॉक्टर है और न ही प्रशिक्षित पैरा स्टॉफ ही है यह अस्पताल पंजीकृत भी नहीं है इसके बावजूद धड़ल्ले से मरीजों को भर्ती करके बेहतर चिकित्सा व्यवस्था के नाम मौत के मुह में धकेला जा रहा है।उपरोक्त मामले पर सी एच सी अधीक्षक बांके गंज डॉक्टर अमित सिंह से बातचीत की गई तो डॉक्टर साहब ने कहा आप हमको सारी डिटेल्स और लोकेशन भेज दो मैं मामले को दिखाता हूं।लकिन आज चार दिन बाद

भी डॉक्टर अमित सिंह साहिब को शायद समय नहीं मिल सका।विभागीय अधिकारियों की चुप्पी और लापरवाही पूर्ण कार्य प्रणाली से आहत शिकायत कर्ता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराते हुए अवैध तरीके से संचालित टी.एस. आर हर्बल क्लिनिक की आड़ में बेखौफ चल रहे अस्पताल की जाँच कराए जाने तथा आरोपों की पुष्टि होने पर उक्त अस्पताल को सीज किए जाने की मांग की गई है। मामले पर अधीक्षक सी एच सी बांके गंज का कहना है कि आप सारी डिटेल्स लिख कर भेज दो मैं जाँच करवा लेता हूं डॉक्टर अमित सिंह अधीक्षक।

संक्षिप्त खबरें

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निरीक्षण में मिली अनियमितता, दो कर्मियों का वेतन रोका

भदोही। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सोमवार को वारी प्रथम एवं वारी द्वितीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि वहां तैनात रितु बिंद एवं कौशल्या देवी मुख्यालय पर निवास नहीं कर रही हैं तथा प्रसव सेवाओं के संचालन में अपेक्षित रूप से कार्य नहीं कर रही हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दोनों कर्मियों का जून 2026 का वेतन अग्रिम आदेश तक बाधित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोनों कर्मचारी मुख्यालय पर निवास करते हुए प्रसव सेवाओं का नियमित संचालन सुनिश्चित नहीं करेंगी, तब तक उनका वेतन जारी नहीं किया जाएगा। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावां का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी, एमएनसीयू/एनबीएसयू, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र तथा औषधि भंडार कक्ष की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

अवैध खनन मामले में सात ट्रैक्टर स्वामियों पर केस दर्ज

पुलिस को देख भागे चालक, सात ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज

गोपीगंज। अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गोपीगंज पुलिस ने सात ट्रैक्टर-ट्रालियों को पकड़ने के बाद उनके स्वामियों व चालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार सरकारी कार्य में बाधा डालने, आदेश की अवहेलना करने और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर भागने के आरोप में कार्रवाई की गई है।उपनिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद ने दर्ज कराई गई तहरीर में बताया कि 19 जून को पुलिस टीम क्षेत्र में अवैध खनन की रोकथाम के लिए भ्रमण कर रही थी। इसी दौरान ग्राम पूरवा में कुछ ट्रैक्टर-ट्रालियां मिट्टी लादकर ले जाती दिखाई दीं। पुलिस द्वारा रोककर पूछताछ करने का प्रयास किया गया तो चालक तेज गति से वाहन लेकर भागने लगे। बाद में सभी चालक ट्रैक्टर-ट्रालियां छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से सात ट्रैक्टर-ट्रालियों को कब्जे में लेकर खनन विभाग को सूचना दी। खनन विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई किए जाने के बाद वाहनों को थाने लाकर मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया। जांच में वाहन स्वामियों की पहचान मूलचंद निवासी इनारगांव, सुलेन्दर निवासी दानीपट्टी डुहिया, रामकैलाश निवासी इनारगांव, रामानंद निवासी छतमी खास, कमलाशंकर यादव निवासी पूरवा सेमराध तरी, राजकुमार यादव निवासी जगनन्दनपट्टी तथा मनोज कुमार निवासी इनारगांव के रूप में हुई। पुलिस ने गहन जांच और स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद पाया कि सभी चालक पुलिस को देखकर तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए भाग गए तथा सरकारी कार्य में बाधा डाली। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 221 और 223 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

लक्ष्मी विश्वकर्मा हत्याकांड के खुलासे की मांग, समाजसेवी राहुल सिंह ने उठाए सवाल

भदोही। चर्चित लक्ष्मी विश्वकर्मा हत्याकांड के खुलासे की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। समाजसेवी राहुल सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। राहुल सिंह ने अपने पोस्ट में कहा कि घटना को लगभग दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन अब तक मामले का खुलासा नहीं हो सका है। उन्होंने पुलिस जांच की प्रगति पर सवाल उठाते हुए मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर जांच कराने की मांग की है। उन्होंने हाल में सामने आए कथित किडनी रैकेट के मामलों का उल्लेख करते हुए आशंका जताई कि इस मामले के विभिन्न पहलुओं की भी गहन जांच की जानी चाहिए। साथ ही कहा कि दोषियों की गिरफ्तारी कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए। सोशल मीडिया पर किए गए इस पोस्ट के बाद मामले को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है।

ऑपरेशन दहन के तहत 1.63 करोड़ के मादक पदार्थ नष्ट

● 316 किलो से अधिक गांजा और डायजापाम का कराया गया विनिष्टीकरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन दहन' अभियान के तहत भदोही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न थानों में बरामद अवैध मादक पदार्थों का नियमानुसार विनिष्टीकरण कराया। जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (डीडीसी) की देखरेख में कुल 316.465 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 63 लाख 40 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की अध्यक्षता वाली जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी द्वारा यह कार्रवाई की गई। नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 316.400 किलोग्राम गांजा तथा 65 ग्राम डायजापाम शामिल है। यह माल जनपद के पांच थानों सुरियावां, ऊंज, भदोही, ज्ञानपुर और दुर्गागंज में दर्ज कुल 10 अभियोगों से संबंधित था। न्यायालय के आदेश एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप सोमवार को प्रयागराज जनपद के थाना हंडिया क्षेत्र स्थित धानूपुर में 'संगम मेडिसर्व प्राइवेट लिमिटेड' के इन्सिनेटर के माध्यम से मादक पदार्थों का विनिष्टीकरण कराया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने बताया कि मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। ड्रग डिस्पोजल कमेटी में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल एवं क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर चमन सिंह चावड़ा सदस्य के रूप में शामिल रहे।

मंडी लाइसेंस नवीनीकरण की नई शर्तों के विरोध में उतरे व्यापारी, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

● गारंटर और अतिरिक्त दस्तावेजों की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग, छोटे व्यापारियों ने बताई बड़ी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। कृषि उत्पादन मंडी समिति द्वारा मंडी लाइसेंस नवीनीकरण के लिए लागू की गई नई शर्तों के विरोध में सोमवार को फल एवं सब्जी व्यापारियों ने आवाज बुलंद की। फल एवं सब्जी व्यापारी कल्याण समिति के बैनर तले व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम एवं मंडी समिति सभापति को ज्ञापन सौंपकर नई व्यवस्था को व्यापारियों के हितों के खिलाफ बताते हुए इसमें तत्काल संशोधन की मांग की। समिति अध्यक्ष मोहम्मद जमा राइन एवं महामंत्री रघुवीर कुशवाहा ने ज्ञापन में बताया कि मंडी समिति द्वारा हाल ही में लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया में कई नई शर्तें जोड़ दी गई हैं। इन नियमों के कारण विशेष रूप से छोटे और मध्यम वर्ग के व्यापारियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों के अनुसार लाइसेंस नवीनीकरण के लिए अब दो नए गारंटरों के शपथ पत्र, आधार कार्ड सहित विभिन्न दस्तावेजों को अनिवार्य कर दिया गया है। उनका कहना है कि इन अतिरिक्त औपचारिकताओं से छोटे दुकानदारों पर अनावश्यक आर्थिक और प्रशासनिक बोझ बढ़ गया है। कई व्यापारियों को गारंटर ढूंढने और दस्तावेज तैयार कराने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे नवीनीकरण प्रक्रिया जटिल हो गई है। ज्ञापन में मांग की गई कि यदि मंडी परिषद के निर्देशों के अंतर्गत लाइसेंस नवीनीकरण किया जाना है तो पहले से दर्ज गारंटरों को ही मान्य माना जाए तथा नए गारंटरों की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए। व्यापारियों का कहना है कि इससे न केवल प्रक्रिया सरल होगी बल्कि समय और धन की भी बचत होगी। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि फल एवं सब्जी व्यापार मुख्य रूप से छोटे कारोबारियों पर आधारित है और अत्यधिक कागजी प्रक्रिया उनके लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। इसलिए प्रशासन व्यापारियों की व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शीघ्र उचित निर्णय ले। इस दौरान समिति कोषाध्यक्ष मो.शफीक मंसूरी, करीम पप्पू राईन, विनय कुमार, महेश कुमार, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद आसिफ राईन, वीरेंद्र कुशवाहा, मो.इस्लाम, मो.कदीर, इरशाद राईन, अभिषेक कुशवाहा, मोहम्मद असीम, मोहम्मद इकराम, निसार, नासिर राईन सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे।

450 वर्ष पुराने श्री राम-जानकी मंदिर की भूमि पर कब्जे और अवैध खनन का आरोप

● जाखलौन क्षेत्र के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल को बचाने की गुहार, भू-माफियाओं पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जलललितपुर। थाना जाखलौन क्षेत्र के सुमेरगढ़ पहाड़ पर स्थित लगभग 450 वर्ष पुराने ऐतिहासिक श्री राम-जानकी मंदिर की भूमि पर कथित अवैध कब्जे, अवैध खेती और पत्थरों के अवैध खनन का मामला सामने आया है। मंदिर के पुजारी एवं प्रबंधक महंत श्रीविश्राम दासजी महाराज ने जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को शिकायती पत्र भेजकर मंदिर की संपत्ति की सुरक्षा तथा आरोपित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। महंत विश्राम दास ने अपने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि मंदिर की प्राचीन धार्मिक भूमि पर कुछ लोगों द्वारा लगातार अतिक्रमण और कब्जे के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस संबंध में पूर्व में सक्षम न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी किए जा चुके हैं तथा प्रशासनिक स्तर पर भी संबंधित गतिविधियों को रोकने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद कथित रूप से अवैध गतिविधियां जारी हैं। महंत के अनुसार मंदिर परिसर और उससे जुड़ी भूमि पर पत्थरों की कटाई एवं खनन का कार्य किया जा रहा है, जिससे मंदिर की ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहर को नुकसान पहुंचने की आशंका है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंदिर की भूमि पर अवैध रूप से खेती की जा रही है, जिससे मंदिर की संपत्ति पर अतिक्रमण बढ़ रहा है। शिकायत में कहा गया है कि इन गतिविधियों के चलते स्थानीय श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। महंत द्वारा सौंपे गए पत्र में कई व्यक्तियों के नामों का उल्लेख करते हुए प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही मंदिर की भूमि का सीमांकन कराकर उसे अतिक्रमण मुक्त कराने की भी अपील की गई है। मंदिर प्रबंधन ने प्रशासन से मांग की है कि मंदिर की भूमि पर हो रही कथित अवैध खेती को तत्काल रोका जाए, अवैध खनन और पत्थर कटाई की गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए तथा न्यायालय और प्रशासनिक आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाए। इसके अलावा मंदिर की संपूर्ण भूमि का राजस्व विभाग से सीमांकन कराकर उसे सुरक्षित कराया जाए तथा भविष्य में किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या विवाद को रोकने के लिए आवश्यक पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। महंत विश्राम दास ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व वाले इस प्राचीन मंदिर की भूमि और धरोहर की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

जलापूर्ति को लेकर डीएम ने लाइन विभागों के अधिकारियों के साथ की बैठक

● अमृत 2.0 के अंतर्गत खोदी गई सड़कों की मरम्मत के लिए दिया एक हफ्ते का अल्टीमेटम

●सड़कों के मरम्मत कार्य को खराब करने वालों के विरुद्ध होगी एफआईआर : डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति एवं जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप लाइन डाले जाने के दौरान काटी गई सड़कों, गलियों की मरम्मत कराये जाने को लेकर सोमवार को कैम्प कार्यालय पर जल निगम, जल संस्थान, विद्युत विभाग एवं नगर पालिका के अधिकारियों के साथ बैठक की और अभियान चलाकर एक सप्ताह के भीतर रोड रेस्टरेशन में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं में अवशेष रोड रेस्टोरेशन एवं पेयजल आपूर्ति सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा करते हुए जल निगम ग्रामीण को निर्देशित किया कि सभी लंबित रोड रेस्टोरेशन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही अमृत-2.0 के अन्तर्गत खोदी गयी सड़कों की मरम्मत एक सप्ताह में पूर्ण करने के लिए भी निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान संज्ञान में लाया गया जिन सड़कों की मरम्मत की जा रही है, उन पर लोग गीले सीमेन्ट पर से अपने वाहन निकालकर रोड खराब कर रहे हैं, इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जिस स्थान पर कार्य हो रहा है, वहां रोड को सीमेन्ट सूखने तक सील किया जाए और यदि फिर भी कोई जबरन वाहन निकालकर मरम्मत कार्य को खराब करता है तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करायी जाए। बैठक में एडीएम नमामि गंगे संजय मिश्रा, अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान मुंशीलाल, अधिशासी अभियंता हाइडिल विशाल सिंह, ईओ दिनेश कुमार विश्वकर्मा, सहायक अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) अरुण कुमार बौद्ध, सहायक अभियंता (नगरीय) अवनीश मिश्रा, सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विंध्याचल धाम में पत्रकार से बदसलूकी और मारपीट, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन में भारी आक्रोश; जिलाध्यक्ष अजय ओझा ने की सख्त कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। आस्था के वैश्विक केंद्र सुप्रसिद्ध विंध्याचल धाम में मां विंध्यवासिनी के मंदिर परिसर से एक बेहद शर्मनाक और निंदनीय मामला प्रकाश में आया है। यहाँ कर्तव्य पालन और दर्शन के दौरान पत्रकार रामलाल साहनी के साथ वहां तैनात एक पुलिसकर्मी द्वारा कथित रूप से अभद्र व्यवहार और मारपीट की गई। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हुए इस सीधे हमले के बाद पूरे जिले के मीडिया जगत में भारी उबाल है। इस घटना को लेकर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मीरजापुर के जिलाध्यक्ष अजय ओझा ने कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस प्रशासन के खिलाफ तीखा विरोध दर्ज कराया है और दोषी के खिलाफ आर-पार की कार्रवाई की मांग की है। रक्षक ही बना भक्षक, मंदिर परिसर में पत्रकार से दुर्व्यवहार विंध्याचल मंदिर परिसर में हुई इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित पत्रकार रामलाल साहनी के साथ हुई इस बर्बरता पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अजय ओझा ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है। अजय ओझा ने दो टूक शब्दों में कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील है। जनता की आवाज उठाने वाले पत्रकारों के साथ इस तरह की अभद्रता, गाली-गलौज और हिंसा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं की जा सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि पत्रकारों के सम्मान से खिलवाड़ संगठन कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। सिर्फ लाइन हाजिर करना महज औपचारिकता, राजपत्रित अधिकारी से हो जांच अजय ओझा ने जिला पुलिस प्रशासन के ढुलमुल रवैये पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में संबंधित पुलिसकर्मी को केवल लाइन हाजिर कर देना पर्याप्त नहीं है। यह अक्सर केवल मामले को शांत करने की एक विभागीय औपचारिकता बनकर रह जाता है। एसोसिएशन ने पुरजोर मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच किसी राजपत्रित पुलिस अधिकारी (सीओ स्तर) से कराई जानी चाहिए। जांच के बाद दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ ऐसी कठोर विभागीय और दंडात्मक कार्रवाई की जाए, जो भविष्य के लिए एक नजीर बने। भक्तों के विश्वास और पत्रकारों की सुरक्षा पर उठने लगे सवाल ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन का मानना है कि विंध्याचल धाम जैसी परम पवित्र जगह पर, जहां रोजाना देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु आते हैं, वहां पुलिस का ऐसा हिंसक चेहरा बेहद चिंताजनक है। यदि रक्षक ही मर्यादा भूलकर इस तरह का आचरण करेंगे, तो आम जन और मां के भक्तों का कानून-व्यवस्था से विश्वास उठ जाएगा। इसके साथ ही एसोसिएशन ने जिला पुलिस प्रशासन को चेताया है कि जिले के सभी पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाए। संगठन ने साफ कहा कि भविष्य में ऐसी किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए, अन्यथा पत्रकार समाज चुप नहीं बैठेगा और इसके खिलाफ व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

बसपा ने संगठन मजबूती को लेकर बनाई रणनीति

● जमालपुर व असऊपुरा में समीक्षा बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। बहुजन समाज पार्टी ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से सेक्टर-14 जमालपुर के ग्राम असऊपुरा में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा की। मुख्य अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी रामबाबू चिरगईया तथा विशिष्ट अतिथि बसपा जिलाध्यक्ष जानकी प्रसाद बौद्ध उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य मंडल प्रभारी रामबाबू चिरगईया ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी सदैव सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की विचारधारा पर कार्य करती रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह सेक्टर एवं बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर जनता से सीधा संवाद स्थापित करें तथा पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएं। जिलाध्यक्ष जानकी प्रसाद बौद्ध ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है और आने वाले समय में कार्यकर्ताओं की सक्रियता एवं जनसंपर्क अभियान पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैठक में मंडल प्रभारी दीपक कुमार, जिला महामंत्री छोटे लाल प्रजापति, जिला कार्यकारिणी सदस्य हरिराम श्रीवास तथा विधानसभा प्रभारी देवेंद्र अहिरवार सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने संगठन विस्तार एवं बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। कार्यक्रम की व्यवस्था एवं संचालन की जिम्मेदारी सेक्टर अध्यक्ष इमारत अहिरवार ने संभाली। उन्होंने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेक्टर-14 के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे।

योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, तभी मिलेगा स्वस्थ जीवन : प्रीति शुक्ला

● अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सैडो पॉवर ग्रुप ने कराया योग, प्राणायाम एवं ध्यान सत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सैडो पॉवर ग्रुप द्वारा आयोजित विशेष योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभागियों को नियमित योग करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में योग, प्राणायाम, ध्यान एवं प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। सैडो पॉवर ग्रुप की निदेशक प्रीति शुक्ला ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग है। उन्होंने कहा कि यदि हमें वृद्धावस्था में भी स्वस्थ और सक्रिय रहना है तो योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज भी अनेक लोग योग के महत्व को समझने के बावजूद उसे नियमित रूप से नहीं अपनाते हैं। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति, सकारात्मकता और प्रसन्नता भी प्रदान करता है। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को योग एवं प्राणायाम का अभ्यास भी कराया। संस्थापक एवं योगाचार्य अनुराग चतुर्वेदी ने प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानव शरीर पंचतत्व मिट्टी, अग्नि, वायु, जल और आकाश से निर्मित है। जब इन तत्वों का संतुलन बिगड़ता है तो शरीर में विभिन्न रोग उत्पन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से इन्हीं तत्वों के संतुलन को पुनः स्थापित कर बिना दवाइयों के भी स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। उन्होंने ध्यान की विभिन्न विधियों की जानकारी देते हुए योग निद्रा एवं ध्यान का अभ्यास भी कराया। कार्यक्रम में सैडो पॉवर ग्रुप के उपाध्यक्ष मुकेश साहू एड. ने प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार एक ऐसा योगाभ्यास है जिससे पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है और शरीर ऊर्जावान बना रहता है। वहीं, मीडिया प्रभारी परशुराम साहू ने सूक्ष्म व्यायाम के लाभों की जानकारी दी और कहा कि नियमित सूक्ष्म व्यायाम से शरीर की कार्यक्षमता बढ़ती है तथा कई शारीरिक समस्याओं से बचाव होता है। अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। योग, प्राणायाम और ध्यान के इस आयोजन में बड़ी संख्या में योग साधक-साधिकाओं ने भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

भीषण गर्मी में राहत 1.74 लाख लोगों तक पहुंचा पेयजल, 591 खराब हैंडपम्प हुए दुरुस्त

●जल संकट से निपटने के लिए प्रशासन और जल संस्थान की मुहिम तेज 59 टैंकर ट्रिप से भी हुई मुफ्त जलापूर्ति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। भीषण गर्मी और लगातार गिरते भूजल स्तर के बीच जनपद में पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और जल संस्थान युद्धस्तर पर कार्य कर रहे हैं। जिलाधिकारी के निर्देशन एवं जल संस्थान के अधिशासी अभियंता के नेतृत्व में नगर के विभिन्न वार्डों और जल संकट प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्ट्रेट स्थित आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष के माध्यम से आमजन से लगातार फीडबैक लिया जा रहा है। प्राप्त प्रतिक्रियाओं के अनुसार पहले की तुलना में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है, जिससे लोगों को गर्मी के इस कठिन दौर में राहत मिल रही है। जल संस्थान द्वारा नगर पालिका परिषद के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 46 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) पानी की आपूर्ति की गई, जिससे करीब 1.74 लाख लोगों को लाभ मिला। विभागीय आंकड़ों के अनुसार नगर के 26 वार्डों में पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से 45 एमएलडी पानी पहुंचाया गया। इसके अतिरिक्त सात नलकूपों और दो खुले कुओं के माध्यम से एक एमएलडी अतिरिक्त जलापूर्ति कर लगभग पांच हजार लोगों तक पानी पहुंचाया गया। जल संकट से प्रभावित और पाइपलाइन विहीन बस्तियों में जल संस्थान द्वारा मुफ्त टैंकर सेवा संचालित की गई। विभाग ने कुल 59 टैंकर ट्रिप लगाकर लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया। सबसे अधिक टैंकर ट्रिप खिरकापुरा एवं कांशीराम कॉलोनी क्षेत्र में लगाए गए, जहां 8 ट्रिप किए गए। इसके अलावा विष्णुपुरा, सिविल लाइन, गांधीनगर और आजादपुरा सहित कई क्षेत्रों में नियमित रूप से टैंकर भेजे गए। विभाग ने ऊंचाई वाले इलाकों और जलापूर्ति से वंचित बस्तियों को प्राथमिकता देते हुए पानी उपलब्ध कराया। नगर पालिका परिषद द्वारा उपलब्ध कराई गई 196 खराब हैंडपंपों की सूची तथा कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों के आधार पर जल संस्थान ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 591 खराब हैंडपंपों को दुरुस्त कर दिया है। वर्तमान में जनपद में 1224 हैंडपम्प पूरी तरह क्रियाशील हैं। शेष खराब हैंडपम्पों की मरम्मत का कार्य भी तेजी से जारी है ताकि किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट उत्पन्न न होने पाए। जनता की पेयजल संबंधी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए कलेक्ट्रेट स्थित जिला इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष) में 24 घंटे कंट्रोल रूम संचालित किया जा रहा है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि पेयजल संबंधी किसी भी समस्या की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम को दें, जिससे समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके। प्रशासन का कहना है कि भीषण गर्मी के दौरान जिले के प्रत्येक नागरिक तक पर्याप्त पेयजल पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी संबंधित विभाग लगातार समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

निर्माणाधीन मकान से 11 हजार रुपये का सरिया चोरी, ग्रामीणों ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ा

नैनी, प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र स्थित सरस्वती हाईटेक सिटी में निर्माणाधीन मकान से बीती रात भारी मात्रा में सरिया चोरी करने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सतर्कता और तत्परता से एक आरोपी को चोरी के माल और परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे रिक्शे सहित मौके पर ही पकड़ लिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, एडा कॉलोनी नैनी निवासी अनूप कुमार (पुत्र महादेव प्रसाद) का मकान निर्माण कार्य सरस्वती हाईटेक सिटी के प्लॉट संख्या C-142 पर चल रहा है। निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री प्लॉट के बाहर रखी गई थी।बताया गया कि 21 जून 2026 की सुबह करीब तीन बजे स्थानीय ग्रामीणों ने अनूप कुमार को सूचना दी कि उनके प्लॉट से टाटा कंपनी का सरिया चोरी किया जा रहा है और एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया गया है।सूचना मिलने पर अनूप कुमार अपने भाई आनंद कुमार के साथ मौके पर पहुंचे। वहां एक रिक्शा (संख्या UP 70NT8724) खड़ा मिला, जिस पर 12 एमएम मोटाई के 12 पीस टाटा सरिया लदे हुए थे। बरामद सरिए का कुल वजन लगभग एक क्विंटल (100 किलोग्राम) बताया गया है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 11 हजार रुपये है।पकड़े गए व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम सुशील कुमार सोनी (पुत्र शेषमणि सोनी), निवासी सड़वा कॉलोनी, प्रयागराज बताया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि चोरी की घटना में आरोपी के साथ अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं।ग्रामीणों और पीड़ित पक्ष ने आरोपी को चोरी के सरिए और रिक्शे सहित औद्योगिक क्षेत्र थाने पहुंचाया। पीड़ित पक्ष की ओर से आनंद कुमार ने लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा अन्य संभावित आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नाबालिग को भगाने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ीं

प्रयागराज। थाना सरायममरेज पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ साक्ष्यों एवं पीड़िता के बयान के आधार पर गंभीर धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार थाना सरायममरेज में मुकदमा अपराध संख्या 108/2026 धारा 137(2)/87 भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया था। मुकदमा वादी द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया था कि उसकी नाबालिग पुत्री को गांव का ही युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में थाना सरायममरेज पुलिस टीम ने रविवार को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त जयसिंह उर्फ सोनू पुत्र सुरेश कुमार वैस, निवासी ग्राम दुधरा, थाना सरायममरेज, कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना क्षेत्र के ग्राम मोहिउद्दीनपुर स्थित नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच के दौरान पीड़िता के बयान एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में धारा 64(2)(एम) भारतीय न्याय संहिता तथा 5/6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त की उम्र लगभग 20 वर्ष बताई जा रही है।

नियमित योगाभ्यास स्वस्थ एवं तनावमुक्त जीवन की कुंजी

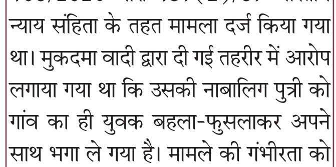

ब्यूरो प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इफको फूलपुर के आर. कृष्णन स्टेडियम में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आर्ट ऑफ लिविंग, प्रयागराज के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों एवं बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आर्ट ऑफ लिविंग, प्रयागराज के योग प्रशिक्षक संवित मिश्रा के निर्देशन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। उन्होंने योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए नियमित योगाभ्यास को स्वस्थ एवं तनावमुक्त जीवन की कुंजी बताया। कार्यक्रम में इफको फूलपुर की टीम का नेतृत्व वरिष्ठ महाप्रबंधक (उत्पादन) श्री संजय भंडारी ने किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक पी. के. पटेल एवं अरुण कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक शैलेश शेरकर, संजय कुमार अग्रवाल, आशीष कुमार, कार्मिक एवं प्रशासन विभाग के प्रमुख शंभू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के महामंत्री स्वयं प्रकाश, सुरक्षा प्रमुख कर्नल. एस. सेंगर सहित डी. के. शुक्ला, कपिलदेव, सी. बी. सिंह, श पी. सी. मिश्रा, बलवंत यादव एवं माणिक चन्द्र ने सक्रिय रूप से सहभागिता की।

सीएम योगी को SIT ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बड़ी जानकारी सामने आई है. एसआईटी ने अपनी जांच पूरी कर सीएम योगी आदित्यनाथ को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप दी है. अब सीएम योगी इस रिपोर्ट को देखेंगे और इसके बाद एक्शन शुरू होगा. माना जा रहा है कि जल्द ही इस मामले में कड़ी कार्रवाई हो सकती है. मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध के बाद 13 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की गई थी। सीएम से मिलने के लिए आने से पहले एसआईटी ने मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और मंदिर से जुड़े लोगों को अयोध्या न छोड़ने का निर्देश दिया है. ट्रस्ट में अनिल मिश्रा और गोपाल राव की भूमिका जांच के दायरे में है। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि अयोध्या को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर संदेह जताया जा रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) सच्चाई सामने लाएगा। अयोध्या के मणिराम दास छावनी में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की 88 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक समारोह में आदित्यनाथ ने राम मंदिर में दान राशि के दुरुपयोग के आरोपों की एसआईटी जांच के बीच यह टिप्पणी की। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी की जांच रिपोर्ट में सामने आया है कि दान पेटी से निकाले गए नोटों की गिनती के दौरान सुरक्षा मानकों की भारी अनदेखी की जा रही थी। न तो कर्मचारियों की ठीक से चेकिंग होती थी और न ही उनके लिए कोई सख्त ड्रेस कोड लागू था। सबसे बड़ी लापरवाही यह सामने आई है कि मंदिर के पवित्र चढ़ावे को गिनने का काम निजी सिक्योरिटी एजेंसी के कर्मचारियों को ठेके पर लेकर कराया जाता था। एसआईटी की गहन जांच में यह बात प्रमुखता से सामने आई है कि रामलला के खजाने की गिनती का काम पूरी तरह से प्राइवेट कर्मचारियों के भरोसे छोड़ दिया गया था। हैरानी की बात यह है कि इन बाहरी कर्मचारियों का उचित पुलिस वेरिफिकेशन भी नहीं कराया गया था। जांच दल ने अपनी पड़ताल में पाया है कि नोट गिनने वाले कर्मचारियों के लिए कोई विशेष ड्रेस कोड निर्धारित नहीं किया गया था। आमतौर पर खजाने या बैंक की चेस्ट जैसी जगहों पर बिना जेब वाले कपड़े पहनाए जाते हैं ताकि कोई भी

व्यक्ति आसानी से चोरी न कर सके। लेकिन अयोध्या में गिनती स्थल पर ऐसा कोई नियम लागू नहीं था। इसके अलावा काम खत्म होने के बाद जब ये कर्मचारी बाहर निकलते थे तो उनकी कोई सघन तलाशी या चेकिंग भी नहीं की जाती थी। इसी घोर लापरवाही का फायदा उठाकर चंदा चोरी की इस बड़ी घटना को अंजाम दिया गया। चंदा चोरी मामले की जांच में यह भी सामने आया है कि जिस जगह पर चढ़ावे की गिनती होती थी वहां सीसीटीवी कैमरों की निगरानी भी उस स्तर की नहीं थी जैसी इतने संवेदनशील काम के लिए होनी चाहिए। अब एसआईटी इस पूरे मामले में शामिल हर एक व्यक्ति की गहराई से जांच पड़ताल कर रही है ताकि चोरी में शामिल सभी दोषियों को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे भेजा जा सके।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 140 नवदम्पत्तियों का हुआ विवाह

ब्यूरो प्रयागराज– समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत दिनांक 22.06.2026 को मेवा लाल इण्टर कालेज सोरांव में विकास खण्ड कौड़िहार के 14 जोड़ों, श्रृंग्वेरपुर धाम के 29 जोड़ों, भगवतपुर के 12 जोड़ों, सोरांव के 19 जोड़ों, होलागढ़ के 33 जोड़ों, विकास खण्ड मऊआइमा के 30 जोड़ों एवं टा0ए0 लालगोपालगंज के 03 जोड़ों सहित कुल 140 नवदम्पत्तियों का विवाह कार्यक्रम का आयोजन सकुशल सम्पन्न हुआ है, जिसमें उपस्थित सिद्वार्थ नाथ सिंह विधायक शहर पश्चिमी, सुरेन्द्र चौधरी सदस्य विधान परिषद प्रदीप कुमार पासी ब्लाक प्रमुख सोरांव, आदि विशिष्ट अतिथियों द्वारा नव विवाहित जोड़ों को शुभाशीष प्रदान करते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। वैवाहिक कार्यक्रम में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं सम्बन्धित विकास खण्ड़ों के खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचाल नवीन चौधरी द्वारा किया गया।

सिद्ध बाबा मंदिर चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, घंटा-त्रिशूल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही (खीरी)। सिंगाहा कलां स्थित प्रसिद्ध सिद्ध बाबा मंदिर से पीतल का घंटा और त्रिशूल चोरी करने के मामले का सिंगाही पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान भी बरामद कर लिया है। न्यायालय में पेश करने के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक दिलीप कुमार चौबे ने बताया कि सिंगाहा कलां स्थित सिद्ध बाबा मंदिर से कुछ दिन पूर्व पीतल का घंटा और त्रिशूल चोरी हो गया था। घटना मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। मामले में मंदिर समिति की ओर से 19 जून को तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद दबिश देकर इंद्रेश कुमार पुत्र बाबू राम, जय प्रकाश पुत्र माता प्रसाद निवासी टांडा थाना पढ़ुआ व रोहित पुत्र जयप्रकाश निवासी खरवहिया नम्बर दो थाना पढ़ुआ समेत तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया साथ ही चोरी में प्रयुक्त मोटर साइकिल और कब्जे से चोरी किया गया धार्मिक सामान बरामद

कर लिया। आवश्यक कार्रवाई के बाद तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बरामदगी को लेकर उठे सवाल

मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बरामदगी की कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि मंदिर से चोरी किया गया घंटा और त्रिशूल एक व्यापारी को बेच दिया गया था। समिति के अनुसार पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर संबंधित दुकान से चोरी का सामान बरामद भी किया, लेकिन व्यापारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसकी सूचना निघासन क्षेत्राधिकारी शिवम कुमार को फोन के माध्यम से बता कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में चोरी का सामान खरीदने की पुष्टि हुई है तो संबंधित व्यक्ति की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए

विश्व योग दिवस पर महर्षि महेश योगी आश्रम, अरैल में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। विश्व योग दिवस के अवसर पर नैनी स्थित महर्षि महेश योगी आश्रम परिसर में वेद विद्या मार्तंड गिरीश जी के निर्देशन में सामूहिक योगाभ्यास एवं ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आश्रम के विद्वानों, आचार्यों एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।इस अवसर पर योग के महर्षि लाल बाबा जी के नेतृत्व में आश्रम परिसर में उपस्थित सभी विद्वान पंडितों ने विभिन्न योगासन एवं ध्यान का अभ्यास किया। कार्यक्रम में आश्रम प्रभारी सुनील श्रीवास्तव और आश्रम प्रभारी बसंत दास ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ एवं सुखी जीवन के लिए प्रतिदिन योग करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर निरोग रहता है तथा अनेक प्रकार की बीमारियों से बचाव संभव है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन भी प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान आश्रम के विद्वान पंडितों ने योगासन एवं भावातीत ध्यान (ट्रांसेंडेंटल मेडिटेशन) के माध्यम से जीवन को सफल एवं संतुलित बनाने का संदेश दिया।इस अवसर पर मुखिया आचार्य ऋषि त्रिवेदी, जयप्रकाश तिवारी, संजय श्रीवास्तव, कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख जितेंद्र दास सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ड्रेनेज खुदाई कार्य में मानकों की अनदेखी की सी एम से शिकायत

लखीमपुर खीरी– भले ही सूबे के मुखिया जीरो टेरलेंस नीति लागू करने के बड़े बड़े दावे और वादे कर रहे हैं लेकिन जनपद खीरी में ज़ीरो टेर लेंस की नीति हकीकत की जमी पर दम तोड़ती नजर आ रहीं हैं। ताजा मामला सिंचाई विभाग के खंड प्रथम का बताया जाता है जहां पर कराए जा रहे नाला खुदाई कार्य में जमकर भ्रस्टाचार किए जाने के आरोप लगाये जा रहे हैं ठेकेदार द्वारा खुदाई के नाम पर रस्म अदायगी कर मानकों की जमकर धज्जियाँ उड़ाई जा रहीं है। ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत हर दुआ और कई ग्रामीणों ने आरोप लगाए हैं कि नाला निर्माण में खेल किया जा रहा है। ग्राम प्रधान द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक जब हमारे संवाददाता ने मामले का मौका पर जाकर फोटो वीडियो बनाया और खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया तो उक्त ठेकेदार असलम भड़क उठा और पत्रकार विजय मौर्या के घर जा धमका तथा खबर न चलाने की हिदायत दे डाली और दुबारा खबर चलाने पर जान माल की धमकी देने के आरोप पत्रकार ने लगाये है।पत्रकार ने उपरोक्त मामले से सहायक अभियंता से शिकायत कर जांच कराए जाने की मांग की है।सम्पूर्ण घटना क्रम की एक शिकायत सी एम पोर्टल पर भी कर मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है सहायक अभियंता सिंचाई विभाग खंड प्रथम ने कहा मैं मामले की स्वतः मौके पर जा कर जांच करूंगी किसी दोषी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रयागराज में विश्व संगीत दिवस पर लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज– प्रयाग संगीत समिति के मेहता प्रेक्षा गृह में रविवार सायंकाल विश्व संगीत दिवस के अवसर पर शिव शक्ति फाउंडेशन के तत्वावधान में लोक-संस्कृति परक भव्य प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी प्रयागराज की धर्मपत्नी डॉ. अंकिता राज की उपस्थिति रही। डॉ. अंकिता राज ने छात्र-छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए प्रयागराज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने हेतु हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने संस्था के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। इस अवसर पर डी पी ओ प्रयागराज सर्वजीत सिंह,सचिव प्रयाग संगीत समिति अरुण एवं राजकीय बाल शिशु गृह की अधीक्षक डॉ. प्रज्ञा सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ। राजकीय बाल शिशु गृह के बच्चों ने श्री सूरज के निर्देशन में ईश्वर वंदना प्रस्तुत की। इसके पश्चात चैती और कजरी की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। व्यंजना आर्ट एंड कल्चरल सोसायटी द्वारा शांभवी शुक्ला के निर्देशन में कथक नृत्य 'जय जय जननी' एवं मीरा के भजनों पर

आधारित सुंदर प्रस्तुतियां दी गई, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। वहीं 'शुरुआत' संस्था के अंतर्गत श्री अभिषेक शुक्ला के निर्देशन में कार्यशाला में प्रशिक्षित बच्चों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से सभी का मन जीत लिया।

लोक गायिका मोहिनी श्रीवास्तव ने 'तोहरो बालम कप्तान हो' की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया, जबकि शुभ्रा मालवीय द्वारा 'राम जी से पूछे जनकपुर की नारी' की भावपूर्ण प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।सरस्वती संगीतालय के निदेशक चंद्रकांत मालवीय के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने भी आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन प्रियांशु श्रीवास्तव एवं श्वेता श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक श्लोक रंजन श्रीवास्तव, अलीशा फिलिप्स , सविनय श्रीवास्तव ,'शुरुआत' संस्था के निदेशक अभिषेक शुक्ला, मिथिलेश राही सहित शिव शक्ति फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अंत में संस्था की संरक्षिका डॉक्टर मधु रानी शुक्ला ने समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया एवं संयोजक अमित श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, दर्शकों एवं प्रशिक्षकों का सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए बताया कि शिव शक्ति फाउंडेशन का उद्देश्य प्रतिभाशाली बच्चों को मंच प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन करना है।

आरती बिराजदार के साथ गौरव बाजपेयी और अंकिता बहुगुणा ने थामा 'थोड़ी सी उम्मीद, थोड़ा सा आसमान' शो का हाथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज: वैदेही के प्रेरणादायक किरदार से दर्शकों को परिचित कराने के बाद, सन नियो ने अपने आने वाले शो 'थोड़ी सी उम्मीद, थोड़ा सा आसमान' का नया प्रोमो जारी किया है। इस प्रोमो में कहानी के तीन अहम् किरदारों वैदेही, अभिजीत और अनुप्रिया की झलक दिखाई गई है। यह प्रोमो एक गाँव में चल रहे ब्यूटी क्रीम के विज्ञापन की शूटिंग के बीच की कहानी दिखाता है, जहाँ दिखावे और सच्चाई के बीच का फर्क सामने आता है। प्रोमो की शुरुआत एक राज्य परिवहन बस के अचानक रुकने से होती है। बस के यात्री देखते हैं कि गाँव की सड़क पर एक ग्लैमरस ब्यूटी क्रीम का विज्ञापन शूट हो रहा है। इसी दौरान वैदेही (आरती बिराजदार) बस से उतरती है और भीड़ के बीच से निकलने की कोशिश करती है। वहाँ उसकी नजर अनुप्रिया (अंकिता बहुगुणा) पर पड़ती है, जो विज्ञापन की शूटिंग कर रही होती है। विज्ञापन में अनुप्रिया एक साधारण गाँव की लड़की के रूप में नजर आती है और अपने

आत्मविश्वास व आकर्षक अंदाज से सभी को प्रभावित करती है। वैदेही भी उसकी सादगी और आत्मविश्वास से प्रभावित हो जाती है। इस शूट का निर्देशन अभिजीत (गौरव बाजपेयी) कर रहा होता है। वह अनुप्रिया की खूब तारीफ करता है और उसकी सुंदरता की प्रशंसा करता है। लेकिन, कहानी में नया मोड़ तब आता है जब वैदेही गलती से मेकअप के पीछे छिपे अनुप्रिया के असली रूप को देख लेती है। दूसरी ओर, अभिजीत का पूरा ध्यान अनुप्रिया पर ही रहता है, जबकि वैदेही दूर खड़ी होकर सब कुछ देखती रहती है। प्रोमो इन तीनों के बीच बनने वाले भावनात्मक रिश्तों की झलक देता है और दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाता है। यह प्रोमो उसके ग्लैमरस जीवन की झलक दिखाता है, लेकिन साथ ही उसके व्यक्तित्व का एक अलग पहलू भी सामने लाता है। 'रिश्तों, भावनाओं और प्रेरणा से भरपूर 'थोड़ी सी उम्मीद, थोड़ा सा आसमान' सपनों, आत्मविश्वास और जीवन में अपनी पहचान बनाने की एक दिल छू लेने वाली कहानी है।

भीषण गर्मी में बिजली संकट से जूझ रहा बड़ा चाका, जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी,प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के बड़ा चाका में पिछले कई दिनों से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण स्थानीय लोगों को गंभीर बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच लगातार बाधित हो रही बिजली आपूर्ति से क्षेत्रवासियों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली आपूर्ति अनियमित हो गई है। बिजली आती भी है तो कुछ ही देर बाद चली जाती है। बार-बार होने वाली कटौती के कारण लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है, वहीं पेयजल आपूर्ति और दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को उठानी पड़ रही है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत कई बार संबंधित विद्युत विभाग के अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद विभाग की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं

होने से उनकी परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस संबंध में विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी (एसडीओ) से दूरभाष पर संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि अत्यधिक लोड बढ़ने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुचारु किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि ट्रांसफार्मर की मरम्मत अथवा उसे शीघ्र बदलवाकर नियमित बिजली आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

प्रयागराज के बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर निर्माण में सुरक्षा का विशेष ध्यान

प्रयागराज। त्रिवेणी संगम बांध स्थित प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर में कॉरिडोर और विस्तार निर्माण कार्य चल रहा है। श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन में समस्या नहीं होने पाए, इसके लिए मंदिर के महंत बलवीर गिरि ने सोमवार को निर्माणाधीन क्षेत्र का भ्रमण किया। निर्माण कार्य में लगे इंजीनियरों से काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। कहा, मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के आने-जाने का उचित प्रबंध होना चाहिए। साथ ही श्रद्धालुओं से तय मार्ग से आने-जाने का आग्रह किया। कहा, कोई व्यक्ति नियम तोड़कर गर्भगृह में निर्माणाधीन मार्ग में न घुसे। हर श्रद्धालु की सुरक्षा और सुविधा सर्वोपरि है। बांध स्थित बड़े हनुमान मंदिर में 38 करोड़ में कारिडोर का निर्माण प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) दो फेज में करवा रहा है। प्रथम फेज में मंदिर के चारों ओर बाउंड्री, गेट व संत निवास आदि का निर्माण महाकुंभ-2025 से पहले पूरा हो गया। द्वितीय फेज में गर्भगृह, यज्ञशाला, रेलिंग आदि का निर्माण कराया जा रहा है। हर मंगलवार व शनिवार को मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। इसके लिए मंदिर प्रबंधन विशेष सतर्कता बरत रहा है, क्योंकि बीते दिनों महाराष्ट्र के परभणी स्थित मारुति मंदिर में निर्माणाधीन छत गिरने से कई श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।

जमीन की पैमाइश करने गई राजस्व टीम पर प्रयागराज में हमला व मारपीट, लेखपाल की बाइक तोड़ी

करछना (प्रयागराज)। यमुनापार के करछना तहसील क्षेत्र के गंधियाव गांव में सोमवार को बवाल हो गया। जमीन की पैमाइश करने पहुंची राजस्व टीम पर विपक्षी पक्ष के लोगों ने हमला कर दिया। महिलाओं समेत कई लोगों ने राजस्व कर्मियों और फरियादी के साथ मारपीट की, सरकारी कार्य में बाधा डाला और वाहन व बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। बताया जाता है कि खनिका गांव निवासी प्रेमचंद मौर्या ने गंधियांव गांव में भूमि का बैनामा कराया था, जिसकी दाखिल-खारिज भी हो चुकी है। भूमि विवाद को लेकर उन्होंने फाटबंदी का वाद दायर किया था। इसमें पत्थर नसब का आदेश जारी हुआ था। राजस्व टीम ने पूर्व में मौके पर पहुंचकर पत्थर नसब की कार्रवाई पूरी कर दी थी। आरोप है कि विपक्षी पक्ष ने बाद में पत्थर उखाड़ दिया और खेत में बोई गई गेहूं की फसल नष्ट करते हुए भूमि पर कब्जा कर लिया। पीड़ित द्वारा तहसील दिवस और थाना दिवस में शिकायत किए जाने के बाद सोमवार को जमीन की पैमाइश के लिए नायब तहसीलदार संध्या गोस्वामी राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। इसी दौरान विपक्षी पक्ष के लोग आक्रोशित हो गए और महिलाओं के साथ मिलकर राजस्व कर्मियों व फरियादी पर हमला कर दिया।

रात्रि चौपाल में उठी बेटियों की पढ़ाई की बात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। गाँव की तरक्की तभी संभव है, जब वहाँ की बेटियाँ भी पढ़-लिखकर आगे बढ़ें। इसी सोच को मजबूत करने के लिए बालिका शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही संस्था एजुकेट गर्ल्स ने विकास खंड मिठौरा की ग्राम पंचायत दरहटा में रात्रि चौपाल का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य उन बच्चियों को शिक्षा से जोड़ना था, जो किसी कारण से स्कूल नहीं जा पा रही हैं या बीच में पढ़ाई छोड़ चुकी हैं। शाम के समय आयोजित इस चौपाल में ग्रामीणों, अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों और युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बेटियों की पढ़ाई के महत्व, नियमित स्कूल जाने की जरूरत और शिक्षा से मिलने वाले अवसरों पर खुलकर चर्चा की गई। लोगों को बताया गया कि एक शिक्षित बेटी न सिर्फ अपना भविष्य बेहतर बनाती है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को आगे बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में प्रेरणादायक वीडियो और फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया, जिससे बालिका शिक्षा का संदेश लोगों

तक आसान और प्रभावी तरीके से पहुँचाया जा सके। ग्रामीणों ने भी अपने विचार साझा किए और गाँव की हर बच्ची को स्कूल भेजने में सहयोग का भरोसा दिलाया। ग्राम प्रधान प्रतिमा ने कहा, 'एक पढ़ी-लिखी बेटी दो परिवारों को आगे बढ़ाने की ताकत रखती है। इसलिए बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता देना हम सभी की जिम्मेदारी है। 'एजुकेट गर्ल्स के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम ऑफिसर वेद प्रकाश यादव ने बताया कि रात्रि चौपाल के जरिए ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचकर बालिका शिक्षा का संदेश देना आसान होता है। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि गाँव की कोई भी बेटी शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे।

एनसीसी ग्रुप , प्रयागराज के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज– स्वास्थ्य, कल्याण एवं समग्र जीवनशैली को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय संकल्प के अनुरूप एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, प्रयागराज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 का आयोजन क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं प्रतिष्ठित स्थलों पर अत्यंत उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर निम्नलिखित प्रमुख स्थलों पर एक साथ योग सत्र आयोजित किए गए– अरैल घाट, प्रयागराज - 350 कैडेट, गुप्तेश्वर घाट, अयोध्या - 200 कैडेटचन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज 125 कैडेट। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के बीच योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। पवित्र त्रिवेणी संगम के निकट स्थित अरैल घाट पर 350 एनसीसी कैडेटों ने शांत एवं प्रेरणादायी वातावरण में कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। कैडेटों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान क्रियाओं का प्रदर्शन करते हुए दैनिक जीवन में योग को अपनाने के महत्व को रेखांकित किया। इसी प्रकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण गुप्तेश्वर घाट, अयोध्या में 200 एनसीसी कैडेटों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अनुशासित एवं सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से कैडेटों ने शारीरिक सुदृढ़ता एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

प्रयागराज के ऐतिहासिक चन्द्रशेखर आजाद पार्क में 125 एनसीसी कैडेटों ने योगाभ्यास किया। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े इस गौरवशाली स्थल ने युवाओं को स्वस्थ, अनुशासित एवं उद्देश्यपूर्ण जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इन प्रमुख आयोजनों के अतिरिक्त, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, प्रयागराज के अधीन विभिन्न एनसीसी इकाइयों के लगभग 3,600 कैडेटों ने समूह क्षेत्र के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों में एक साथ सहभागिता की। कैडेटों ने कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करने के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय के बीच स्वास्थ्य, फिटनेस एवं मानसिक कल्याण संबंधी जागरूकता गतिविधियाँ भी संचालित कीं। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अधिकारियों, एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों (एएनओ) एवं स्थायी प्रशिक्षक स्टाफ के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में किया गया। इस दौरान मन एवं शरीर के सामंजस्य, पर्यावरणीय चेतना तथा युवाओं में आत्मबल एवं लचीलापन विकसित करने में योग की भूमिका पर विशेष बल दिया गया। क्षेत्र के ऐतिहासिक धरोहर स्थलों एवं शिक्षण संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों का सफल आयोजन एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, प्रयागराज की राष्ट्र निर्माण, युवा सशक्तिकरण तथा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं सनातन योग परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है।

संक्षिप्त खबरें

मंडरो के रोजगार सेवकों ने बीडीओ को सौंपा वापसी आवेदन

मंडरो, साहिबगंज, झारखंडः- लंबे समय से चल रही हड़ताल समाप्त होने के बाद मंडरो प्रखंड के रोजगार सेवकों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मेघनाथ उरांव को सामूहिक रूप से आवेदन सौंपकर कार्य पर वापसी की सूचना दी। रोजगार सेवकों ने प्रखंड कार्यालय पहुंचकर अपनी वापसी से संबंधित आवेदन बीडीओ को सौंपा और पुनः अपने दायित्वों का निर्वहन करने की बात कही। रोजगार सेवकों की वापसी को लेकर प्रखंड कार्यालय में सकारात्मक माहौल देखा गया। माना जा रहा है कि रोजगार सेवकों के कार्य पर लौटने से मनरेगा सहित विभिन्न विकास योजनाओं के संचालन में फिर से गति आएगी और लंबित कार्यों को आगे बढ़ाने में सहूलियत होगी। इस अवसर पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीओ) अभिषेक आनंद भी मौजूद रहे। वहीं रोजगार सेवक संतोष टुडू, सुनील सिंह, अमजेद अंसारी, मरियम सहित अन्य रोजगार सेवकों ने भी उपस्थित होकर सामूहिक रूप से अपनी वापसी दर्ज कराई।

25वीं झारखंड राज्य जूनियर शतरंज प्रतियोगिता में स्वस्तिका प्रजापति का शानदार प्रदर्शन

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- 14 से 17 जून तक झारखंड राज्य जूनियर शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन सरला बिरला यूनिवर्सिटी रांची में किया गया। प्रतियोगिता के अंडर-9 बालिका वर्ग में डीएवी पब्लिक स्कूल बरही की प्रतिभाशाली छात्रा स्वस्तिका प्रजापति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु अपनी पात्रता भी सुनिश्चित कर ली है। स्वस्तिका की इस उल्लेखनीय सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि स्वस्तिका की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है तथा यह विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी स्वस्तिका को शुभकामनाएँ देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की आशा व्यक्त की है। स्वस्तिका की इस सफलता ने विद्यालय का नाम राज्य स्तर पर गौरवान्वित किया है।

नशामुक्ति के लिए सीएचसी में शपथग्रहण का हुआ आयोजन

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- विभागीय निर्देश पर सोमवार को नारायणपुर सीएचसी में नशा मुक्ति अभियान के तहत शपथग्रहण का आयोजन हुआ। अभियान के तहत नारायणपुर सीएचसी से प्रभात फेरी निकाल कर लोगों को नशा मुक्ति के बारे में जानकारी देकर जागरुक किया गया। इसके अलावे अभियान के तहत शपथ ग्रहण का आयोजन कर खुद नशा का उपयोग नहीं करने, समुदाय में नशा का उपयोग नहीं हो तथा जो लोग नशा का उपयोग कर रहे हैं उनको नशा से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकरी देकर उन्हें जागरूक कर नशा प्रयोग से दूर रखने के लिए प्रेरित करना है। मौके पर कहा गया कि नशा मानव जीवन को तबाह करता है, साथ ही इसके दुष्परिणाम परिवार पर भी पड़ता है। परिवार की माली हालत खराब हो जाती है इसलिए सरकार के इस नेक प्रयास में शामिल होकर सभी लोग नशा का त्याग करें। मौके पर बीपीएम अखिलेश कुमार सिंह, प्रजीत कुमार, ब्रजेश शर्मा, राधिका देवी, प्रतिभा कुमारी, नीतू देवी आदि उपस्थित थी।

बरही में श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव को भव्य बनाने को लेकर की गई बैठक

● 16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथयात्रा, भारी संख्या में उमड़ेगी भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- चौपारण में होने वाले आगामी श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव के सफल एवं भव्य आयोजन को लेकर बरही के एक होटल सभागार में गणमान्य लोगों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर व संचालन गुरुदेव गुप्ता ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से रथयात्रा को यादगार एवं भव्य बनाने पर चर्चा हुई। बताया गया कि चौपारण में आयोजित होने वाली रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति के अभिषेक कुमार ने जानकारी दी कि 16 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ का वाहन प्रोसेशन जगन्नाथ मंदिर सियार कोनी से चेथी मोड तक निकल जाएगा। सुबह 10:00 बजे भगवान रथ पर सवार होंगे, इसके बाद विग्रह पूजा, उड़िया भक्तों द्वारा गोटीपुआ नृत्य, अतिथि स्वागत एवं अतिथियों द्वारा मार्ग मार्जन और फिर यात्रा आरंभ होगी। यात्रा को भव्य बनाने के लिए गुरुकुल के बच्चे एवं विदेशी भक्तों द्वारा सकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। वहीं उन्होंने बताया कि 17 जुलाई को क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण के लिए विशेष यज्ञ का आयोजन किया जाएगा तथा संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। वहीं 18 जुलाई को सुबह 8 बजे से घूमती रथयात्रा निकाली जाएगी, जो मौसीबाड़ी से सियरकोनी जगन्नाथ मंदिर तक प्रस्थान करेगी, इसके बाद महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने कहा कि रथयात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि क्षेत्रवासियों के सहयोग से इस वर्ष का आयोजन और भी भव्य एवं ऐतिहासिक बनेगा। बैठक में रथयात्रा समिति के राजदेव यादव, संजय सिंह, मुनेश्वर गुप्ता, अभिषेक कुमार सहित जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, भाजपा नेता सुरेंद्र रजक, सुनील सिंह, पीयूष कुमार, महेंद्र दुबे, सरजू ठाकुर, युगल किशोर यादव, अशोक यादव, युवा नेता आकाश जायसवाल, संजय दुबे, डॉ. सुनील दत्ता, निरंजन केसरी, राजू राणा, दिनेश्वर यादव, गुड्डू केसरी, मनितोष यादव, प्रभु राणा आदि सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया तथा अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं से शामिल होने की अपील की।

लायंस क्लब ऑफ मधुपुर का जनहितकारी प्रयास, नगर को मिले 10 नए रोड बैरियर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मधुपुर, देवघर, झारखण्डः- मधुपुर प्रशासन के सहयोगार्थ सालूजा गोल्ड द्वारा प्रदत्त एवं लायंस क्लब ऑफ मधुपुर के तत्वावधान में नगर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों पर 10 रोड बैरियर स्थापित किए गए। इन बैरियरों को गांधी चौक, भगत सिंह चौक, डालमिया कूप, थाना मोड़, कालीपुर टाउन रोड सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर लगाया गया है।इस पहल का मुख्य उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाना, सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को कम करना तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। रोड बैरियरों के माध्यम से प्रशासन को यातायात नियंत्रण एवं जनसुरक्षा संबंधी कार्यों में प्रभावी सहायता मिलेगी। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ मधुपुर के अध्यक्ष लायन प्रेम पाठक ने कहा कि लायंस क्लब सदैव समाजहित एवं जनकल्याण के कार्यों के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है और क्लब द्वारा किया गया यह प्रयास नागरिकों की सुरक्षा तथा बेहतर यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने इस जनहितकारी कार्य के लिए सालूजा गोल्ड का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से यह महत्वपूर्ण सेवा कार्य संभव हो सका। लायंस क्लब ऑफ मधुपुर की ओर से सालूजा गोल्ड को सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करने तथा जनहित में योगदान देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के सचिव लायन विजय आनंद लच्छीरामका, सह सचिव लायन राजेश तिवारी, कोषाध्यक्ष लायन रामानुज मिश्रा तथा लायन गौतम कुशवाहा का विशेष योगदान रहा। लायंस क्लब ऑफ मधुपुर ने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

एबीवीपी मधुपुर की बैठक में संगठन विस्तार और पुनर्गठन पर बनी रणनीति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मधुपुर, देवघर, झारखण्डः- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) मधुपुर नगर इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, छात्र हितों से जुड़े विभिन्न विषयों तथा नगर इकाई के पुनर्गठन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाना रहा। बैठक के दौरान परिषद के आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। साथ ही नगर इकाई के पुनर्गठन के माध्यम से संगठन के विस्तार तथा नए कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपने पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर जिला संयोजक युवराज सिंह ने कहा कि विद्यार्थी परिषद छात्रों के सर्वांगीण विकास, राष्ट्र निर्माण और समाजहित के कार्यों के लिए निरंतर सक्रिय रहती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुदामा यादव ने कहा कि परिषद का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए छात्र हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहता है। उन्होंने संगठन को और मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता की अपील की। बैठक में आशीष पांडे ने संगठन विस्तार एवं कार्यकर्ता निर्माण पर अपने विचार रखे। वहीं नगर मंत्री सूरज कुमार यादव ने आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी देते हुए सभी कार्यकर्ताओं से पूर्ण समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आग्रह किया। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुदामा यादव, आशीष पांडे, नगर मंत्री सूरज कुमार यादव, सुमित यादव, दिवाकर कुमार, कॉलेज उपाध्यक्ष शुभम सिंह, चंदन, रितेश, पुरुषोत्तम, विशाल, सीटू, शिवनंदन, अमित, विकास, आशीष, कुंदन, आलोक, अक्षय, कशिश, गुलजार, दीपक, आनंद सहित परिषद के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल में योगाभ्यास का हुआ आयोजन, विद्यार्थियों को योग के महत्व एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- चपरीकला पांडेयबारा स्थित ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक पंचम कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों को योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी दी गई। योग प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों ने बच्चों को ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन सहित विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास कराया तथा नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के निदेशक पंचम कुमार पाण्डेय ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ और सशक्त बनाता है, बल्कि मन को भी एकाग्र एवं तनावमुक्त रखने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करना चाहिए ताकि वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बन सकें। कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते तनाव और अनियमित जीवनशैली के बीच योग एक प्रभावी उपाय है। नियमित योगाभ्यास से स्वास्थ्य बेहतर रहता है तथा सकारात्मक सोच का विकास होता है। कार्यक्रम में धनंजय कुमार, नीरज पाण्डेय, प्रीति कुमारी, सोहानी कुमारी, शिवम सिंह, श्वेता पांडेय, सानिया पाण्डेय, तनु कुमारी, करण पाण्डेय, पल्लवी कुमारी, पायल कुमारी, मुस्कान कुमारी, नीतू सिंह, माया कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू (अराजनैतिक) का प्रदर्शन

●फसल बीमा भुगतान, मंडी में झराई पर रोक और खरीफ बुवाई के लिए बीज उपलब्ध कराने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों ने सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर किसानों की विभिन्न समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। जिलाध्यक्ष अक्षय दुबे एवं जिलाध्यक्ष मर्दन सिंह यादव के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में फसल बीमा, गल्ला मंडी की व्यवस्थाओं तथा खरीफ सीजन के लिए बीज उपलब्ध कराने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। ज्ञापन में कहा गया कि खरीफ फसल वर्ष 2025 का बीमा लाभ अभी तक जिले के सभी पात्र किसानों को प्राप्त नहीं हो सका है। बड़ी संख्या में किसान आज भी बीमा दावे की राशि मिलने का इंतजार कर रहे हैं। यूनियन ने प्रशासन से ऐसे किसानों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की। किसान नेताओं ने गल्ला मंडी ललितपुर में किसानों के अनाज पर की जाने वाली कथित अवैध झराई (कटौती) को तत्काल बंद कराने की मांग भी उठाई। उनका कहना था कि इस व्यवस्था से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और उनका शोषण होता है। ज्ञापन में मंडी परिसर के नीलामी चबूतरे पर व्यापारियों द्वारा रखे गए माल को हटवाने की मांग भी की गई। यूनियन का कहना है कि नीलामी चबूतरा किसानों की सुविधा के लिए बनाया गया है, लेकिन उस पर व्यापारियों का कब्जा होने से किसानों को अपनी उपज रखने में परेशानी होती है। चबूतरे को खाली कराकर किसानों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा किसानों को फसल बिक्री के बाद अनिवार्य रूप से पक्की रसीद (6आर) उपलब्ध कराने की मांग भी की गई, जिससे खरीद-फरोख्त की प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और किसानों को भविष्य में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। भाकियू (अराजनैतिक) ने आगामी खरीफ सीजन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बुवाई का समय शुरू हो चुका है, इसलिए कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को उन्नत एवं प्रमाणित बीज समय पर उपलब्ध कराए जाएं। संगठन का कहना है कि बीजों की उपलब्धता में देरी होने पर किसानों की खेती प्रभावित हो सकती है। किसान नेताओं ने जिलाधिकारी से जनहित में इन सभी समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेकर शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने और कृषि कार्यों को सुचारू रखने के लिए इन मांगों पर तत्काल कार्रवाई आवश्यक है।

बरही व बरकट्ठा क्षेत्र में अवैध आरा मिलों पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में लकड़ी व उपकरण जब्त

●डीएफओ के निर्देश पर संयुक्त छापेमारी, दो से अधिक लोगों पर वन वाद दर्ज करने की प्रक्रिया जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- पश्चिमी वन प्रमंडल हजारीबाग के डीएफओ (आईएफएस) मौन प्रकाश के निर्देश पर वन विभाग ने अवैध लकड़ी कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बरही वन क्षेत्र के अंतर्गत मौजा करगइयो और मौजा गैपहाड़ी गांव में संचालित अवैध आरा मिलों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई आईएफएस अधिकारी मोहित कुमार बंसल के नेतृत्व में संयुक्त रूप से की गई। छापेमारी के दौरान दोनों स्थानों से दो अवैध आरा मशीन, लगभग 300 सीएफटी अवैध लकड़ी के बोटे, करीब 30 सीएफटी चिरान लकड़ी, दो जनरेटर इंजन, लकड़ी की कुन्नी तथा आरा पत्ती सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए। वन विभाग की टीम के पहुंचते ही इलाके में अफरातफरी मच गई और अवैध कारोबार से जुड़े लोग मौके से फरार हो गए। मौके पर कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे आईएफएस अधिकारी मोहित कुमार बंसल ने कहा कि अवैध आरा मिलों और अवैध लकड़ी कारोबार के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त एवं लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अवैध लकड़ी के कारोबार में संलिप्त लोग संभल जाएं, क्योंकि वन विभाग किसी भी कीमत पर इस अवैध धंधे को बर्दाश्त नहीं करेगा और इसके सफाये के लिए प्रतिबद्ध है। इस अभियान में बरही, चौपारण एवं संयुक्त ऑपरेशन टीम के वनकर्मियों ने भाग लिया। छापेमारी दल में फॉरेस्टर अमर आनंद सरस्वती, फॉरेस्टर पंकज कुमार, फॉरेस्टर संतु कुमार सहित दर्जनों वनकर्मी शामिल थे। अभियान के दौरान बरही पुलिस के जवान भी सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद रहे। वन विभाग के अनुसार, समाचार लिखे जाने तक मामले में दो से अधिक लोगों को नामजद करते हुए वन वाद दर्ज करने की प्रक्रिया जारी थी। विभाग ने संकेत दिए हैं कि जांच के आधार पर आगे भी कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सक डा. एस.पी. पाठक ने व कुशल संचालन डा.दीपक चौबे द्वारा किया गया। अध्यक्ष डा.एस.पी. पाठक ने कहा कि आज के आधुनिक युग में अत्यधिक व्यस्तता के कारण मनुष्य मानसिक और शारीरिक रूप से अस्वस्थ हो रहा है। तनाव और अनियमित दिनचर्या के कारण शरीर को अनेकों बीमारियों ने घेर लिया है। ऐसी स्थिति में योग ही एकमात्र ऐसा सशक्त साधन है, जिसके माध्यम से मनुष्य पूर्ण रूप से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त कर सकता है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। प्राणायाम और सूर्य नमस्कार के साथ अभ्यास की शुरुआत कराई। इसके बाद उन्होंने गोमुखासन, पद्मासन, भद्रासन, मुक्तासन, शवासन, मयूरासन, सुखासन, सिद्धासन, वज्रासन, सिंहासन, सर्वांगासन, हलासन और शीर्षासन सहित कई महत्वपूर्ण आसनों का अभ्यास कराया। साथ ही उन्होंने इन आसनों से शरीर को होने वाले लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान डा.एस.एस.तोमर, डा.राजेश शर्मा, डा.अनिल जैन, डा. रामगोपाल साहू, डा.अमिताभ पाराशर, डा.गजेंद्र सिंह चौहान, डा.विवेक सक्सेना, डा.अनूप श्रीवास्तव, डा.राहुल झा, डा.अवधेश तिवारी, डा.अवनी कड़की, डा.नितिन द्विवेदी, डा.अनीश, डा.राजेंद्र साहू, डा.शैलेंद्र जैन, डा.शीलचंद्र राजपूत, डा.रविंद्र संज्ञा, डा.रोहित साहू, आदि उपस्थित रहे।

रत्नत्रय विधान के साथ भक्तिभाव से मनाया गया पंचकल्याणक जिनालय का तृतीय वार्षिकोत्सव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। ललितपुर रोड स्थित श्री दिगंबर जैन महावीर पंचबालयती जिनालय में मंदिर स्थापना का तृतीय वार्षिकोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर के प्रेरणास्रोत बा. ब्र. श्री रवींद्र जी 'आत्मन' द्वारा रचित श्री रत्नत्रय विधान का आयोजन किया गया। विधान का संचालन पं. राजेंद्र जी जैन (चंदावली, टीकमगढ़) एवं विधानाचार्य पं. प्रियंक जी शास्त्री (खुरई) ने मधुर एवं प्रेरणादायी शैली में कराया। वहीं ज्ञानोदय भोपाल से पधारे पं. शुभम जी शास्त्री ने मोक्षमार्ग प्रकाशक के आधार पर मिथ्यादर्शन एवं सम्यकदर्शन की सरल व्याख्या करते हुए धर्मोपदेश दिया। कार्यक्रम में पं. सुरेश जी (पिपरा, टीकमगढ़), पं. राहुल जी शास्त्री (ललितपुर), डॉ. विकास जी शास्त्री (टीकमगढ़), विदुषी ममता दीदी एवं मीना दीदी (टीकमगढ़) भी उपस्थित रहे। मुख्य कलश श्रीमती स्नेहलता सराफ एवं श्री आनंद जी दाऊ परिवार द्वारा विराजमान किया गया। अन्य कलश श्रीमती मीरा-कुट्टन लाल जी (टीकमगढ़), श्रीमती अल्पना-अखिलेश जी (ललितपुर), श्रीमती सरोज-कैलाश चंद्र चौधरी (महरौनी) तथा श्रीमती प्रज्ञा-पुष्पेंद्र चौधरी (बानपुर) परिवार द्वारा स्थापित किए गए। मंडप में जिनवाणी विराजमान कराने का सौभाग्य कैलाश चंद्र चौधरी परिवार (महरौनी), संदीप जी पिपरा परिवार (कुंडेश्वर), आनंद जी दाऊ परिवार (महरौनी), सुशांत चौधरी परिवार (ललितपुर), बाहुबली खजूरिया परिवार (ललितपुर) एवं शैलेन्द्र चौधरी परिवार (बानपुर) को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में महरौनी सहित टीकमगढ़, ललितपुर, सागर एवं बानपुर से बड़ी संख्या में साधर्मीजन उपस्थित रहे। आयोजन का सफल संयोजन पं. आशीष जी शास्त्री (टीकमगढ़), आशीष चौधरी एवं सत्येंद्र जैन (महरौनी) ने किया। अंत में श्री दिगंबर जैन कुंदकुंद कहान स्वाध्याय मंदिर ट्रस्ट के मंत्री कैलाश चंद्र चौधरी ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

काम पर लौटे हड़ताली रोजगार सेवक

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले 103 दिनों से हड़ताल मे डटे मनरेगा कर्मी सोमवार कों काम पर लौट आए हैं। मनरेगा कर्मी संघ के प्रखंड अध्यक्ष राधेश्याम पंडित के नेतृत्व मे प्रखंड के सभी रोजगार सेवकों ने सोमवार को लिखित आवेदन के साथ प्रखंड कार्यालय में आवेदन सौंपकर कार्य मे लौटने की जानकारी साझा की। विदित हो कि मनरेगा के तहत कार्यरत रोजगार सेवक के हड़ताल में चले जाने से मनरेगा की कई महत्वपूर्ण योजनाएं प्रभावित हो रही थी। प्रशासन भी हड़ताल पर गए मनरेगा रोजगार सेवक को हड़ताल से वापस बुलाने के लिए नियमित रूप से पत्र जारी काम पर लौटने को कहा जा रहा था। मौके पर अनिल चौधरी, मेघलाल रजक, सरीफ आलम, सुमंतो दास, मो हैदर अली, मो सुल्तान, इदरीश अंसारी, अब्दुल मलिक, लखिन्द्र हेमब्रम, सदानंद राणा आदि थे।

संक्षिप्त खबरें

भगवती देवी शर्मा जन्म शताब्दी वर्ष पर गायत्री परिवार रथ यात्रा का उत्साहपूर्वक किया स्वागत

कोंच (जालौन)- अखंड ज्योति एवं वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से निकाली जा रही रथ यात्रा का नगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ स्वागत किया गया। रथ यात्रा रामगंज बाजार स्थित विनोद गुप्ता लोई वाले की दुकान पर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर रथ का अभिनंदन किया। इस दौरान गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने अखंड ज्योति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि माता भगवती देवी शर्मा का जीवन त्याग, सेवा और समाज निर्माण के लिए प्रेरणादायक रहा है। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में नैतिकता, संस्कार, नारी सम्मान और सद्भाव को बढ़ावा दिया जा सकता है। रथ यात्रा के दौरान गायत्री मंत्र के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय रहा। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। इस दौरान विनोद गुप्ता, सुरेंद्र कुमार, राजेंद्र शर्मा, कुंवर सिंह, वीरेंद्र सिंह लाला, राकेश पटेल, शांति देवी, कपिल यादव, चंद्रशेखर कुशवाहा सहित गायत्री परिवार के सदस्य और नागरिक मौजूद रहे।आयोजकों ने बताया कि जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य समाज में सकारात्मक विचारों और संस्कारों का प्रसार करना है।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार भाई-बहिन घायल

कोंच(जालौन)- तेज रफ्तार रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार भाई-बहिन गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार कर चिकित्सकों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार कोंच सर्किल के थाना एट क्षेत्र के ग्राम सतोह निवासी जितेंद्र अपनी बहन साधना के साथ रविवार को बाइक से एट कस्बे में खरीदारी करने आया हुआ था। बाजार से जरूरी सामान खरीदने के बाद रात करीब साढ़े दस बजे उक्त दोनों काम के एवज में किसी लेबर को रुपये देने जा रहे थे। इसी दौरान मंडी गेट के नजदीक सामने से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक से उछलकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय आसपास मौजूद लोगों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को सीएचसी कोंच पहुंचाया। यहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. गौरव शर्मा ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर बेहतर इलाज के लिए दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल की।

सीएचसी परिसर में आग की भेंट चढ़ी एक खराब एंबुलेंस गाड़ी

कोंच(जालौन)- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में सोमवार की सुबह करीब दस बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब परिसर में पीछे के हिस्से में लैब पैथॉलाजी के नजदीक खड़ी एक खराब एंबुलेंस में अचानक आग लग गई। आग की ऊंची लपटें और धुआँ का गुबार देख सीएचसी कर्मियों और मरीजों में हड़कंप मच गया। कर्मियों ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड सहित पीआरबी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर समय रहते आग पर काबू पा लिया जिससे आग नजदीक ही खड़े अन्य वाहनों और सीएचसी बिल्डिंग तक फैलने से बच गई। हालांकि, आग से उक्त एंबुलेंस पूरी तरह जल गई। आग लगने के कारणों की फिलहाल अभी कोई ठोस वजह सामने नहीं आ सकी है। सीएचसी परिसर में व्याप्त झाड़ झक्कड़ से गर्मी के दिनों में आग लगने की बात कही जा रही है।

फसल बीमा मुआवजा न मिलने पर भड़के देवरान के किसान, आमरण अनशन की चेतावनी

● ओलावृष्टि से नष्ट हुई गेहूं की फसल का भुगतान दिलाने की मांग, डीएम को सौंपा सामूहिक ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। तहसील तालबेहट के ग्राम देवरान के सैकड़ों किसानों ने रबी सीजन 2025-26 में ओलावृष्टि से बर्बाद हुई गेहूं की फसल का बीमा मुआवजा न मिलने पर गहरा रोष व्यक्त किया है। किसानों ने सोमवार को जिलाधिकारी को सामूहिक ज्ञापन सौंपकर शीघ्र बीमा भुगतान की मांग की और चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे कलेक्ट्रेट परिसर में आमरण अनशन शुरू करेंगे। किसानों ने ज्ञापन में बताया कि रबी सीजन के दौरान ग्राम देवरान में बड़े पैमाने पर गेहूं की खेती की गई थी। फसल अच्छी स्थिति में थी और किसानों को बेहतर उत्पादन की उम्मीद थी, लेकिन अचानक हुई भीषण ओलावृष्टि ने पूरी फसल चौपट कर दी। तैयार खड़ी गेहूं की फसल नष्ट होने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि फसल क्षति के बाद तत्काल इसकी सूचना प्रशासन एवं संबंधित विभागों को दी गई थी। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों तथा बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर फसल क्षति का सर्वे और भौतिक सत्यापन भी किया था। किसानों के अनुसार जांच में फसल को व्यापक नुकसान होना पाया गया था और अधिकारियों द्वारा शीघ्र मुआवजा दिलाने का आश्वासन भी दिया गया था। इसके बावजूद कई महीने बीत जाने के बाद भी किसानों को फसल बीमा की राशि प्राप्त नहीं हो सकी है। किसानों का आरोप है कि उनकी फसल बीमित होने और प्रीमियम जमा होने के बावजूद संबंधित बीमा कंपनी द्वारा भुगतान में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है। इससे प्रभावित किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि किसान लगातार विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं। किसानों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर बीमा कंपनी के माध्यम से शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी फसल क्षति की धनराशि का भुगतान जल्द नहीं कराया गया तो सभी पीड़ित किसान कलेक्ट्रेट परिसर में आमरण अनशन शुरू करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों एवं बीमा कंपनी की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। इस दौरान गांव के अनेक किसानों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की और प्रशासन से न्याय की अपेक्षा जताई। इस दौरान जगभान सिंह, केशरी, चम्पालाल, बलवन्त सिंह, वृन्दावन, अदल, हरभजन, कल्यान, भगवानदास, लखन लाल, बहादुर सिंह, भरत सिंह, पुष्पा, बबलू, बन्दो बाई, हीरालाल, हरीराम, शिवशंकर, हरदेव सिंह, खुशीलाल, भूपत, मलखान, गब्बर सिंह, जानकी सिंह, मूल चन्द, आदित्य नारायण, रेखा बाई, आसागाम, सारदा देवी, राजेश कुमार, बीर सिंह, मुलायम सिंह, दुर्जन सिंह, बृजनन्दन, प्रूस, मुन्ना, मथू, भुल्ला, बहादुर सिंह (पुत्र नाहर सिंह), दरयाव सिंह, छोटे राजा, जगदीश, गोरेलाल, सुवहर, रामकली, दयाराम, पुन्तु, भगवत सिंह, अवधरानी, जमुना प्रसाद तथा उदयल सिंह सहित समस्त ग्रामवासी शामिल रहे।

मुहर्रम से पहले ताजिया कमेटी ने उठाए व्यवस्थाओं पर सवाल, डीएम को सौंपा ज्ञापन

●कर्बला शरीफ की सफाई, लटकते बिजली तार और जुलूस मार्गों की मरम्मत की मांग

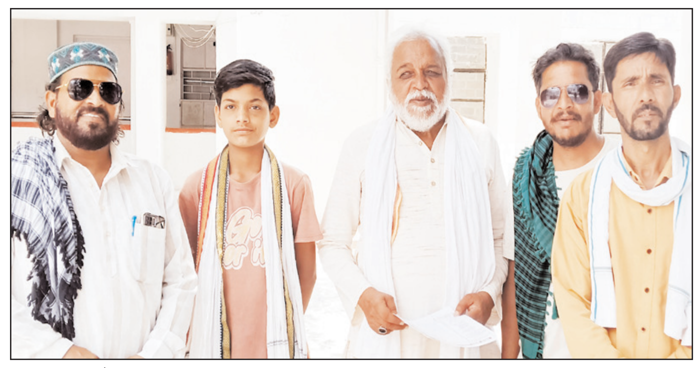

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर जिला मुहर्रम ताजिया कमेटी ने प्रशासनिक तैयारियों पर चिंता जताते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। कमेटी ने ताजिया जुलूस मार्गों और कर्बला शरीफ पर व्याप्त अव्यवस्थाओं को दूर करने की मांग करते हुए कहा कि पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए तत्काल आवश्यक कार्य कराए जाएं। कमेटी सदर रमजान अली (दादा) एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा सौंपे गए पत्र में बताया गया कि 17 जून को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में ताजिया मार्गों से जुड़ी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा गया था। इसके बावजूद अभी तक अधिकांश स्थानों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ज्ञापन में कहा गया है कि ताजिया ठंडे होने के प्रमुख स्थल कर्बला शरीफ पर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। वहां गंदगी और जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कमेटी ने कर्बला परिसर की तत्काल सफाई कराकर स्वच्छ पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके अलावा ताजिया जुलूस मार्गों का संबंधित विभागों द्वारा अभी तक निरीक्षण नहीं किए जाने पर भी चिंता व्यक्त की गई है। कमेटी का कहना है कि कई स्थानों पर बिजली के तार नीचे लटके हुए हैं, जो ऊंचे ताजियों के आवागमन के दौरान दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। साथ ही मार्गों में पेड़ों की झुकी हुई शाखाओं की छंटाई भी आवश्यक है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि शहर के विभिन्न मार्गों पर गड्ढे और क्षतिग्रस्त सड़कें मौजूद हैं, जिन्हें समय रहते दुरुस्त किया जाना चाहिए ताकि जुलूस के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना न हो। कमेटी ने विशेष रूप से गोविंद नगर, नदीपुरा, झांसीपुरा, पानी की टंकी क्षेत्र तथा सावरकर चौक से कर्बला शरीफ तक के मार्गों में आवश्यक सुधार कार्य कराने की मांग की है। पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से आग्रह किया कि मुहर्रम कार्यक्रम में अब बहुत कम समय शेष है, इसलिए नगर पालिका, विद्युत विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों को तत्काल निर्देशित कर युद्धस्तर पर कार्य कराया जाए, जिससे सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण हो सकें। इस दौरान जिला मुहर्रम ताजिया कमेटी संरक्षक हाजी बाबू बदरुद्दीन कुरैशी, सदर रमजान अली (दादा), नायब सदर रफीक अली शाह, अब्दुल शाकिर अलीम, रज्जब अली शाह, जनरल सेक्रेट्री मो.कलीम, नायब सेक्रेट्री यामीन कुरैशी, इरफान अली (राम्मू पूर्व पार्षद), हैदर अली, कोषाध्यक्ष अकबर अली, सह कोषाध्यक्ष अनस अली, मंत्री अब्दुल बारी, यूसुफ मंसूरी तथा मीडिया प्रभारी मोहम्मद जाविद किरमानी सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

●बंदियों को विधिक सहायता के अधिकारों की दी जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिला जज/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अशोक कुमार सिंह के निर्देशानुसार सोमवार को सचिव देवप्रिय सारस्वत ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कारागार में बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता एवं निःशुल्क विधिक सहायता व्यवस्था का गहन परीक्षण किया गया। इस दौरान सचिव ने सबसे पहले कारागार की पाकशाला (रसोईघर) का जायजा लिया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, खाद्य सामग्री के भंडारण तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप उपलब्धता की समीक्षा की। निरीक्षण में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई। इसके बाद पुरुष बंदी बैरकों का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल एवं शौचालयों की स्थिति का अवलोकन किया गया। इस दौरान बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई तथा उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। महिला बंदी बैरक निरीक्षण के दौरान महिला बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। साथ ही उनकी समस्याओं को भी गंभीरता से सुना गया। सचिव सारस्वत ने अस्पताल बैरक का भी निरीक्षण किया, जहां उपचाराधीन बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सीय अभिलेखों के रखरखाव एवं स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बंदियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध पाई गईं। निरीक्षण के समय प्रभारी अधीक्षक प्रशांत उपाध्याय, जेल चिकित्सक विजय द्विवेदी, उपकारापाल सूरज, फार्मासिस्ट विनोद विश्वकर्मा तथा न्यायालय की ओर से रोहित राठौर एवं विकास कुशवाहा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सचिव देवप्रिय सारस्वत ने बताया कि निरीक्षण के दौरान यह भी सुनिश्चित किया गया कि पात्र बंदियों को निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया विधिसम्मत ढंग से संचालित हो रही है तथा कोई भी बंदी विधिक सहायता से वंचित न रहे। उन्होंने कारागार परिसर में स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए अधिकारियों को व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

तीन भारतीय नाविकों की मौत पर स्वदेशी जागरण मंच का विरोध

●अमेरिकी राजदूत के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

●निष्पक्ष जांच, मुआवजा और जवाबदेही की मांग, घटना को बताया मानवीय मूल्यों के विरुद्ध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। अमेरिकी सशस्त्र बलों की कार्रवाई में तीन भारतीय नाविकों की मृत्यु की घटना को लेकर स्वदेशी जागरण मंच, जिला इकाई ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। संगठन पदाधिकारियों ने सोमवार को जिलाधिकारी के माध्यम से भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत के नाम एक विरोध पत्र भेजकर घटना की निष्पक्ष जांच, दोषियों की जवाबदेही तय करने तथा पीड़ित परिवारों को न्याय और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक एड. डी.एस. विवेक के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि जून 2026 में हुई इस घटना ने भारत की जनता की भावनाओं को गहराई से आहत किया है। संगठन का मानना है कि यह मामला अंतरराष्ट्रीय मानवीय मूल्यों, समुद्री सुरक्षा और मानवाधिकारों से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसकी पारदर्शी जांच अत्यंत आवश्यक है। ज्ञापन में कहा गया कि भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से मित्रतापूर्ण और लोकतांत्रिक संबंध रहे हैं। ऐसे में इस प्रकार की दुखद घटना पर स्पष्ट तथ्यों को सामने लाना और जिम्मेदारी तय करना दोनों देशों के संबंधों तथा वैश्विक विश्वास के लिए आवश्यक है। स्वदेशी जागरण मंच ने अपने विरोध पत्र में अमेरिकी प्रशासन के समक्ष चार प्रमुख मांगें रखीं। संगठन ने घटना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि यदि किसी स्तर पर अमेरिकी बलों की त्रुटि या लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और मृतक भारतीय नाविकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी सुरक्षा उपाय लागू करने, इस मामले पर अमेरिकी सरकार द्वारा आधिकारिक एवं स्पष्ट स्पष्टीकरण जारी करने तथा न्याय, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व का परिचय देने की मांग भी की गई। संगठन ने कहा कि भारत के नागरिकों की गरिमा और सुरक्षा सर्वोपरि है तथा देश की जनता इस मामले में न्याय की अपेक्षा रखती है। इस दौरान जिला संयोजक एड.डी.एस. विवेक, गुलशन कुमार गुप्ता, आनंद दीक्षित, राहुल कुशवाहा तथा पी.के. जैन सहित संगठन के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। संगठन ने उम्मीद जताई कि इस संवेदनशील विषय पर संबंधित स्तर पर उचित संज्ञान लिया जाएगा और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

पुलिस ने महिलाओं किशोरियों को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- जुझारपुरा और पचीपुरी गांव में बहू बेटी सम्मेलनों का आयोजन कर पुलिस ने महिलाओं और किशोरियों को सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिए संचालित हेल्पलाइन नंबर्स के बारे में बताया और जागरूक किया कि किस तरह वे पुलिस सहायता प्राप्त कर सकतीं हैं। कोतवाल ब्रजेश बहादुर सिंह ने कहा, किसी भी विपरीत परिस्थिति में महिलाएं, युवतियां और किशोरियां हेल्पलाइन नंबर पर मदद जरूर लें। पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्गत निर्देशों एवं मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत निर्धारित एसओपी के अनुपालन में कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम जुझारपुरा व ग्राम पचीपुरी में बहू-बेटी सम्मेलनों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्देश्यों को लेकर मिशन शक्ति प्रभारी वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार ने जानकारी दी तथा महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए उन्हें अवगत कराया। बहुओं एवं किशोरियों को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, बाल विवाह निषेध, महिला हेल्पलाइन सेवाओं महिला हेल्पलाइन-1090, आपातकालीन सेवा-112, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 एवं साइबर हेल्पलाइन-1930 के संबंध में जागरूक किया गया तथा आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही साइबर ठगी, सोशल मीडिया अपराध एवं ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में भी जानकारी दी गई। महिलाओं एवं किशोरियों से संवाद स्थापित करते हुए पुलिस ने उनकी समस्याओं एवं सुझावों को ध्यान से सुना तथा महिला सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता से अवगत कराया। उनसे यह भी अपेक्षा जताई गई कि अपने आसपास होने वाली किसी भी अवैध गतिविधि अथवा महिला उत्पीड़न संबंधी घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कार्यक्रम में करीब सवा सौ महिलाएं एवं किशोरियां सम्मिलित रहीं। इस दौरान आशा वर्करों, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं स्वयं सहायता समूह (बीएलओ/समूह) से जुड़ी महिलाओं को महिला पुलिस कर्मियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक कोंच ब्रजेश बहादुर सिंह, प्रभारी मिशन शक्ति वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार, महिला आरक्षी पूजा फौजदार व कुमकुम यादव आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अंतर्गत प्रस्तावित विकास कार्यों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

●आधुनिक एवं सुव्यवस्थित नगरीय विकास को लेकर जिलाधिकारी ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश –जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अंतर्गत जनपद के नगरीय निकायों द्वारा प्रस्तुत विकास प्रस्तावों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सहित नवसृजित एवं विस्तारित नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारी, संबंधित अवर अभियंता, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता तथा जिला उद्यान अधिकारी समिति के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान नगर पालिका परिषद सोनभद्र तथा नगर पंचायत रेनुकूट, अनपरा, डाला बाजार, ओबरा एवं चोपन द्वारा तैयार की गई कार्ययोजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। जिलाधिकारी ने सभी प्रस्तावों का बिंदुवार परीक्षण करते हुए योजनाओं की व्यवहारिकता, जनोपयोगिता एवं भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत आवश्यक सुझाव दिए। समीक्षा के दौरान नगर पंचायत चोपन, ओबरा एवं रेनुकूट द्वारा प्रस्तुत कार्ययोजनाओं को संतोषजनक पाते हुए उन्हें नगरीय निदेशालय को प्रेषित किए जाने योग्य माना गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रस्तावों के संबंध में अग्रिम कार्रवाई समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाए ताकि विकास कार्यों को शीघ्र गति प्रदान की जा सके। वहीं नगर पालिका परिषद सोनभद्र, नगर पंचायत डाला बाजार एवं अनपरा द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों का अवलोकन करने के उपरांत जिलाधिकारी ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी करते हुए कहा कि नगरीय विकास की नई अवधारणा के अनुरूप कम से कम 500 मीटर सड़क अवसंरचना को यूटिलिटी डक्ट प्रणाली के साथ विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में बार-बार सड़क खुदाई की आवश्यकता समाप्त करने तथा विद्युत, पेयजल, दूरसंचार एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए यह व्यवस्था अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रस्तावों को और अधिक गुणवत्तापूर्ण एवं दूरदर्शी बनाने हेतु अनुभवी वास्तुविदों एवं तकनीकी विशेषज्ञों का सहयोग लिया जाए। उन्होंने कहा कि नगरों के समग्र एवं सुनियोजित विकास को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावों का पुनरीक्षण कर संशोधित कार्ययोजना तत्काल प्रस्तुत की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के माध्यम से नगरीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, सौंदर्यीकरण तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी नगरीय निकायों में आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं जनहितकारी विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित किया जाए, जिससे नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डोडहर प्रीमियर लीग सीजन-2 का भव्य शुभारंभ, पूर्वांचल आर्मी अनपरा सेमीफाइनल में पहुंची

● समृद्धि जन कल्याण संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह

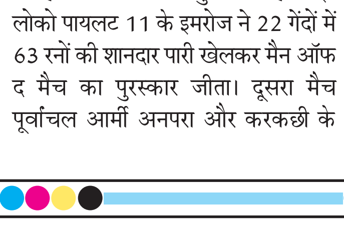

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/ सोनभद्र - डोडहर प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-2 का भव्य शुभारंभ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामभजन एवं समृद्धि जन कल्याण संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के खेल प्रेमियों और ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। पूरा मैदान हजारों दर्शकों से खचाखच भरा रहा। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला लोको पायलट 11 और बिहारपुर के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए लोको पायलट 11 ने निर्धारित 8 ओवर में 111 रन बनाए। जवाब में बिहारपुर की टीम 8 ओवर में 77 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। लोको पायलट 11 के इमरोज ने 22 गेंदों में 63 रनों की शानदार पारी खेलकर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। दूसरा मैच पूर्वांचल आर्मी अनपरा और करकछी के बीच खेला गया। पूर्वांचल आर्मी ने 8 ओवर में 106 रन बनाए, जबकि करकछी की टीम मात्र 40 रन पर सिमट गई। पूर्वांचल आर्मी के सूरज गुप्ता ने 15 गेंदों में 41 रन बनाकर मैन ऑफ द मैच का खिताब हासिल किया। पहले क्वार्टर फाइनल में पूर्वांचल आर्मी अनपरा का सामना लोको पायलट 11 से हुआ। पूर्वांचल आर्मी ने 75 रन बनाए, जिसके जवाब में लोको पायलट 11 की टीम 58 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ पूर्वांचल आर्मी ने सेमीफाइनल में जगह बना ली। रिहान को 21 गेंदों में 27 रन बनाने पर मैन ऑफ द मैच चुना गया। खिलाड़ियों के लिए भोजन, पेयजल और ठहरने की व्यवस्था की दर्शकों ने खूब सराहना की।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई 13 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु भेजे गए

● मिलावटखोरों पर प्रशासन की कड़ी नजर, जनपद में लगातार चल रही जांच कार्रवाई

● मसाले, कैचअप, दूध, पनीर, घी एवं अन्य खाद्य उत्पादों के लिए गए नमूने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश - जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान मसाला, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, टमाटर कैचअप, मेयोनीज़ तथा अन्य खाद्य पदार्थों के कुल 13 नमूने जनपद के विभिन्न विनिर्माण प्रतिष्ठानों एवं थोक/फुटकर विक्रेताओं से संग्रहित किए गए। इनमें सब्जी मसाला, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, टमाटर कैचअप, ताजा पनीर, फुल क्रीम दूध, घी, मेयोनीज़ एवं ग्रीन चिली सॉस सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ शामिल हैं। संग्रहित नमूनों को परीक्षण हेतु राजकीय खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, लखनऊ भेज दिया गया है। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा है कि जनपद में मिलावटी एवं मानक-विहीन खाद्य पदार्थों के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये, क्यों कि गलत खाद्य पदार्थ का उपयोग करने से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

संक्षिप्त खबरें

10 हजार के इनामी समेत 2 शातिर बदमाश गिरफ्तार, तमंचे बरामद

प्रतापगढ़। थाना पट्टी पुलिस और स्पेशल टीम ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए गंभीर अपराधों में वांछित 2 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों के पास से पुलिस ने 2 अवैध तमंचे .315 बोर व 2 खोखा कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान कुशुशंकर मिश्रा उर्फ कुशु मिश्रा और विजय कुमार मिश्रा उर्फ छोटू निवासीगण थाना पट्टी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष के अनुसार, विजय कुमार मिश्रा उर्फ छोटू थाना पट्टी में पंजीकृत एक मुकदमे में वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर अवैध असलहे बरामद किए।वादी शिव कुमार पाण्डेय निवासी बिबियापुर औराइन की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में भी वे वांछित थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट व अन्य सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया है।

टैक्स बकायेदारों के लिए कोई एकमुश्त समाधान योजना नहीं, वायरल टैक्स माफी की खबर झूठी

प्रतापगढ़। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) एश्के0 शुक्ला ने बताया है कि कतिपय वाहन स्वामियों द्वारा इस आशय की मौखिक सूचना दी गयी है कि सोशल मीडिया तथा व्हाट्सएप जैसे संचार माध्यमों पर एक कथित प्रेसनोट वायरल किया जा रहा है जिसमें यह बताया गया है कि परिवहन विभाग के टैक्स बकायेदारों के सम्बन्ध में सरकार एक मुश्त समाधान योजना ला रही है जिसमें बकाया वाहन के टैक्स जमा करते समय पेनाल्टी पर शत-प्रतिशत छूट दी जा जाएगी एवं उसके मूल टैक्स में भी 35 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही प्रेसनोट में उल्लिखित सूचना आधारहीन है एवं इस प्रकार की कोई भी योजना अथवा नीति परिवहन विभाग अथवा उ0प्र0 राज्य सरकार के सम्मुख विचाराधीन नहीं है। उन्होने वाहन स्वामियों से अनुरोध किया है कि सोशल मीडिया या व्हाट्सएप जैसे अन्य डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से फैल रही इस अफवाह एवं तथ्यहीन प्रचार के झांसें में न आये एवं अपने वाहनों के विरूद्ध बकाया कर को समय से जमा करें। समय से बकाया कर न जमा करने की दशा में उनके विरूद्ध उ0प्र0 मोटरयान कराधान अधिनियम-1998 के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की सम्भावना रहेगी। भविष्य में यदि कोई योजना उ0प्र0 सरकार व शासन द्वारा लायी जाती है तो इसका व्यापक प्रचार-प्रसार दैनिक समाचार पत्रों व अन्य इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से किया जाएगा।

देह व्यापार में जेल गए विचाराधीन बंदी की मौत

कानपुर ग्रामीण। जिला कारागार कानपुर में निरूद्ध एक विचाराधीन बंदी की बीतीं देर शाम उपचार के दौरान उर्सला अस्पताल में में मौत हो गई,, मामले में जेल प्रशासन ने पंचनामा,, पोस्टमार्टम,और वीडियो ग्राफी कराने के लिए जिला प्रशासन को पत्र भेजा है, हनुमंत विहार के खाडेपुर कर्रही निवासी अम्बिका सिंह 52 वर्ष गुड्डू राठौर के मकान में किराए पर रहता था,, अम्बिका सिंह अनैतिक देह व्यापार अधिनियम की धारा 3/4/5/ और आई टी एक्ट की धारा 66ई के त तहत दर्ज़ मुकदमा में रावतपुर थाने में गिरफ्तार किया गया था, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर उसे 16 मई 2026 को न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार भेजा गया था,जेल प्रशासन के अनुसार बंदी को पान मसाला और शराब सेवन की लत थी 17=जून को अपने पेट दर्द और असामान्य व्यवहार की शिकायत की, जिसके बाद उसे कारागार चिकित्सालय में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया, रविवार 21 जून को देर शाम उसकी हालत अचानक बिगड़ गई, उसे सांस लेने में तकलीफ़ और दस्त की शिकायत हुई,,जेल चिकित्सा अधिकारी ने प्राथमिक उपचार और जीवन रक्षक दवाएं देने के बाद हालत गंभीर देखते हुए एंबुलेंस से जेल गार्ड की निगरानी यूएचएम जिला चिकित्सालय भेजा। अस्पताल में ?विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा था लेकिन शाम करीब 07 बजें फार्मासिस्ट इंद्रजीत सिंह राणा ने ?जिलाप्रशासन से बंदी की मौत से वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

गोसेवा आयोग सदस्य की अध्यक्षता में जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक सम्पन्न

● गोसेवा आयोग के सदस्य ने अनुपस्थित अधिकारियों पर हुए नाराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रदेश गोसेवा आयोग के सदस्य रमाकान्त उपाध्याय की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की गौशालाओं की व्यवस्थाओं, गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़ी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, भाजपा के शिव प्रकाश मिश्र सेनानी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारी, पशु चिकित्साकधारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ईओ नगर पंचायत कटरा मेंदनीगंज, ईओ नगर पंचायत पट्टी व अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत अनुपस्थित पाये गये जिस पर गोसेवा आयोग के सदस्य ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये सम्बन्धित का वेतन रोकने एवं कारण बताओ नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 राम शब्द ने बताया कि जनपद में कुल 75 गो-आश्रय स्थल संचालित हैं, जिनमें 59 अस्थायी गो-आश्रय स्थल, 2 कांजी हाउस, 8 वृहद गो-संरक्षण केंद्र तथा 6 कान्हा गौशालाएं शामिल हैं। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि दो गौशालाओं में अभी तक सीसीटीवी कैमरे स्थापित नहीं किए गए हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जनपद में अब तक 2426 गोवंश लाभार्थियों को सुपुर्द किए जा चुके हैं तथा अप्रैल तक की अनुदान राशि का भुगतान किया जा चुका है।गोसेवा आयोग के सदस्य ने नगरीय निकायों की गौशालाओं में बीमार एवं अशक्त गोवंशों के समुचित उपचार के लिए 'काऊ लिफ्टर' की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रत्येक माह गौशालाओं का भ्रमण कराया जाए। जिससे उनके भीतर पशु संरक्षण और गौसेवा के संस्कार विकसित हो सकें। सदस्य ने सभी खंड विकास अधिकारियों एवं नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गौशालाओं में चारा, भूसा, पानी, चूनी-चोकर तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की स्वच्छ एवं पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। गोवंशों के स्वास्थ्य, पोषण एवं देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गोसेवा आयोग द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का निर्धारित समयसीमा में अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति और परंपरा की महत्वपूर्ण धरोहर हैं तथा उनकी सेवा और संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

ग्राम पंचायतों में रात्रि चौपाल के माध्यम से अधिकारियों ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद की 04 ग्राम पंचायतों में रविवार को आयोजित रात्रि चौपालों में प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। रात्रि चौपालों का आयोजन विकास खंड सण्ड़वा चन्द्रिका की ग्राम पंचायत बांसी, सांगीपुर की राजमतीपुर, लक्ष्मणपुर की चमरूपुर शुक्लान व विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ की हरनाहर ग्राम पंचायत में किया गया। चौपालों में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। ग्रामीणों ने आवास, वृद्धावस्था एवं निराश्रित पेंशन, राशन कार्ड, पेयजल, स्वच्छता, भूमि विवाद तथा अन्य विकास संबंधी समस्याएं उठाईं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। चौपालों के दौरान अधिकारियों ने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों से उनका लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, आवश्यक दवाओं का वितरण किया तथा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी प्रदान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित करने के साथ-साथ शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

कानपुर में तीन मार्गों पर इंटरसेप्टर की निगाह से नहीं बच पा रहे हैं ओवर स्पीड वाहन

● तेज़ गति से चल रहे 346 वाहनों के ओवर स्पीड चालान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 8 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 3 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है । आज दिनांक 22.06.2026 में की गयी कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 64 ट्रक, 02 बस, 102 चार पहिया / दो पहिया 168 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया । राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 03 ट्रक, 05 बस, 108 चार पहिया / दो पहिया 116 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया । गंगा बैराज पर 62 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया । यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर ने आमजनमानस से अपील की है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें। रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय हेलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें । सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें 7 ओवरटेक हमेशा दाहिनें से करें । यातायात के संकेतो का पालन अवश्य करें । शराब पीकर वाहन न चलायें । नियमों का पालन न केवल आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दूसरों की जान की हिफाजत भी करता है ।

एसएसबी और एनजीओ ने चलाया संयुक्त अभियान:बाल संरक्षण, तस्करी और श्रम उन्मूलन पर किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बाल संरक्षण, बाल तस्करी रोकथाम एवं बाल श्रम उन्मूलन को लेकर एसएसबी एवं मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान का संयुक्त जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को ग्राम पंचायत परसोहिया नानकार टोला कोमर में सशस्त्र सीमा बल एवं मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान समुदाय के लोगों को बाल संरक्षण, बाल विवाह, बाल तस्करी एवं नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। साथ ही बच्चों की सुरक्षा, उनके अधिकारों एवं संरक्षण से संबंधित आवश्यक जानकारी साझा की गई। इसके अतिरिक्त बाणगंगा चौराहे पर 'बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश, बाल श्रम मुक्त सिद्धार्थनगर' अभियान के अंतर्गत स्टिकर अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न दुकानों एवं प्रतिष्ठानों पर स्टिकर लगाए गए तथा दुकानदारों को अपने यहां बच्चों को काम पर न रखने और बाल श्रम निषेध कानूनों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि बाल श्रम एक सामाजिक अपराध है और प्रत्येक बच्चे को शिक्षा एवं सुरक्षित बचपन का अधिकार प्राप्त है। कार्यक्रम में सशस्त्र सीमा बल से कंपनी इंचार्ज एसआई पंकज सिंह उपस्थित रहे। मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान की ओर से ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर अमन शर्मा, मनीष यादव, पुष्पा यादव एवं अंशु यादव सहित अन्य सहयोगी मौजूद रहे।

मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना में 10 उन्नत नस्ल की गायों पर मिलेगा 11.80 लाख रुपये तक का अनुदान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया है कि जनपद के पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों के लिए आय बढ़ाने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। नंद बाबा दुग्ध मिशन उत्तर प्रदेश के अंतर्गत संचालित मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत 10 स्वदेशी उन्नत नस्ल की गायों की डेयरी इकाई स्थापित करने पर अधिकतम 11.80 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रतापगढ़ जनपद में कुल 6 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें 3 महिलाएं एवं 3 पुरुष शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य स्वदेशी गायों के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देकर पशुपालकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाना है। योजना के तहत सहीवाल, गिर एवं थारपारकर जैसी उन्नत स्वदेशी नस्लों की 10 गायों की डेयरी इकाई स्थापित की जाएगी, जिसकी कुल अनुमानित लागत 23.60 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इस पर सरकार द्वारा 50 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के अनुसार लाभार्थी को परियोजना लागत का 15 प्रतिशत अंशदान स्वयं वहन करना होगा, जबकि 35 प्रतिशत धनराशि बैंक ऋण के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। यदि कोई लाभार्थी बैंक ऋण नहीं लेना चाहता और स्वयं के संसाधनों से इकाई स्थापित करना चाहता है, तो उसके बैंक खाते में आवश्यक धनराशि उपलब्ध होना अनिवार्य होगा। इसके लिए छः माह का सत्यापित बैंक स्टेटमेंट प्रस्तुत करना होगा। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि योजना के अंतर्गत 50 प्रतिशत लाभ महिला पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों को दिया जाएगा। गायों की खरीद यथासंभव प्रदेश के बाहर स्थित ब्रिडिंग ट्रैक्ट से की जाएगी। उन्होंने बताया कि डेयरी इकाई की स्थापना के लिए लगभग 0.20 एकड़ (8712 वर्ग फुट) भूमि आवश्यक होगी। चारे की उपलब्धता के लिए अनुबंध अथवा शपथपत्र देना होगा।उन्होने बताया है कि पूर्व में कामधेनु, मिनी कामधेनु, माइक्रो कामधेनु, नंदिनी कृषक समृद्धि योजना अथवा मुख्यमंत्री गौ-संवर्धन योजना का लाभ प्राप्त कर चुके व्यक्ति इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे। योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन 22 जून से प्रारंभ हो गए हैं और 21 जुलाई तक आवेदन किए जा सकेंगे। इच्छुक पशुपालक नंद बाबा दुग्ध मिशन के पोर्टल https://nandbabadugdhmission.up.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं।

कानपुर सागर हाइवे पर स्थित घाटमपुर का ओवरब्रिज दस दिन के लिए बंद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर सागर हाइवे पर स्थित घाटमपुर ओवरब्रिज की मरम्मत के चलते 30 जून तक पुल पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा,, यातायात पुलिस ने डायवर्सन लागू करते हुए सभी वाहनों को सर्विस लेन से निकालने की व्यवस्था की हैं,, पुल बंद होने से घाटमपुर नगर में ट्रैफिक का दबाव बढ़ने और जाम की समस्या गहराने की आंशका जताई जा रही है यातायात पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार घाटमपुर ओवरब्रिज पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है,इस दौरान 30 जून तक पुल पर किसी भी प्रकार के वाहन का आगमन नहीं होगा, मरम्मत पूरी होने के बाद ही यातायात को सामान्य रूप से शुरू किया जाएगा,,जारी डगयवर्जन योजना के तहत् हमीरपुर की ओर से कानपुर जाने वाले वाहन सर्विस लेन का उपयोग करेंगे,, वहीं कानपुर से आने वाले वाहन भी घाटमपुर पहुंचने पर सर्विस लेन के रास्ते अपने गन्तव्य की ओर जा सकेंगे, यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित मार्ग का पालन करने की अपील की है,, आपको बताते चलें कि घाटमपुर नगर कानपुर सागर हाइवे का प्रमुख यातायात केंद्र है,, ओवरब्रिज बंद होने के कारण डंपर,बस और ट्रक आदि अन्य भारी वाहनों का पूरा दबाव सर्विस लेन और नगर के मुख्य चौराहे पर आ जाएगा,, स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह और शाम के समय लंबा जाम लगने की संभावना बनी रहेगी,, स्थानीय लोगों के अनुसार रात के समय बड़ी संख्या में ट्रकों की आवाजाही होने से हाइवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग सकतीं हैं,, सर्विस लेन अपेक्षा क्रत संकरी होने के कारण ट्रैफिक संचालन चुनौती पूर्ण रहेगा,, और दुर्घटनाओ का खतरा भी बढ़ सकता है,, स्थानीय लोगों ने ट्रैफिक पुलिस से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने और जाम की स्थिति से निपटने के लिए प्रभारी प्रबंधन की मांग की हैं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जाएंगी।

सपा के विरुद्ध लगे पोस्टरों का समाजवादी पार्टी के नेताओं ने बैठक कर किया विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी महानगर के प्रमुख लोगों की आपात बैठक सपा कार्यालय में आरंभ हुई। अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने संबोधन में कहा कि सपा पीडीए जनसंदेश यात्रा का बढ़ता प्रभाव तथा जनाधार देखकर भाजपा अनर्गल जातीयता के पोस्टर छाप कर खींज मिटा रही है क्योंकि भाजपा को 2027 में,पीडीए जवाब देने के लिये व्यापक तैयारी सभी फ्रंटल,संगठनो और महिलाओ ने व्यापक बूथ स्तर पर आरंभ कर दी है। अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने कहा कि इस तरह के पोस्टर लगाकर भाजपा किस संस्कार को बढ़ावा दे रही है जनता के हितों की चिंता छोड़कर विरोधी दल के पोस्टर लगाकर यह सिद्ध कर दिया कि भाजपा सपा के प्रभाव से परेशान है उसे बिजली समस्या, टूटी सड़के, गलियों मे गन्दगी, पानी समस्या सड़कों पर गड्ढे 'की चिन्ता नही है उल्टा जनता का ध्यान बंटने के लिये पोस्टर बाजी कर रहे। सपा अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने कहा कि सपा संस्कार,सस्कृति,संयम की पक्षधर है 2027 भाजपा के मंसूबो पर जनता पानी फेर देगी और उनके कृत्यो का जवाब मिल जायेगा। सपा अध्यक्ष फजल महमूद ने सम्बोधन मे कहा गोविंद नगर सी,टी,आई चौराहा,निराला नगर,गुजैनी क्षेत्र मे पीडीए यात्रा दर्जनो मलिन बस्तियो से गुजरी और व्यापक सम्पर्क करने के साथ उनकी समस्याओ पर आंकलन रिपोर्ट तैयार की। बैठक,कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र यादव मिन्टू,के के शुक्ला,महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर,रजत मिश्रा,दीपक खोटे,शादाब आलम,आकाश यादव,हुकुम सिंह,सुधांशु मिश्रा,विनय गुप्ता,प्रीतम बक्सी,श्याम सिंह,राकेश निषाद,आकाश निगम, सुलेखा यादव,दीप्ती सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

आरसेटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए- जिलाधिकारी

● आरसेटी प्रशिक्षण बैचों की नियमित निगरानी एवं अभिलेखीकरण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश - जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति (डीएलआरएस) की वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम बैठक एवं आरसेटी प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आरसेटी एवं आरसेटी के माध्यम से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं एवं युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जुड़ सकें। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आरसेटी में संचालित सभी प्रशिक्षण बैचों का प्रतिदिन फोटोग्राफ लिया जाए तथा प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति का अद्यतन विवरण सुरक्षित रखा जाए। पोस्ट प्रोग्राम रिपोर्ट (पीपीआर) में प्रशिक्षणार्थियों के मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से अंकित किए जाएं, जिससे प्रशिक्षण उपरांत उनकी प्रगति का प्रभावी अनुश्रवण किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरसेटी से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में आवेदन करने हेतु प्रेरित किया जाए। साथ ही उन्हें विभिन्न स्वरोजगार एवं उद्यमिता योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर सफल हुए युवाओं की सफलता की कहानियों का फोटो एवं वीडियो तैयार किया जाए तथा प्रशिक्षण गतिविधियों का नियमित दस्तावेजीकरण किया जाए। इससे अन्य युवाओं को प्रेरणा मिलेगी और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धियां व्यापक स्तर पर जनसामान्य तक पहुंच सकेंगी। बैठक में एनआरएलएम के सहयोग से जेल बंदियों के लिए कौशल विकास एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, वन जीपी-वन बीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा आरसेटी में आयोजित होने वाले आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूचना समय से संबंधित कार्यालयों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर डीसी एनआरएलएम सरिता सिंह, जीएम डीआईसी विनोद कुमार चौधरी, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर में बस-बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत, एक घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर । जिले के भवानीगंज थाना क्षेत्र के लटिया चौराहे के पास रविवार देर रात एक निजी बस की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। भवानीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कंचनपुर के टोला तकियवा निवासी समीर (20) पुत्र मुस्तकीम, शाकिब (13) पुत्र फजलेरब और शोएब (17) पुत्र मुस्तकीम बाइक से किसी काम से बेंवा चौराहे गए थे। लौटते समय लटिया चौराहे के पास भड़रिया की ओर से मजदूरों को लेकर बिहार जा रही एक निजी बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेंवा पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने समीर और शाकिब को मृत घोषित कर दिया। शोएब की हालत गंभीर होने पर उसे पहले बस्ती रेफर किया गया। वहां भी हालत में सुधार न होने के कारण स्वजन उसे इलाज के लिए लखनऊ ले गए। जहां उसका उपचार लखनऊ स्थित किसी हॉस्पिटल में चल रहा है। इस मामले में थानाध्यक्ष विजय सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी है। पुलिस पंचनामा भरकर आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

डॉक्टर ने वेब सीरीज 'Raakh' के स्टाइल में जमा कर रखे थे चाकू और तलवार, दिल्ली मेड मर्डर केस में चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के माउंट कैलाश में डॉक्टर द्वारा अपनी 15 साल से काम कर रही घरेलू नौकरानी का गला रेतकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस को चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी डॉक्टर मनीष गुप्ता ने वेब सीरीज 'राख' की तर्ज पर सालों से घर में चाकू, तलवार और खुकरी का बड़ा संग्रह जमा कर रखा था। पुलिस जांच में पता चला कि हत्या में इस्तेमाल की गई खुकरी भी इन्हीं स्मृति चिन्हों में से एक थी, जिसे डॉक्टर ने देश के विभिन्न राज्यों से इकट्ठा किया था। पुलिस के अनुसार, 19 जून को डॉ. मनीष गुप्ता (50) ने अपनी घरेलू सहायिका मीना (45) पर हमला किया। उन्होंने पहले अपने बेटे का क्रिकेट बैट लेकर मीना पर बार-बार हमला किया, फिर खुकरी से उनका गला रेत दिया। मीना का शव छत पर पड़ा मिला। पुलिस ने डॉ. गुप्ता के घर से वह खुकरी बरामद कर ली है, जिससे हत्या की गई। यह खुकरी उनके संग्रह की थी, जिसमें उन्होंने वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों से ऐसी कई खुकरियां जमा की थीं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मीना की गर्दन पर मिला घाव चिकित्सकीय रूप से सटीक था। मीना रोज की तरह काम पर आई थीं और कपड़े सुखाने के लिए, छत पर गई थीं। इसी दौरान डॉ. गुप्ता ने उन पर हमला कर दिया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो डॉ. गुप्ता घर के अंदर थे। उन्होंने पुलिस से कहा, 'मुझे फांसी दे दो।' जांच में पता चला है कि डॉ. मनीष गुप्ता पिछले करीब 10 साल से डिप्रेशन और ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर (OCD) का इलाज करा रहे थे। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या उन्होंने अपनी दवाइयां बंद कर दी थीं।

बारिश से पहले ही 'डूबने' को तैयार दिल्ली, नालों से निकली गाद उठाना भूला PWD

नई दिल्ली। दिल्ली में मानसून की दस्तक से पूर्व लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। बरसाती नालों की सफाई के नाम पर खानापूर्ति का आलम तो जारी है ही, नालों से निकाली गई गाद उठाने के मामले में भी विभाग के अधिकारी पिछले सालों की गलतियों से कोई सबक नहीं ले रहे हैं। मानसून को देखते हुए विभाग द्वारा यह स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे कि नालों से निकाली गई गाद को 24 घंटे के अंदर मौके से हटा लिया जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इन कागजी दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। राजधानी के कई इलाकों में नालों से निकाली गई गाद पांच से लेकर आठ दिनों तक सड़कों और नालियों के किनारे यूं ही पड़ी है। इस लापरवाही ने आम जनता की चिंताएं बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग द्वारा जताई जा रही तेज वर्षा की संभावनाओं के बीच यह आशंका प्रबल हो रही है कि यदि समय रहते इस गाद को नहीं उठाया गया, तो वर्षा का पानी इसे वापस नालों में बहा ले जाएगा। नालों के फिर से चोक होने की स्थिति में सड़कों पर भारी जलभराव का संकट पैदा हो सकता है। स्थानीय निवासियों और जागरूक नागरिकों का आरोप है कि विभाग के अधिकारी शायद इसी स्थिति का इंतजार कर रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि पहली ही वर्षा में गाद वापस नाले में चली जाती है, तो अधिकारियों और ठेकेदारों को दोबारा गाद निकालने के नाम पर एक और भ्रष्टाचार का रास्ता मिल जाएगा।

कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन को तुरंत खत्म करने का आदेश, दिल्ली पुलिस ने फाउंडर अभिजीत को भेजा नोटिस

● **दिल्ली के जंतर-मंतर पर तय समय के बाद जारी रहे प्रदर्शन को लेकर पुलिस ने सख्ती दिखाई है। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके को नोटिस भेजकर प्रदर्शन तुरंत खत्म करने का आदेश दिया गया है।**

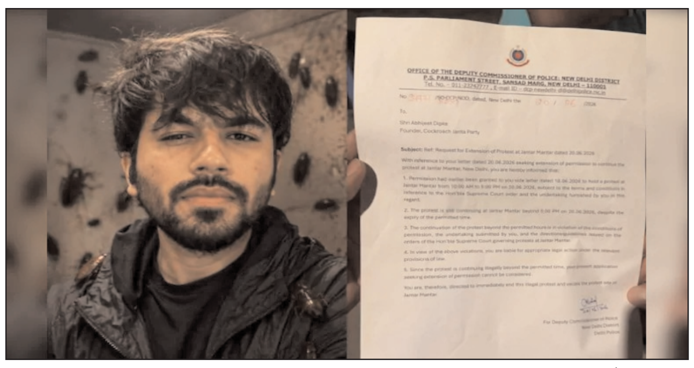

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन को लेकर पुलिस ने सख्त रुख अपना लिया है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन को तय समय के बाद जारी रखने पर दिल्ली पुलिस ने तुरंत इसे खत्म करने का आदेश दे दिया है। पुलिस ने पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके को नोटिस भेजकर साफ चेतावनी दी है कि अब यह प्रदर्शन गैरकानूनी हो चुका है और अगर तुरंत नहीं रोका गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तय समय के बाद भी जारी रहा प्रदर्शन

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक की ही अनुमति दी गई थी। लेकिन तय समय खत्म होने के बाद भी प्रदर्शन जारी रखा गया। इसे नियमों का सीधा उल्लंघन माना गया है।

सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का हवाला

पुलिस ने अपने नोटिस में कहा है कि तय समय के बाद प्रदर्शन करना सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों और पुलिस से ली गई परमिशन का उल्लंघन है। ऐसे में अब इस आंदोलन को जारी रखना अवैध माना जाएगा। दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से प्रदर्शन का समय बढ़ाने के लिए आवेदन दिया गया था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया। पुलिस का साफ कहना है कि नियमों में किसी तरह की ढील नहीं दी जा सकती।

तुरंत जंतर-मंतर खाली करने के आदेश

पुलिस ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि प्रदर्शन तुरंत खत्म कर जंतर-मंतर खाली किया जाए. अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो आयोजकों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली से सिखों का एक और जत्था पाकिस्तान पहुंचा, कार्यक्रम में होंगे शामिल

नई दिल्ली। महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिल्ली से 62 सदस्यीय श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान गया है। यह जत्था 29 जून को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद 30 जून को भारत वापस लौटेगा। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) द्वारा पिछले दिनों गुरु अर्जुन देव जी के बलिदान दिवस पर भी श्रद्धालुओं को पाकिस्तान भेजा गया था। डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद श्रद्धालुओं को पाकिस्तान दूतावास से वीजा प्राप्त हुआ था। श्रद्धालु महाराजा रणजीत सिंह के पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के साथ ही पाकिस्तान में स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करेंगे। महाराजा रणजीत सिंह की मृत्यु लाहौर में हुई थी। उन्होंने बताया कि डीएसजीएमसी की ओर से हर वर्ष बैसाखी और विभिन्न गुरुपर्वों के अवसर पर श्रद्धालुओं के जत्थे पाकिस्तान भेजे जाते हैं। इस बार 13 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशानुसार गुरु अर्जन देव जी का बलिदान दिवस देश-विदेश की संगतों द्वारा एक ही तिथि पर मनाया गया, जिससे पंथ में बनी हुई असमंजस की स्थिति समाप्त हुई है।

सब-इंस्पेक्टर को विजिलेंस ब्यूरो ने 20,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़- पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे अपने अभियान के दौरान, पुलिस स्टेशन फिल्लौर, जिला जालंधर में तैनात सब-इंस्पेक्टर अमनदीप कौर को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। आज यहां यह जानकारी देते हुए, स्टेट विजिलेंस ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को मोहल्ला चौधरीयां, फिल्लौर पुलिस स्टेशन, जिला जालंधर के निवासी की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसके बेटे को ड्रग्स के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और आरोपी SI ने उसे जमानत दिलाने और कम मात्रा में ड्रग्स के साथ मामला दर्ज करने और उसका मोबाइल फोन वापस करने में मदद करने के लिए 20,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। मजबूरी में, उसने पहले ही 1000 रुपये रिश्वत दे दी थी। शिकायत करने वाले ने रिश्वत की मांग के बारे में पूरी बातचीत रिकॉर्ड भी कर ली थी। गैर-कानूनी रिश्वत देने को तैयार न होने पर, शिकायत करने वाले ने विजिलेंस ब्यूरो रेंज जालंधर से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, विजिलेंस ब्यूरो टीम ने आरोपी SI को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायत करने वाले से 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा लिया। उसके पास से दागी नोट बरामद किए गए। इस संबंध में, आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो पुलिस स्टेशन जालंधर में भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच चल रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद में अरविंद केजरीवाल की एंट्री, शुक्रवार को अयोध्या दौरे का किया एलान

नई दिल्ली। अयोध्या के श्रीरामलला मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन करने जाएंगे। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी से हर सनातनी बेहद दुखी है। शुक्रवार को मैं दर्शन के लिये श्री राम मंदिर जाऊंगा।' बता दें कि राम मंदिर में करोड़ों रुपये के चढ़ावे और दान की कथित चोरी के मामले में हाल ही में सियासत तेज हो गई है। केजरीवाल ने पहले भी इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया था कि इतनी बड़ी चोरी होने के बावजूद अब तक एक भी एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई। उन्होंने कहा था कि सरकार किसे बचा रही है?

विधानसभा उत्तरी में 1.5 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 22 फुटा रोड का विधायक मदन लाल बग्गा ने किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- लुधियाना विधानसभा उत्तरी में आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) से बनने वाली 22 फुटा रोड के निर्माण कार्य का उद्घाटन का शुभारंभ विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा द्वारा किया गया। इस प्रोजेक्ट के निर्माण परक करीब 1.5 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस अवसर पर पार्षद पुष्पेन्द्र भनोट, पार्षद नरेन्द्र भारद्वाज, व गुरवीर गोलू बाजवा सहित स्थानीय निवासी तथा पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक मदन लाल बग्गा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अपने विधायक कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा विधानसभा उत्तरी में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। पंजाब सरकार और स्थानीय प्रशासन क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं। करीब डेढ़ करोड़ की लागत से बनने वाली 22 फुटा रोड के निर्माण से हजारों लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था भी सुचारू होगी। बग्गा ने बताया कि आरएमसी से सड़कें अधिक टिकाऊ और मजबूत होती हैं, जिससे लोगों को लंबे समय तक बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होगी। पंजाब सरकार की तरफ से मुफ्त इलाज के लिए प्रति परिवार 10 लाख की योजना की सफलता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा मावां धीयां योजना के तहत जल्द हर एससी महिला के खाते में 1500 व जनरल वर्ग से संबंधित महिलाओं के खाते में एक-एक हजार रुपये ट्रांस्फर होंगे।

चलती बस में लगी आग करीब 71 यात्रियों की सूझबूझ से बची जान

● **लुधियाना से गोंडा जा रही बस बिजा के पास जली, यात्रियों का सामान राख; ड्राइवर, खलासी और ब्रोकर हिरासत में**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना/खन्ना- लुधियाना के ढोलवाल स्थित डिवीजन नंबर-6 क्षेत्र से उत्तर प्रदेश के गोंडा के लिए रवाना हुई एक निजी बस रविवार दोपहर एक बड़े हादसे का शिकार हो गई। करीब 60 यात्रियों को लेकर जा रही बस खन्ना के नजदीक बिजा क्षेत्र में पहुंचते ही अचानक आग की लपटों में घिर गई। गनीमत रही कि ड्राइवर द्वारा बस सड़क किनारे रोकने और यात्रियों को तत्काल बाहर निकालने के कारण एक बड़ा जान-माल का नुकसान टल गया। जानकारी के अनुसार, बस रविवार सुबह करीब 11:30 बजे लुधियाना से गोंडा के लिए रवाना हुई थी। 12 बजे हुआ हादसा बस में लगभग 60 यात्री, दो ड्राइवर, एक खलासी और यात्रियों को बस में बैठाने वाला कथित ब्रोकर अरमान भी सवार था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस बिजा के पास पहुंची ही थी कि अचानक उसके पिछले हिस्से से आग का बड़ा गुबार निकला और देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया।

इमरजेंसी खिड़कियों से बाहर निकाले गए यात्री

आग लगने के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों की चीख-पुकार के बीच बस को सड़क किनारे रोका गया और मुख्य दरवाजे के साथ-साथ इमरजेंसी खिड़कियां खोलकर लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कुछ ही मिनटों में आग इतनी विकराल हो गई कि पूरी बस धू-धू कर जलने लगी।

तीन दमकल गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। बस में रखे यात्रियों के कपड़े, नकदी, जरूरी दस्तावेज और अन्य सामान भी आग की भेंट चढ़ गए।

सिलेंडर फटने जैसी तेज आवाज से दहशत

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग लगने के कुछ समय बाद बस के अंदर से जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। लोगों ने आशंका जताई कि बस में रखा कोई गैस सिलेंडर फट गया था। आग बुझने के बाद जले हुए गैस चूल्हे, घरेलू बर्तन और अन्य सामान भी दिखाई दिए।

ड्राइवर, खलासी और ब्रोकर मौके से भागे, पुलिस ने दबोचा

सूत्रों के अनुसार, आग लगने के बाद बस का एक ड्राइवर, खलासी और यात्रियों को बस में बैठाने वाला ब्रोकर अरमान मौके से फरार हो गया था। हालांकि पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों को खन्ना स्थित शनि मंदिर के पास से हिरासत में ले लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है।

जांच के घेरे में बस की फिटनेस और सुरक्षा व्यवस्था

हादसे के बाद बस की फिटनेस, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, यात्रियों की क्षमता से अधिक सामान ले जाने और सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं। प्रारंभिक जांच में आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी टीम की सहायता ली जा रही है।

श्रीभूमि जिले के निविया निकट सोनापुर में एयरटेल नेटवर्क से परेशानी, दूरसंचार मंत्री के हस्तक्षेप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: डिजिटल इंडिया के तहत देश के दूरदराज क्षेत्रों तक बेहतर दूरसंचार सेवाएं पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। 5जी, 4जी, 3जी और 2जी नेटवर्क के विस्तार के माध्यम से डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। हालांकि, जिले के निविया निकट स्थित सोनापुर गांव में इसकी विपरीत तस्वीर देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सोनापुर क्षेत्र में लंबे समय से एयरटेल का नेटवर्क अत्यंत कमजोर बना हुआ है। इसके कारण उपभोक्ताओं को नियमित रूप से फोन कॉल करने, कॉल प्राप्त करने और इंटरनेट उपयोग में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में यह समस्या लाई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी समाधान नहीं किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, वर्तमान समय में बैंकिंग सेवाएं, कैशलेस लेनदेन, सरकारी दस्तावेजों का सत्यापन तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मोबाइल नेटवर्क अनिवार्य हो गया है। लेकिन कमजोर नेटवर्क के कारण उन्हें इन सेवाओं का उपयोग करने में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इससे समय और धन दोनों की हानि हो रही है। स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि नेटवर्क समस्या के कारण कई बार आपातकालीन फोन कॉल भी पूरी नहीं हो पाती हैं। इसके अलावा ऑनलाइन सेवाओं, डिजिटल भुगतान और विभिन्न सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाने में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। लंबे समय से समस्या का स्थायी समाधान न होने के कारण ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस स्थिति को देखते हुए, सोनापुर के निवासियों ने मामले की शीघ्र जांच कर आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने केंद्रीय दूरसंचार मंत्री, जिला उपायुक्त (डीसी) तथा संबंधित अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि जल्द ही प्रभावी कदम उठाकर सोनापुर क्षेत्र में बेहतर और निर्बाध दूरसंचार सेवाएं सुनिश्चित होंगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का ओजयान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- इसमें विधायक राजिंदरपाल कौर छीना, कुलवंत सिंह सिद्धू, दलजीत सिंह ग्रेवाल, चौधरी मदनलाल बग्गा, मेयर इंद्रजीत कौर, पार्षद अमन बग्गा व डॉ.अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी के प्रधान हसंराज ने विशेष रूप से शिरकत की। इस समारोह में जिला प्रशासन के सहयोग के वन विभाग, खेल विभाग, सीएम दी योगशाला व विभिन्न योग संस्थानों के 380 से अधिक योग साधकों व लोगों ने भाग लिया। विधायक ग्रेवाल ने सेहत को सबसे बड़ी पूंजी बताया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशों से दूर रखने के लिए योगा की अहम भूमिका बताई। विधायक राजिंदरपाल कौर छीना ने कहा कि योगाभ्यास से ओवरऑल हेल्थ में सुधार होता है। मेयर इंद्रजीत कौर ने कहा कि योग के माध्यम से तनाव व डिप्रेशन को भी दूर किया जा सकता है। इस मौके ड्रग्स मैन्युफेक्चरिंग एसोसिएशन ने विधायक का सम्मान किया। इस मौके विधायक ने विभाग की डॉ.रुपिंदर कौर को सम्मानित किया, जो दुनिया की सबसे ऊंची एवरेस्ट चोटी के बस कैंप में पहुंचने वाली पहली भारतीय व्हील चेयर पोलियो सवाइवर हैं।

इस मौके नोडल अफसर डॉ.रजनी बाला, डॉ.हेमंत कुमार, डॉ.नवदीप, डॉ.नीरू कलसी ने झाडू, एमिल,नागार्जुन, देसावरी आदि व आयुर्वेदिक ड्रग मैन्युफेक्चर एसोसिएशन लुधियाना, वन विभाग, जिला खेल विभाग व वेरका के अधिकारियों का आभार जताया। समारोह में मंच संचालन डॉ.शिवाली अरोड़ा व डॉ.राजन कौशल ने किया।

दिल्ली के शेख सराय फेज-2 में अवैध निर्माण के दौरान भरभराकर गिरी दीवार, मची अफरा-तफरी

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली के शेख सराय फेज-2 में अवैध निर्माण के दौरान हादसे की खबर है। मालवीय नगर थाना क्षेत्र के शेख सराय फेज-दो स्थित पार्केट-के में मकान नंबर -101 में अवैध तरीके से मकान बनाते समय अचानक दीवार भरभराकर गिरी। हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी के माध्यम से हम इस समाचार को निरंतर अपडेट कर रहे हैं। ताजा ब्रेकिंग न्यूज़ और अपडेट्स के लिए जुड़े रहिए जागरण के साथ।

फर्जी फर्मों के करंट अकाउंट से ठगी का बड़ा खेल; दिल्ली में अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

● **मध्य जिला पुलिस ने पहाड़गंज में एक अंतरराज्यीय साइबर ठगी सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह फर्जी बैंक खातों और पीओएस मशीनों के जरिए देशभर में साइबर अपराधियों को वित्तीय ढांचा मुहैया कराता था।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। साइबर अपराधियों को फर्जी बैंक खाते और पीओएस मशीनें आपूर्ति करने वाले एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ की मध्य जिला के साइबर सेल थाना पुलिस ने पहाड़गंज के एक होटल में छापेमारी कर गिरोह के चार गुर्गों को गिरफ्तार किया है। यह सिंडिकेट देशभर में साइबर ठगी करने वाले साइबर अपराधियों को बैंकिंग और अन्य वित्तीय बुनियादी ढांचा मुहैया करा रहा था। पुलिस ने इनके पास से एक्टिव पीओएस टर्मिनल, डेबिट कार्ड, साइन किए हुए ब्लैंक चेक बुक और कई डिजिटल दस्तावेज बरामद किए हैं। जांच में सामने आया है कि जब्त किए गए खाते कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में हुए साइबर धोखाधड़ी से जुड़े हैं। डीसीपी, मध्य जिला, रोहित राजबीर सिंह का कहना है कि गिरफ्तार किए गए आरोपित पहाड़गंज के होटल से सिंडिकेट चला रहा था। एसीपी साइबर सेल और इंस्पेक्टर की टीम को सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने पहाड़गंज के 'कृष्णा होटल' में छापेमारी कर वहां ये चारों को दबोच लिया। वहां पर आरोपित साइबर अपराधियों को बेचने के लिए बैंकिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहे थे, तभी चारों को दबोच लिया गया।

इन साइबर जालसाजों को पुलिस ने पकड़ा

गिरफ्तार किए गए आरोपितों के नाम संजय, कुलदीप गोले, निर्दोष बिदलान व दीपक बिश्नोई है। संजय, आनंद पर्वत का रहने वाला है। यह स्थानीय कोऑर्डिनेटर था, जो बाहरी राज्यों के सप्लायर्स से संपर्क बनाए रखता था। कुलदीप गोले, पटेल नगर का रहने वाला है। यह खातों की लेयरिंग (पैसा घुमाने) और इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट का काम देखता था। निर्दोष बिदलान, गोहाना, सोनीपत का रहने वाला है। यह फर्जी फर्में बनाने और बैंकिंग किट का इंतजाम करने वाला अंतराज्यीय सप्लायर है। दीपक बिश्नोई, हनुमानगढ़ (राजस्थान) का रहने वाला है। यह श्रीगंगानगर में पढ़ाई करने के साथ-साथ एक्टिव म्यूल-अकाउंट (किराए के खातों) की किट अरेंज करता था।

फर्जी फर्म बनाकर खुलवाते थे करंट अकाउंट

पूछताछ में से पता चला कि यह सिंडिकेट बेहद व्यवस्थित तरीके से काम कर रहा था। बाहरी राज्यों के आरोपित फर्जी रेंट एग्रीमेंट के जरिये 'एसजी एंटरप्राइजेस', 'जीएम एंटरप्राइजेस' और 'एचएम ट्रेडर्स' जैसी फर्जी पार्टनरशिप फर्में बनाते थे और उनके नाम पर कमर्शियल करंट अकाउंट खुलवाते थे। इन खातों की बैंकिंग किट, चेक बुक और दस्तावेज दिल्ली लाए जाते थे। ठगी की रकम को इन फर्जी खातों में डाला जाता था। इसके बाद पीओएस मशीन और मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड का इस्तेमाल करके उस अवैध पैसे को वैध बिजनेस ट्रांजेक्शन (वैध कमाई) की तरह दिखाया जाता था। खाता धारकों को करीब आठ प्रतिशत कमीशन दिया जाता था, जबकि एजेंट आपस में दो से चार प्रतिशत का अतिरिक्त कमीशन बांटते थे।

मनी ट्रेल खंगाल रही है दिल्ली पुलिस

पुलिस ने इनके कब्जे से एक एक्टिव इंडसइंड बैंक पीओएस टर्मिनल, एक मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड स्कैनर, पांच कमर्शियल करंट अकाउंट की चेक बुक और पासबुक, छह एक्टिव एटीएम व डेबिट कार्ड, तीन असली पार्टनरशिप डीड और कॉरपोरेट दस्तावेज, कॉरपोरेट रबर स्टैम्प, पैन कार्ड और कमर्शियल रेंट एग्रीमेंट, चार मोबाइल फोन (बैंकिंग रिकॉर्ड और डिजिटल चैट से भरे हुए) बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारी का कहना है कि इन आरोपितों के तार राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल से जुड़े हुए हैं। तकनीकी जांच में सामने आया कि जब्त किए गए खाते पहले से देश के कई साइबर धोखाधड़ी से जुड़े हुए हैं। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का एक खाता एनसीआरपी की शिकायत से लिंक्ड मिला है। इंडसइंड बैंक का खाता कर्नाटक और महाराष्ट्र के साइबर ठगी से जुड़ा पाया गया है। एक्सिस बैंक में 'लक्ष्मण एंटरप्राइजेस' के नाम पर खुला खाता पांच साइबर शिकायतों में दर्ज है। एचडीएफसी बैंक का एक खाता भी पांच अलग-अलग साइबर ठगी की शिकायतों में फ्लैग (चिह्नित) पाया गया। अदालत ने चारों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क के मनी ट्रेल (पैसे के लेन-देन के रास्ते) को खंगाल रही है ताकि पता लगाया जा सके कि इस सिंडिकेट ने और कौन-से लोग जुड़े हैं और इन्होंने कितने करोड़ की ठगी की है।

दिल्ली में फिर मंडराया बाढ़ का खतरा: यमुना किनारे 50 करोड़ रुपये की दीवार का काम लटका

● **दिल्ली में यमुना के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ के खतरे को रोकने के लिए प्रस्तावित बाढ़रोधी दीवार का काम अभी शुरू नहीं हुआ है। मानसून के बाद निर्माण शुरू होने की उम्मीद है।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। मानसून के दिनों में यमुना का जलस्तर बढ़ने से कई क्षेत्रों में बाढ़ का पानी पहुंचने का खतरा रहता है। वर्ष 2023 में बाढ़ का पानी आवासीय क्षेत्रों में भरने से कई दिनों तक जनजीवन अस्तव्यस्त रहा था। पिछले वर्ष भी मजनू का टीला व बेला रोड क्षेत्र में पानी भर गया था। इसके समाधान के लिए मजनू का टीला से लेकर कश्मीरी गेट के नजदीक लोहा पुल तक रिंग रोड के किनारे बाढ़रोधी दीवार बनाया जाना है, लेकिन अभी तक इसका काम शुरू नहीं हो सका है। मानसून बाद निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। यानी इस वर्ष भी आवासीय क्षेत्रों में पानी भरने का खतरा बना रहेगा। दीवार की ऊंचाई लगभग 4.72 किलोमीटर होगी। इसमें से लगभग 850 मीटर अधिक संवेदनशील क्षेत्र में कंक्रीट की दीवार बनेगी। शेष हिस्से में ईंट या पत्थर की होगी। इसकी ऊंचाई लगभग छह फीट होगी। इसके निर्माण पर लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अधिकारियों का कहना है कि दीवार बनने से यमुना का पानी रिंग रोड व इसके पास के आवासीय क्षेत्र व बाजार में नहीं पहुंचेगा।

अभी तक आवंटित नहीं हुआ काम

मार्च में इसके निर्माण के लिए निविदा भी जारी कर दी गई थी। लेकिन, अभी तक किसी को काम आवंटित नहीं किया गया। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा का कहना है कि पहले इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) माडल पर होना था निर्माण। इसमें निर्माण करने वाली एजेंसी भी डिजाइन बनाती है। ठेकेदारों द्वारा दिए गए डिजाइन में खामी थी। इस कारण सरकार ने आइआइटी दिल्ली को डिजाइन बनाने का काम दिया है। 10-15 दिनों में डिजाइन फाइनल होने की उम्मीद है। मानसून के बाद हो निर्माण कार्य शुरू होगा। तब तक पुरानी आवासीय क्षेत्रों में पानी नहीं पहुंचे इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।